Vol.19, Issue 8 | Annual Subscription ₹ 420

June 2020

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

INDIA
www.rotarynewsonline.org

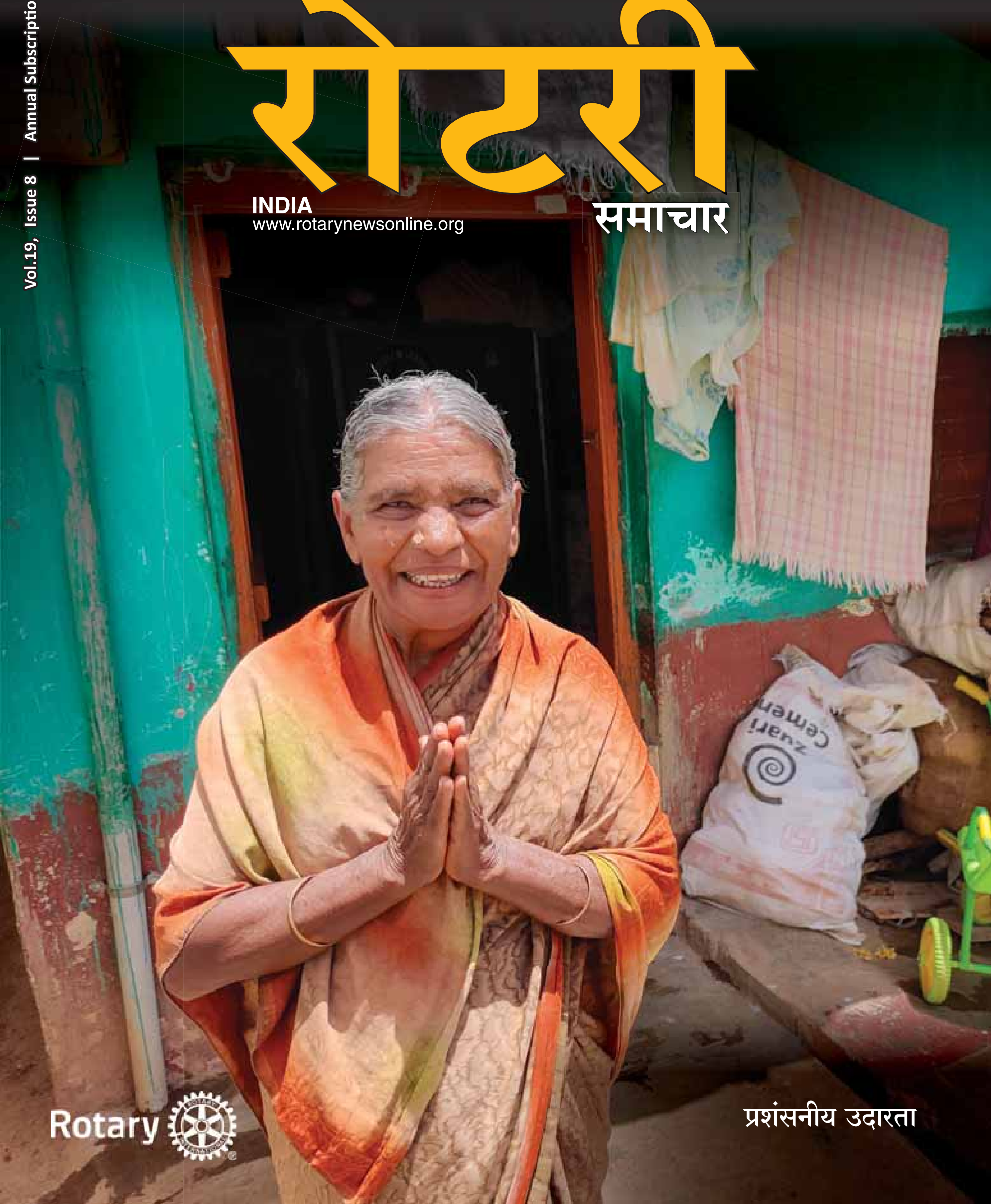

प्रशंसनीय उदारता

Rotary

NOW MORE THAN EVER, ROTARY CONNECTS THE WORLD:

THE 2020 ROTARY VIRTUAL CONVENTION

20-26 June 2020

Rotary | 2020 ROTARY VIRTUAL CONVENTION 20-26 JUNE

GENERAL SESSIONS

08:00–09:15 in Chicago, USA (Convert Chicago time to the date and time for your area)

Saturday, 20 June: Together, We Connect

Speeches by RI President Mark Maloney, Foundation Trustee Chair Gary Huang, Foundation Trustee Chair-elect KR Ravindran, and Convention Chair Celia Giay.

See how our Rotary family is connecting across the globe to support each other and the fight against COVID-19, and find out how we can continue to support these efforts.

Sunday, 21 June: Together, We Learn

Be inspired to action by President Mark Maloney, Convention Chair Celia Giay, RIPE Holger Knaack, General Secretary John Hewko and RIPN Shekhar Mehta.

"Travel" to Hawaii and experience the Honolulu Mural Project.

Learn how e-clubs work and discover how Rotary clubs are leveraging new platforms to meet virtually and stay connected. Watch Rotary Peace Fellows in action around the world and see how an RIBI club innovated to expand membership.

FEATURED BREAKOUTS

Monday, 22 June

08:00 - Using virtual tools to engage members
12:00 - Engaging Rotary Alumni
18:00 - 'Greening Rotary' events: Be plastic-free, offset carbon, and more!

Tuesday, 23 June

08:00 - Grow Rotary through new club types
12:00 - Coffee with Shekhar for District Governors-nominee and Club Presidents-nominee
18:00 - How to start and manage RAGM microfinance projects **(presented in Spanish)**

Wednesday, 24 June

08:00 - Adopt-a-River initiative: A Rotary & UNEP partnership model
12:00 - Rotaract Elevated, Now What?
18:00 - Disruptive innovation in Rotary clubs **(presented in Spanish)**

Thursday, 25 June

08:00 - How to submit a great Global Grant application
12:00 - Forum for 2019–20 District Governors and Club Presidents
18:00 - Digital Trends of 2021: Using tech to engage millennials

Friday, 26 June

08:00 - Engage young families with service and alternative meetings
12:00 - The Rotary Brand
18:00 - Personal Growth Opportunities: Rotary's alliance with Toastmasters

For more details visit *riconvention.org*

विषयसूची

40 कमलाम्मा की असाधारण उदारता

महामारी की खलबली के बीच, इस पेंशनभोगी का योगदान दिल को छू लेने वाला है।

10 कोविड के बाद की दुनिया

कोविड महामारी के बाद की दुनिया कैसी होगी और नए सामान्य क्या होंगे उसकी एक झलक।

18 रोटेरियनों ने फ्रैंक डेवलिन को भावभीनी श्रद्धांजली दी

रोटरी नेतृत्वकर्ता प्रेमपूर्वक पूर्व रो ई अध्यक्ष के साथ उनके साहचर्य को याद करते हैं जिनका गत 28 मई को निधन हो गया।

26 कोरोना महामारी के लिए टीआरएफ की त्वरित प्रतिक्रिया

समुदायों की मदद करने हेतु रोटेरियनों को सक्षम बनाने में टीआरएफ की भूमिका पर नवनिर्वाचित टीआरएफ न्यासी प्रमुख के. आर. रविंद्रन का साक्षात्कार।

30 महामारी के दौरान भारत के बच्चों की सुरक्षा के लिए रोटरी इंडिया ₹1.5 करोड़ प्रतिबद्ध करती है

प्रवासियों के निर्गमन से प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के लिए एनडीटीवी के अनुदान संचयन समारोह को RIPN शेखर मेहता रोटरी के समर्थन का वचन देते है।

44 रोटाप्लास्ट कैंप 148 स्किन ग्राफ्ट सर्जरी पूर्ण करता है

रो ई मंडल 3110 के रोटरी क्लबों द्वारा आयोजित एक सुधारात्मक सर्जरी शिविर ने विभिन्न विरूपता वाले व्यक्तियों को नया जीवन दिया।

64 धीमी रेल की सवारी

ट्रेन यात्रा के रोमांस को दर्शाने वाली किताबों की एक झलक।

66 हिंदी फिल्मी गानों की सार्वभौमिक अपील

अतीत की मधुर धुनों की एक आनंदमय यात्रा।

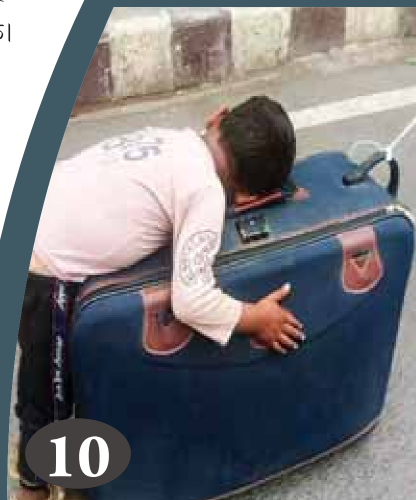

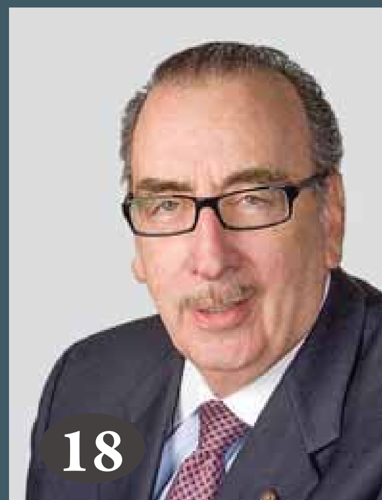

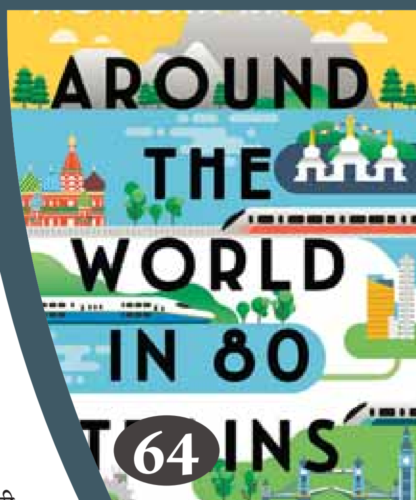

कवर पर: कमलाम्मा जिन्होंने भूखों को खाना खिलाने हेतु अपने योगदान के रूप में रोटरी क्लब हेरिटेज मैसूर को ₹600 की अपनी पेंशन में से ₹500 दिये।

रोटरी क्लब कलकत्ता रास्ता दिखाता है

अप्रैल अंक में प्रभावशाली विषयवस्तु, और रोटरी एवं सामान्य रोचक विषयों का मिश्रण है। सबसे आकर्षक रोटरी क्लब कलकत्ता के शानदार 100 साल और नीतीश सी. लाहरी को दी गई श्रद्धांजलि है। हम क्लब की ऐतिहासिक वृद्धि, विभिन्न सेवा गतिविधियों और दलाई लामा एवं फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ जैसे दिग्गजों को संबोधित करते देखकर हमें गर्व होता है।

हमारे पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली में एशिया क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता 1958 में लाहरी ने की थी। आश्चर्य की बात यह है कि नेहरू भी उस सामाजिक सभा में शामिल हुए (अनुरक्षकों के बिना) और लाहरी के बारे में बहुत सारी अच्छी बातें कही। भारत के सभी क्लबों को रोटरी क्लब कलकत्ता के नक्शेकदम पर चलना चाहिए। क्लब और पत्रिका को हमारी बधाई।

अप्रैल और मई दोनों अंकों में कोविड -19 महामारी से संबंधित उपयोगी और दिलचस्प सामग्री है, जिसमें सामाजिक जुड़ाव पर शीला नांबियार का लेख भी शामिल है। *संक्षेप में* कॉलम में मुझे राजस्थान के सीकर जिले के पलसाना में एक सरकारी स्कूल की इमारत में क्वारंटीन किए गए 54 प्रवासी कामगारों द्वारा किया गया अच्छा कार्य पसंद आया। हमें इस तरह की प्रेरक घटनाओं से अवगत कराने के लिए *रोटरी न्यूज़* का धन्यवाद।

आर श्रीनिवासन, रोटरी क्लब मदुरई मिडटाउन - रो ई मंडल 3000

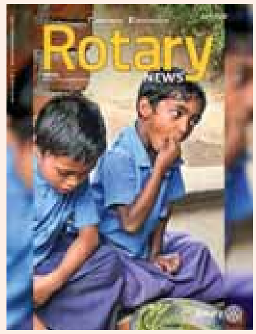

लेख *रोटरी क्लब कलकत्ता द्वारा चिल्ड्रन्स ट्रीट* हमें हमारे क्लब में ऐसी ही एक परियोजना करने के लिए प्रेरित करता है। पिछले 95 वर्षों से बच्चों के प्रति दया और समर्पण दिखाए जाने वाली गतिविधियां वास्तव में एक सराहनीय सेवा है। ऐसे महान कार्य के लिए क्लब को मेरी शुभकामनाएं।

बी ए प्रभुशंकर
रोटरी क्लब कोयम्बटूर इंडस्ट्रियल सिटी रो ई मंडल 3201

रोटरी क्लब मुंबई क्वींस नेकलेस की अनुकरणीय सेवा

मई अंक की कवर तस्वीर ने मेरे दिल को छू लिया जिसमें एक बच्चे की प्रभावशाली मासूमियत और उसके चेहरे की खुशी को दर्शाया गया जिसे देखकर मेरी आँखें नम हो गई। उसके चेहरे पर भूख और चाह, खुशी और अपेक्षा दोनों थी, क्योंकि अपने सामने एक बड़े से टिफिन को देखकर उसे शानदार भोजन होने की संभावना की उम्मीद थी।

मुंबई क्वींस नेकलेस के रोटेरियनों को सलाम जिन्होंने ऐसे बच्चों की भूख मिटाई। भगवान ने जरूरतमंद और गरीब बनाए, लेकिन साथ ही बड़े दिलवाले रोटेरियन भी बनाए जो इन वंचितों की मदद करते है।

ए चंद्रशेखरन, रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली फोर्ट रो ई मंडल 3000

लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद लोगों को एक दिन में एक लाख भोजन उपलब्ध कराने के लिए रोटरी क्लब मुंबई क्वींस नेकलेस द्वारा की गई मानवीय सेवा के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। क्लब हमें दिखाता है कि गैर सरकारी संगठनों, दानदाताओं के साथ कैसे समन्वय किया जाए। एक महिला अध्यक्ष, सोनल झावेरी की अध्यक्षता में किए जा रहे इस कार्य को देखकर ख़ुशी हुई।

वीरन्ना ए हुग्गी
रोटरी क्लब शिमोगा रो ई मंडल 3182

जब महिलाएं अदृश्य हो जाती है

जब महिलाएं अदृश्य हो जाती है शीर्षक वाली संपादकीय अनुकरणीय है, जो महिलाओं के खिलाफ वैश्विक अपराधों पर प्रकाश डालते हुए कोविड-19 के बाद एक सार्थक दुनिया की दरकार करती है। *स्नैपशॉट्स* में, डीजी धीरन दत्ता ने अपनी कार को रोटरी के छह ध्यानाकर्षण क्षेत्रों की तस्वीरों से सजाया, जो रोटरी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टीसीए श्रीनिवास राघवन द्वारा *मुन्नार की मनमोहक शांति* अच्छी तरह से लिखा गया है। भारत के वीर हेतु धन एकत्रित करने के लिए ठाणे के रोटेरियन प्रशंसा के हक़दार है।

दोनों रो ई निदेशकों का संदेश उतना ही प्रभावशाली है, जितना रोटरी क्लब कलकत्ता की कवर स्टोरी है। पीडीजी प्रभात के रोहतकी द्वारा RLI की शुरुआत अद्भुत है। क्लिफोर्ड ए रेन्डेल द्वारा लाहरी को दी गई श्रद्धांजलि दिलचस्प है। लॉकडाउन के बावजूद भी अप्रैल अंक प्रकाशित करने के लिए बधाई।

फिलिप मुलाप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - रो ई मंडल 3211

अप्रैल के संपादकीय में, रशीदा मेक्सिको में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली कई समस्याओं के बारे में विस्तार से बताती है।

रोई के अध्यक्ष मार्क मैलोनी ने श्रीलंका की अपनी यात्रा के दौरान उल्लेख किया कि एक छोटे से देश ने दो महान नेताओं - पीआरआईपी के आर रविंद्रन और एक टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल अध्यक्ष का योगदान दिया है। श्रीलंकाई क्लब एक समय में रोई मंडल 3000 का हिस्सा थे और बाद में एक पृथक मंडल के निर्माण हेतु अलग किए गए।

एस मुनियांदी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट
रो ई मंडल 3000

वरिष्ठ नेताओं की तस्वीरों को ना देखकर सुकून मिला

आपकी संपादकीय सहित मई 2020 के अंक का मैंने आनंद लिया। लंबे समय के बाद, यह पत्रिका अभिनन्दन समारोहों की रिपोर्ट और तस्वीरों, क्षात्कारों और वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं, उनके परिवारों और भारत के पूर्व, वर्तमान और आगामी रोटरी नेतृत्वकर्ताओं के भाषणों से रहित है। भारत में WinS पर लेख में मार्क बल्ला के साथ PRID सुशील गुप्ता की तस्वीर देखकर दिल को खुशी मिली।

यह अंक एक अद्भुत दावत है क्योंकि इसमें विभिन्न मंडलों और क्लबों द्वारा किए गए रोटरी कार्यक्रम और परियोजनाएं शामिल है। शायद कोविड -19 लॉकडाउन ने आपके विकल्प को कम कर दिया है!

संपतकुमार, रोटरी क्लब कोयम्बटूर एलीट - रो ई मंडल 3201

मैक्सिकन महिलाओं द्वारा किए गए अनोखे विरोध पर अप्रैल संपादकीय काफी सारगर्भित है। कोविड -19 महामारी के दौरान, चिकित्सा, पुलिस और स्वास्थ्य विभागों में अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं के रूप में महिलाओं की भूमिका बढ़ी है और इसे सभी के द्वारा सराहा जाना चाहिए। समाज के लिए उनकी असीम सेवा को व्यक्त करने के लिए कोई शब्द नहीं है।

आर ज्ञानकुमार

रोटरी क्लब विरुधुनगर - रो ई मंडल 3212

अप्रैल के अंक में रोई निदेशक भरत पंड्या ने कोविड -19 से बचने के लिए सामाजिक दूरी का अभ्यास करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डाला, और रोटेरियनों से प्रशिक्षण कार्यक्रमों और क्लब की बैठकों को ऑनलाइन मंचों के माध्यम से आयोजित करने के लिए कहा। आभासी बैठकें युवा पेशेवरों और महिलाओं को रोटरी की ओर आकर्षित करेंगी, उन्होंने कहा। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने युवाओं से कृषि को एक पेशे के रूप में लेने, और रोटरी से युवाओं को कृषि-उद्यमी बनने हेतु प्रशिक्षित करने का आग्रह किया है।

लेख *अपने सच को जानिए* और तनाव मुक्त रहें पढ़ने योग्य है, जो हमें बताता है कि हमें तनाव से बचने के लिए सकारात्मक विकास और विश्राम दोनों के लिए जीवन कैसे जीना है।

नवीन आर गर्ग

रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

लेख *मणिपाल को मिला एक रोटरी स्किन बैंक* (फ़रवरी अंक) बहुत अच्छी तरह से संपादित, अच्छी तरह से लिखित और सभी विवरणों को शामिल करने वाला था। टीम रोटरी न्यूज़ आपका आभार। आप एक बढ़िया काम कर रहे है।

डॉ सेसप्पा ए राय

रोटरी क्लब मणिपाल टाउन - रो ई मंडल 3182

सदस्यता बकाया कम करें

रोटरी ने होनोलुलु के रोई सम्मेलन को रद्द करके सदस्यों के स्वास्थ्य को महत्व देने का फैसला किया है, और अब एक आभासी बैठक आयोजित होगी। सभी रोई मंडल बैठकें, वैश्विक कार्यक्रम आभासी रूप से किए जाएंगे। रोई निदेशकों को अपने ज़ोन के बाहर किसी संस्थान में भाग लेने के लिए वित्त पोषित नहीं किया जाएगा। डीजी और अन्य क्लब बैठकें बाकि बचे वर्ष में आभासी रूप से आयोजित की जाएंगी। इन सबसे बहुत पैसा बचेगा।

लेकिन हमें रोटेरियनों के बारे में भी कुछ सोचना चाहिए जो इस महामारी से भी बुरी तरह पीड़ित है। उन्हें राहत देने के बजाय, अगले वर्ष से सदस्यता बकाया को 1 डॉलर से बढ़ाने के निर्णय को रद्द किया जाना अभी बाकी है। डॉलर की विनिमय दर में हमेशा बने रहने वाले उतार-चढ़ाव के साथ यह क्लब के बजट को बिगाड़ सकता है। हमारे रो ई निदेशकों को मंडल के समक्ष इस मुद्दे को उठाना चाहिए।

डॉ बीनू मैथ्यू, अध्यक्ष

रोटरी क्लब अल्लेप्पी ईस्ट - रो ई मंडल 3211

एक उत्कृष्ट रोटरी पत्रिका लाने के लिए कृपया मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें। प्रत्येक संस्करण सार्थक कारणों को सूचित करने और बढ़ावा देने के लिए पत्रकारिता की क्षमता को प्रदर्शित करता है। लेखों के अलावा, विस्तृत फोटो अनुशीर्षक आपकी संपादकीय टीम की दक्षता का वर्णन करते है। सामूहिक तस्वीरों में, प्रत्येक व्यक्ति को उसके नाम के साथ सटीक रूप से पहचान दी जाती है, यह एक ऐसी विशेषता है जो किसी भी अन्य छत्रक की पत्रिका में दिखाई नहीं देती।

एस आर मधु

रोटरी क्लब मद्रास साउथ - रो ई मंडल 3232

कोरोना संकट की महत्वपूर्ण बात

कोविड महामारी ने विभिन्न व्यवसायों के लिए हमारी धारणाओं और वास्तविकता के मध्य बस एक बड़ी सी खाई खोद दी है। चिकित्सा कर्मियों ने इस जानलेवा वायरस से लड़ने में अपनी जान जोखिम में डाल दी है। उसी समय, जिला अधिकारियों और पुलिस से लेकर बैंकिंग और परिवहन दल के जनसेवकों ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अथक प्रयास किया है। इन लोगों ने अपने बारे में भ्रष्टाचार, सुस्ती, अक्षमता और लालच की सामान्य धारणा को दूर कर दिया है।

किसानों ने फिर से साबित कर दिया कि वे देश की रीढ़ है क्योंकि स्वास्थ्य संकट ने उन्हें दी गई आर्थिक सहायता और रियायत को जायज ठहराया है। अब हम उनके दर्द को समझ सकते है क्योंकि वे फसल की विफलता, बाजार में उतार-चढ़ाव और प्राकृतिक आपदाओं जैसी अनिश्चितताओं का सामना करते है। कोविड -19 ने हमें समाज में परस्पर निर्भरता के महत्व के बारे में सिखाया है।

श्रीकांत कोलाथाया

रोटरी क्लब पुत्तूर - रो ई मंडल 3181

अपने विचार संपादक को भेजें:
rotarynews@rosaonline.org;
rushbhagat@gmail.com
पर ई-मेल करें।

हमारी वेबसाइट
www.rotarynewsonline.org पर
क्लिक करें और Rotary News Plus पर
और ज़्यादा परियोजनाएं पढ़ें।

रोटरी की अलोहा भावना

प्रिय रोटेरियनों, रोटरेक्टरों, और दोस्तों,

मेरी रोटरी यात्रा 40 साल पहले शुरू हुई थी जब मैं 25 साल की उम्र में रोटरी क्लब डेकातुर, अलबामा, से जुड़ा था, और इसने मेरे परिवार और मुझे कई अविस्मरणीय क्षण दिए है। लेकिन कुछ भी मुझे रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष के रूप में दुनिया से जुड़ने के लिए तैयार नहीं कर सकता था। मेरी व्यक्तिगत रोटरी यात्रा आप सभी के साथ साझा रोटरी यात्रा बन गई है।

गे और मैं इस साल जिन भी अविश्वसनीय लोगों से मिले - रोटेरियन, रोटरेकटर, और रोटरी का विस्तारित परिवार - वे हमारे लिए आजीवन एक प्रेरणा रहेंगे। हमने उरुग्वे से यूक्रेन, नाइजीरिया से न्यूजीलैंड, और इसके अतिरिक्त अन्य स्थानों के क्लबों और परियोजनाओं का दौरा किया। मार्च में जिम्बाब्वे में रहते हुए, हमने भारत के रोटेरियनों के साथ एक चिकित्सीय व्यावसायिक प्रशिक्षण टीम मिशन में भाग लिया, जिसने इलाज कराने आए हज़ारों लोगों को स्वास्थ्य, आशा और जीवन प्रदान किया। हमने हरारे में एक रोटरी युवा संगोष्ठी में 300 से अधिक युवाओं की ऊर्जा को महसूस किया। इन युवाओं के साथ होने का रोमांच अद्भुत था!

इस वर्ष रोटरी ने हमारी नई कार्य योजना शुरू की है। मैं उसे समाविष्ट करने के प्रयासों से उत्साहित हूँ: परिवारों को शामिल करना, सभी उम्र के लिए नेतृत्व के अवसर प्रदान करना, संयुक्त राष्ट्र के 75वें वर्ष में इसके साथ हमारे इतिहास का जश्न मनाना, और सबसे महत्वपूर्ण, रोटरी का विकास करना।

जब कोविड-19 दुनिया भर में पहुंच चुका है, हमने खुद को एक बदली हुई दुनिया में पाया है। हमने क्लब बैठकों, मंडल सम्मेलनों, अध्यक्ष सम्मेलनों को रद्द करने और, हमारे लिए सबसे बड़ा दु:ख, होनोलूलू में होने वाले 2020 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को रद्द करने जैसे बहुत से कठोर निर्णय लिए है।

जब हम होनोलूलू में होने वाले रोटरी कन्वेंशन के लिए तत्पर थे, हमने अलोहा भावना के बारे में सीखा। हवाई में हमारे रोटरी मित्रों ने हमें दिखाया कि अलोहा का अर्थ है आपसी सम्मान और स्नेह। दुनिया में हम जहाँ भी रहते है वहाँ अलोहा की भावना लागू होती है। रोटेरियन, रोटरेक्टर, और रोटरी के परिवार के सदस्यों के रूप में, *हम जुड़े हुए है, और जैसा कि अलोहा मेरे लिए परिभाषित किया गया है: एक दूसरे के साथ हमारा संबंध हमारे मतभेदों के साथ-साथ हमारे बीच की समानता के लिए आपसी सम्मान पर आधारित है। समुदाय व्यक्तियों का योग है - जिन व्यक्तियों को एक दूसरे के लिए चिंता है, जो देखभाल करते है, साझा करते है, और जिम्मेदारी लेते है।*

जब मैंने कोरोनोवायरस महामारी के बीच मानवता की देखभाल के लिए रोटरी समुदाय के सदस्यों की गतिविधि को देखा तो उसमें मैंने रोटरी के अलोहा को देखा है। हम वास्तव में कार्यवाही करने वाले लोग है। हर दिन, लेकिन विशेष रूप से इस महामारी के दौरान, रोटरी समुदाय ने अपनी अलोहा भावना का प्रदर्शन किया है।

यह साझा किया जाने वाला एक उपहार है, और हम में से प्रत्येक व्यक्ति रोटरी के इस उपहार का प्रबंधक है। गे और मैं रोटरी परिवार के भीतर आप सभी के द्वारा आश्चर्यचकित, प्रेरित, और विनम्र रहे है।

वास्तव में, मैं कहूंगा कि हमारे द्वारा साझा किए गए रोटरी वर्ष का अंतिम भाग परिवर्तनकारी था। हमने दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने, साथ में आगे बढ़ने के नए तरीके खोजें। और, एक साथ, हम रोटरी को आगे बढ़ाते रहेंगे ताकि हम अपने स्थानीय और वैश्विक समुदायों के लिए रोटरी के उपहार में वृद्धि कर सकें।

गे और मैं आपके साथ बिताए गए वर्ष, हमारी साझा की गई यात्रा, की याद को हमेशा अपने पास संजोकर रखेंगे, क्योंकि *रोटरी दुनिया को जोड़ती है।*

मार्क डेनियल मलोनी
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

मुश्किल समय में भी नायक उभरकर सामने आते है...

किसने सोचा था कि ऐसा भी समय आएगा जब हम अपने ही दोस्तों, साथियों, या अपने पसंदीदा किराने वाले से मिलने या बातचीत करने से भी डरेंगे? आज हम डर से काँप रहे है और हमने हमारी सूची में मौजूद पसंदीदा स्थलों की यात्रा को स्थगित कर दिया है, और मास्क के पीछे छुप गए है, ऐसे समय में एंडी मिलोनाकिस का ट्वीट देखकर हैरानी नहीं होती: उन अन्तरिक्ष यात्रियों को बधाई जो आज धरती छोड़कर चले गए। बढ़िया पसंद। इसे 3.8 मिलियन की भारी मात्रा में लाइक्स मिले!

एक प्रिय वरिष्ठ रोटरी अंतर्राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता जो मई में हमारे संकट से भरे ग्रह को छोड़कर उच्चतम लोक में चले गए, और जिनकी गर्मजोशी, करुणा, उदारता और रोटरी एवं सुविधाओं से वंचित व्यक्तियों दोनों के प्रति जुनून के लिए सर्वत्र शोक मनाया गया, वह मेक्सिको से पूर्व रो ई अध्यक्ष फ्रैंक डेव्लिन थे। जिस गति एवं गर्मजोशी के साथ समस्त भारत, एवं पूरे रोटरी जगत के रोटेरियनों द्वारा सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी गई वह विस्मयकारी था। पूर्व मंडल गवर्नरों की एक उल्लेखनीय संख्या ने याद किया कि कैसे उन अंतर्राष्ट्रीय सभा में वे उनका अभिवादन करते थे जिनमें वे नवनिर्वाचित गवर्नरों के तौर पर शामिल हुए थे, उनका गर्मजोशी से कहा गया *Hola* और *Buenos Dias, Amigos* के साथ-साथ उस चमत्कारी प्लास्टिक पिन को भी याद किया गया जिसे उन्होंने शायद बहुत से लोगों को उनकी टाई को ठीक रखने के लिए बाँटी थी। कथित तौर पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी ऑप्टिकल श्रृंखला के मालिक होने के नाते, वह बड़े रोटरी कार्यक्रमों में होने वाली रात्रिभोज बैठकों में पूर्व रोई अध्यक्षों की पत्नियों के लिए ब्रांडेड आइशेड्स लाते थे।

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट (RNT) में हम यह जानकर उत्साहित हुए कि एक समय वह मेक्सिको की रोटरी क्षेत्रीय पत्रिका के संपादक रह चुके थे। उन्हें भारत बहुत पसंद था, और वह यहाँ कई बार आए थे। चूंकि वे मेक्सिको से है, इसलिए मुझे विश्वास है कि उन्होंने और उनकी पत्नी ग्लोरिया रीटा ने बिना किसी परेशानी के जमकर मसालेदार भारतीय खाना खाया होगा। वास्तव में डेव्लिन ने दो बार RNT कार्यालय का दौरा किया था और एक बार तो चेन्नई में हमारे नए कार्यालय के उद्घाटन के ठीक बाद किया था, जब PDG कृष्णन चारी संपादक थे। RNT ने उनकी तीन किताबें Frank Talk, Frank Talk-II और तीसरी किताब द रोटरी फ़ाउंडेशन पर प्रकाशित की।

अगनाशय के कैंसर से चली एक छोटी लड़ाई के पश्चात हमें छोड़कर गए डेव्लिन का जब रोटरी शोक मना रही है, उसी समय हम एक ऐसी दुनिया और जीवनशैली का शोक मना रहे है जिससे कभी हम परिचित थे और उसका आनंद उठाते थे। कोविड-19, सबसे सूक्ष्म जीवों में से एक, ने हमारे मन में ऐसा डर बैठा दिया है कि आने वाले कुछ समय के लिए, और निश्चित तौर पर इसका टीका बनने तक, हम हमारे भयभीत अस्तित्व में ही जकड़े रहेंगे। मास्क, ग्लवस, सैनिटाइजर और हाथ धोने के साबुन से घिरे मनुष्य अब हर एक खासी या छींक को भी शक भरी निगाहों से देखेंगे।

लेकिन हैरानी की बात यह है कि रोटरी जैसा एक संगठन, जो मित्रता एवं साहचर्य की बुनियाद पर फला-फूला है, जिसके क्लब/मंडल सदस्य एक साथ मिलकर प्रतिष्ठित सामुदायिक कल्याण परियोजनाएं करते थे, परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर उत्सव, मस्ती और पिकनिक मनाते थे, ने इस महामारी के बाद की दुनिया के हिसाब से स्वयं को बिजली की गति से अनुकूलित किया है। आभासी बैठकें और नए क्लब नेतृत्वकर्ताओं का प्रशिक्षण आश्चर्यचकित कर देने वाली रफ्तार से चल रहा है। लेकिन जहाँ उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति की आवश्यकता होती है, महामारी-संबंधी राहत गतिविधियों के लिए जैसे हमारे फंसे हुए और भूखे प्रवासियों या दिहाड़ी मजदूरों, सड़क पर रहने वालों और महामारी से पीड़ित अन्य लोगों को गरमा-गरम खाने के लाखों पैकेट वितरित करने के लिए, वे मैदान में कूद पड़ते है। बेशक मास्क, ग्लव्स एवं पर्याप्त सावधानियाँ बरतने के बाद, लेकिन इस संकट से निपटने के लिए वे स्थानीय प्रबंधन के साथ कंधे से कंधे मिलाकर खड़े है।

स्वास्थ्य देखभाल, पुलिस, स्थानीय प्रशासन और मैदान में सक्रिय अन्य NGO के साथ, ये रोटेरियन भी अपने प्रयासों की वजह से हीरो है।

रशीदा भगत

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

रो ई निदेशकों

आमने-सामने

कोविड महामारी ने दो महत्वपूर्ण तथ्यों को हमारे सामने रखा है। पहला यह कि अच्छी सेहत बहुत महत्वपूर्ण है और दूसरा, कि यह वायरस सह-रुग्णता वाले लोगों को अलग तरह से प्रभावित करता है। सह-रुग्णता वाले व्यक्तियों के गंभीर रूप से बीमार पड़ने की अधिक संभावना है, इसलिए उन्हें आईसीयू उपचार और वेंटिलेटर की आवश्यकता होती है; सह-रुग्णता वाले लोगों - मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, गुर्दे की विफलता, स्ट्रोक - सभी एनसीडी की मृत्यु दर अधिक है। यह रोटरी के प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ- स्टॉप एनसीडी को लागू करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर तेजी से ध्यान केंद्रित करता है। मैं क्लब और मंडल के नेतृत्वकर्ताओं से आग्रह करता हूँ कि वे इस परियोजना को केवल एक या दो साल के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाले कई वर्षों तक चलाए। *एक चम्मच कम, चार कदम आगे* अभियान पर ध्यान केन्द्रित करें। स्वास्थ्य सेवा का भविष्य निवारक स्वास्थ्य देखभाल में निहित है।

टेलीविजन की शुरुआत ने पुस्तकों और पत्रिकाओं की बर्बादी की भविष्यवाणी की। वैसा ही इंटरनेट के समय हुआ। लेकिन किताबें और पत्रिकाएँ अभी भी प्रभावशाली है। *रोटरी न्यूज* और *रोटरी समाचार* इसलिए खास है क्योंकि वे अच्छी समाचार पत्रकारिता प्रस्तुत करते है। आज जब समाचार अक्सर एक स्वार्थी, चौंकाने वाली वस्तु होता है, जो संघर्ष, भ्रष्टाचार या विवाद को दर्शाता है, वहीं रोटरी न्यूज दुनिया में हो रहे बहुत सारे अच्छे कार्यों का उत्सव मनाता है। यह रोटरी और रोटेरियनों की कहानी बताता है। संपादक रशीदा भगत और उनकी टीम को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई।

यह कई मायनों में एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है। कोविड महामारी, ज़ोन 4,5,6,7 में मंडलों और क्लबों द्वारा किए गए काम के उत्कृष्ट निकाय, सदस्यता पर निरंतर ध्यान, अनुदानों की अदायगी में रोटरी संस्थान की अग्रसक्रिय और सामयिक प्रतिक्रिया, पथप्रदर्शक गवर्नरों और उनके दल द्वारा प्रदान किए गए नेतृत्व। ये सब चीज़ें इस वर्ष को यादगार बना देगी। रोटरी के लिए जबरदस्त कार्य करने हेतु सभी डीजीयों, मंडलों और क्लबों को बधाई।

जून रोटरी फैलोशिप महीना है। मैं सभी रोटरी नेताओं से अपील करता हूँ कि वे अच्छी घटनाओं का जश्न मनाएं, रोटेरियनों की सराहना करें और उन्हें धन्यवाद दें और योगदानों को पहचानें। आभासी बैठकों का उपयोग उन सभी चीजों को करने के लिए करें, जिन्हें आप आमने-सामने बैठकर करते। रोटरी में हमारे सदस्यों की निरंतर रुचि सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ जुड़े रहना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

राल्फ वाल्डो इमर्सन ने कहा था, "ऐसा कोई भी ग्रह, सूरज या तारा नहीं है जो आपको रोक सकता है यदि आप जानते है कि आप क्या है।" मिलने और सेवा करने के नए अवसरों के साथ, सही मायने में रोटरी दुनिया को जोड़ती है की शुरुआत हो रही है।

रोटरी का आनंद ले, स्वयं आनंदित रहें।

डॉ भरत पांड्या

रो ई निदेशक, 2019-21

का संदेश

प्रिय मित्रों,

"जरूरतमंदों को भोजन एवं आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति वितरित करने वाले स्वयंसेवकों की मानवता की अनगिनत कहानियां बेहद प्रेरणादायक हैं। इस संकट के दौरान, 'मैं' या 'मेरे' जैसे शब्द हम और 'हमारे' में रूपांतरित हो गए हैं और हमने एकजुटता की शक्ति को समझा है।"

- आस्था बहल (पंजाब)

इस कोरोना महामारी के दौरान एक नए युग की शुरूआत हुई है जहां हमें लैंगिक समानता के प्रति अधिक जागरूक रहने की आवश्यकता है, घर एवं परिवार की जिम्मेदारियों को शेयर करने, मानसिक बाधाओं को तोड़ने और महिलाओं के लिए शिक्षा में कौशल विकास आदि अवसरों को तलाशने की आवश्यकता है। यह संकटकाल हमें प्रोजेक्ट डिग्निटी (महिलाओं/विधवाओं और विधवाओं के बच्चों का कौशल विकास) के समान विभिन्न योजनाओं की शुरूआत कर हमें व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय विकास को करने के लिए गेम चेंजर बनने का अवसर प्रदान करता है।

कई तकनीकी तरीकों के लिए धन्यवाद, वर्चुअल मीटिंग्स अब न्यू नार्मल हो गई हैं और आयोजित की जा रही हैं। ट्रेनिंग और फेलोशिप भी फिर से शुरू हो रहे हैं और इन बदलावों की वजह से रोटेरियनों को बाधाओं को तोड़कर और बदलावों को अपनाकर सीखने का पर्याप्त अनुभव मिल रहा है।

फेलोशिप रोटरी के प्राथमिक मूल्यों में से एक है। जून रोटरी फेलोशिप का महीना है। यह वह समय है जब रोटेरियनों के ग्रुप, उनके पति-पत्नी एवं रोटेरेक्टरस मनोरंजक गतिविधियों के लिए एक साथ आते हैं और अधिक से अधिक व बेहतर सेवा देते हैं। वर्चुअल मीडियम हमें फेलोशिप एवं मित्रता के फायदों का पता लगाने के लिए नवीन रचनात्मक तरीकों को खोजने के महान अवसरों को प्रदान करता है। मैं हर सदस्य को रोटरी की पूरी दुनिया में फैली फैलोशिप का आनंद उठाने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

मैं अध्यक्षों को तेजी से एवं कुशलतापूर्वक प्रभावी बदलाव करने और वर्चुअल मंचों पर सभी प्रशिक्षण एवं छात्रवृत्ति बैठकों को आयोजित करने के लिए बधाई देता हूँ। मैंने बहुत सी अभिनव फेलोशिप बैठकें देखीं - अंताक्षरी, तम्बोला, संगीत और नृत्य प्रतियोगिताएं और महान व्यक्तिव के नागरिकों से मिलना।

मैं जिले के अध्यक्षों से उनके ओसीवी को वर्चुअल रूप से जारी रखने एवं पूरा करने और उनकी सेवा वर्ष के अंत तक 100 प्रतिशत सदस्यता को बनाए रखने के लिए भी आग्रह करता हूँ। अपने सभी सदस्यों तक पहुँचने के लिए वर्चुअल मंचों का उपयोग करें, उनमें सेवा के जुनून को प्रेरित और प्रज्वलित करें, उस संसार में जहां उनको हमारी करूणा एवं सहानुभूति की आवश्यकता है।

याद रखें: "अकेले हम बहुत कम काम कर सकते हैं, परन्तु साथ में हम बहुत कुछ कर सकते हैं।" हमें मजबूत बनने के लिए एकजुट होना पड़ेगा और एकजुटता के साथ अपना काम करना होगा, यही एकता एवं मजबूती के लिए नया शब्द है।

"एक रंग इंद्रधनुष नहीं बनाता है, एक पेड़ से जंगल नहीं बन जाता है और एक नेता बदलाव नहीं ला पाता है। इन प्रयासों के कठिन समय में यह नवाचार और सहयोग ही है जिसके परिणामस्वरूप कोई भी जीत हासिल होती है, मजबूती सफलता की कुंजी है।"

कमल संघवी
रो ई निदेशक, 2019-21

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019–20)

DG Deepak Gupta Chair – Governors Council	RI Dist 3012
DG Nayan Patil Secretary – Governors Council	RI Dist 3160
DG Dhiran Datta Secretary – Executive Committee	RI Dist 3040
DG Ajay Agarwal Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3291
DG Rajendra Madhukar Bhamre Member – Advisory Committee	RI Dist 3030

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website: www.rotarynewsonline.org

Now share articles from *rotarynewsonline.org* on WhatsApp.

कोविड के बाद की दुनिया

रशीदा भगत

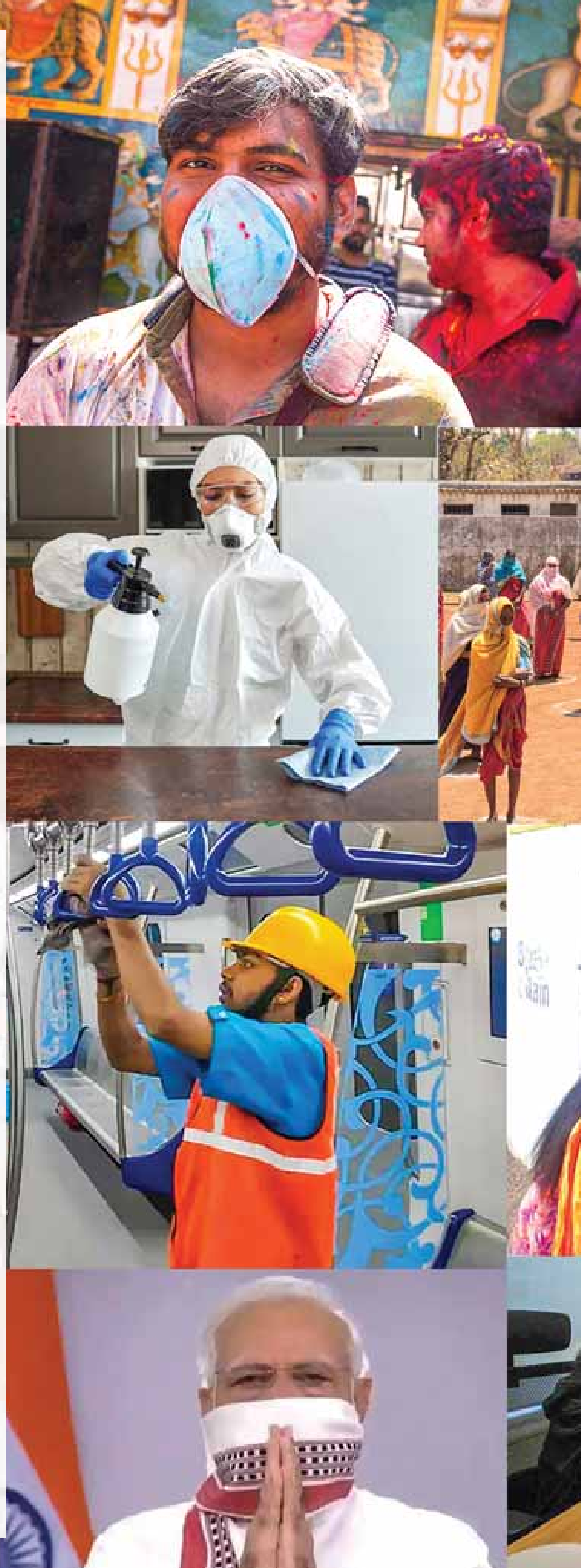

WINES

लक्ष्मी विलास हॉटेल
Mahavir Hospital
EMERGENCY & ACCIDENT CARE

बिना किसी अपवाद के पूरी दुनिया, कोरोना महामारी की वजह से मानव, स्वास्थ्य और आर्थिक पतन से जूझ रही है, जो ऐसे वायरस, डायनासोर और अन्य जीवों द्वारा मानव जाति के विनाश को दर्शाने वाली सबसे भयानक फिल्मों की यादों को ताज़ा करती है जिसकी इन्सान कभी कल्पना भी नहीं कर सकता। और हमारे दिमाग में सबसे बड़ा सवाल यह है कि टीका मिल जाने के बाद जीवन कैसा होगा और हम अपने बिखरे जीवन को पटरी पर कैसे लाएंगे।

एक चीज तो निश्चित है; वैश्विक स्तर पर और भारत के लिए भी इस महामारी का आर्थिक नतीजा भयानक होने वाला है। लेकिन इससे पहले कि हम आर्थिक गिरावट के बारे में सोच सकें हमारे उद्योगों और व्यवसायों को होने वाले नुकसान और लाखों लोग जो अपनी नौकरी खोने वाले है, और जो अनकहा मानवीय दुख लाखों प्रवासी मज़दूरों के जीवन में आया है, ये सब हमें दशकों तक परेशान करता रहेगा। और ऐसी कई तस्वीरें है जो हमारे अस्तित्व की बुनियाद को हिला कर रख देंगी

आखिर कौन उस छोटे बच्चे की तस्वीर भूलेगा जो अपनी मरी हुई माँ को जगाने की कोशिश कर रहा है, जो भोजन और पानी के बिना गुजरात से बिहार की यात्रा करने के बाद रेलवे प्लेटफार्म पर एकाएक गिर गई थी? या अपने घर जाने के लिए लंबी और कठिन पैदल यात्रा करने वाले प्रवासी मजदूरों की मीलों-मील लंबी कतारों की तस्वीरें, जो अक्सर भूखे-प्यासे और पूरी तरह से सामान्य और विशेषाधिकार प्राप्त बड़े दिलवाले मनुष्यों की दया पर आश्रित है जो उन्हें कुछ खाने और पीने को देते है।

जब उनसे पूछा गया कि वे अप्रैल/मई की झुलसा देने वाली भीषण गर्मी में क्यों ऐसी खतरनाक यात्रा कर रहे है जबकि उनमें से कई लोग बेहोश हो गए और मर गए, उनका जवाब आपको झकझोर कर रख देने वाला था: हमारे गाँव हमें खाना खिलाने में सक्षम होंगे। यदि ऐसा नहीं होगा, तो हम भूखे मर जाएँगे, पर कम से कम वहाँ पर हमारी मौत पर रोने वाला कोई तो होगा।

जिस तरह से पूरे भारत में रोटरी क्लब और रोटेरियन प्रवासियों को भोजन और पानी देने के लिए आगे आए, वह बहुत ही सराहनीय है, लेकिन उनकी दुर्दशा हमारे सामूहिक अंतःकरण पर एक धब्बा है... हमने उन लोगों को कैसे निराश किया जिन्होंने ईंट-ईंट जोड़कर हमारे घरों को बनाया, उसके दरवाजे को ठीक किया, उसकी दीवारों को रंगा, और उसे लकड़ी के जटिल और मनोरम काम से सुशोभित करने के लिए पूरी लगन के साथ काम किया। एक राष्ट्र के रूप में हम यह सुनिश्चित करने में कैसे विफल हो सकते है कि लॉकडाउन शुरू होने से ठीक पहले, अपने घर तक पहुंचने में उनकी मदद करने के लिए उन्हें विशेष रेलगाड़ियाँ, बसें, ट्रक आदि नहीं उपलब्ध कराये गए?

तो कोविड महामारी के बाद की दुनिया कैसी दिखाई देगी और आगामी महीनों में नए सामान्य क्या होंगे? हमें आने वाले महीनों में सभी प्रकार के व्यवहार परिवर्तनों के अनुकूल होना होगा, फिर चाहे

जहाँ उपभोक्ता अपने पैसे खर्च करने में सोचेंगे नहीं वह निश्चित रूप से किराना की खरीदारी है। आखिर आप अपनी रसोई में प्याज, टमाटर या हरी मिर्च को खत्म होते देखना नहीं चाहेंगे।

वह हमारे कार्य करने का तरीका हो, नेटवर्क हो, दुकान हो, भोजन हो या यात्रा हो।

खरीददारी की आदतें

सबसे पहले हमारी खरीदारी की आदतें नाटकीय रूप से बदल जाएंगी। परंपरागत रूप से हमारी खरीदारी की आदतें बहुत धीरे-धीरे बदलती है, और जिस तरह से हम भोजन और शराब, कपड़े और अन्य सामान खरीदते है, सभी एक बड़े बदलाव से तब गुजरते है जब हम अपना शहर बदलते है या कोई बड़ा कार्यक्रम होने वाला होता है... जैसे कि एक बच्चे या पोते/पोती का आगमन।

साथ ही, हमें यह याद रखना होगा कि अर्थशास्त्रियों और सभी केन्द्रीय बैंकों के जीडीपी की गिरावट और नकारात्मक वृद्धि के पूर्वानुमान से, उपभोक्ता खर्च में भारी गिरावट आएगी। लेकिन कमी के हमारे डर से, एक क्षेत्र जहाँ उपभोक्ता अपने पैसे खर्च करने में सोचेंगे नहीं वह निश्चित रूप से

केरल के एक जिला ने सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए छतरियों का अनिवार्य उपयोग शुरू किया है।

किराना की खरीदारी है। आखिर आप अपनी रसोई में प्याज, टमाटर या हरी मिर्च को खत्म होते देखना नहीं चाहेंगे। और फिर रोटी, चावल, दूध, अंडे, अन्य सब्जियां, कूड़ेदान की थैली, पेपर नैपकिन और सभी सामग्रियां है जो किसी भी रसोईघर को चलायमान रखती है।

इसलिए जब कपड़े, जूते-चप्पल और ज्वेलरी स्टोर बंद रहे और जब कुछ क्षेत्रों में ऑनलाइन डिलीवरी की अनुमति होने के बावजूद भी इनकी मांग में कमी देखी गई, वहीं किराना पर औसत खर्च बढ़ गया। अमेरिका में एक अध्ययन में पाया गया है कि मार्च में एक सप्ताह के दौरान, किराने की दुकान की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में 77 प्रतिशत बढ़ गई, क्योंकि आतंकित होकर खरीदी शुरू हो गई थी (याद करें कि टॉयलेट पेपर रोल कैसे खत्म हो गए थे?) वहीं रेस्तरां की बिक्री में 66 प्रतिशत की गिरावट आई थी! अप्रैल के अंत में, किराने की बिक्री तब भी औसत से 8 प्रतिशत ऊपर चल रही थी, जबकि रेस्तरां की बिक्री 48 प्रतिशत कम थी।

घर से काम

इस संक्रमण का खतरा मंडराता रहेगा, और जैसा कि हमें स्वास्थ्य शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है, कोविड-19 जैसे नए वायरस, हर दो साल में एक बार दुनिया को अपनी चपेट में ले सकते है। और संक्रमण के डर की वजह से दुनिया भर के कार्यालयों तक पहुंचने की चुनौतियों एवं लगातार दो महीने तक चले लॉकडाउन ने कंपनियों को यह दिखाया कि उनके कर्मचारी वास्तव में घर से काम कर सकते है। गूगल ने कहा है कि उसके अधिकांश कर्मचारी 2021 तक घर से काम कर सकते है। ट्विटर के सीईओ जैक डोर्सी ने अपने कर्मचारियों को सूचित किया है कि उन्हें कोविड के बाद भी स्थायी रूप से घर से काम करने की अनुमति है।

हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के एक लेख में कहा गया कि अमेरिकी जनगणना के अनुसार, लगभग पांच प्रतिशत अमेरिकी कर्मचारियों ने मुख्य रूप से 2017 में घर से काम किया, वर्ष 2000 से तीन प्रतिशत अधिक, और 2018 तक, अमेरिका में 29 प्रतिशत कर्मचारियों के पास घर से काम करने का विकल्प और क्षमता थी।

जब बिल्लियों ने सामाजिक-दुरी का अभ्यास किया!

और अब नियोक्ताओं ने पाया है कि लॉकडाउन के कई हफ्तों के दौरान, जब संक्रमण का खतरा मंडरा रहा था, और वे अपने कार्यालयों को बंद रखने के लिए मजबूर थे, तब घर से किए गए ऑनलाइन काम के माध्यम से उत्पादकता मजबूत बनी रही। बेशक, कुछ उद्योगों में यह बहुत आसान है... जैसे विनिर्माण की तुलना में आईटी... घर से काम करने के लिए बढ़िया है। लेकिन फिर भी, आईटी प्रमुख माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने पहले ही घर से काम करने की बीमारियों को लाल झंडा दिखाया है, जो एक मत को दूसरे के साथ बदल देगा और कहा कि यह कर्मचारियों के सामाजिक संपर्क और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि आभासी वीडियो कॉल वैयक्तिक बैठकों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकते। मुझे जो

कोविड के बाद की रोटरी के बारे में दो नेता बात करते हैं

चेहरे का मास्क अनिवार्य करते हुए शंघाई में डिज्नीलैंड फिर से खुल गया है।

कोरोना से संबंधित राहत कार्य (इस अंक में अन्यत्र) के लिए रोटेरियनों से मिले आवेदन को रोटरी संस्थान से मिली त्वरित प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए, मैंने श्रीलंका के एक प्रमुख उद्योगपति, नवनिर्वाचित न्यासी प्रमुख के आर रविंद्रन से वाणिज्य और उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में सवाल किए।

वे कहते है कि कारोबार की दुनिया में वायरस के प्रति शुरुआती प्रतिक्रिया आग से खेलने वाली थी। इससे पहले किसी ने भी ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया था। लेकिन फिर क्त्र्, लुइस विट्टन समूह, आदि जैसी फैशन फर्मों ने मास्क और हैंड-सैनिटाइज़र बनाने के लिए उत्पादन को फिर से शुरू किया। जनरल मोटर्स, फोर्ड, प्यूजों, वोल्वो और अन्य कार निर्माताओं ने वाहनों का उत्पादन करने के बजाए वेंटिलेटर का उत्पादन करना शुरू कर दिया। तत्काल भविष्य उनके लिए चुनौतीपूर्ण दिखाई देता है क्योंकि मोटर वाहनों की बिक्री 25 प्रतिशत तक कम होने का अनुमान है।

कोई भी अर्थव्यवस्था मांग या खपत के अनुसार चलती है। जब परिवार अपने स्वास्थ्य और वित्त के बारे में अधिक चिंता करते है, तो वे खर्च करने के बजाए बचत पर अधिक ध्यान केंद्रित करते है। इसका असर व्यापार और वाणिज्य पर पड़ेगा। 20 अप्रैल को, तेल बेकार से भी कम हो गया। अमेरिकन बेंचमार्क 40 डॉलर प्रति बैरल तक लुढ़क गया। क्या आप कल्पना कर सकते है? तेल उत्पादकों को अपने द्वारा उत्पादित तेल लेने के लिए किसी को भुगतान करना पड़ा था!

डिज़नीलैंड ने अपने शंघाई डिज़नी रिज़ॉर्ट के एक हिस्से को फिर से खोल दिया क्योंकि चीन की महामारी कम होने लगी है। लेकिन डिज़नीलैंड की यात्रा फिर कभी पहले जैसी नहीं हो सकती। मेहमानों को हर समय मास्क पहनना होता है, केवल खाते समय उसे हटा सकते है। खुले रहने के घंटे और लोगों की क्षमता सीमित है।

और केवल प्रविष्टि प्राप्त करने के लिए, आगंतुकों को तापमान जांच के लिए प्रस्तुत होना होगा और अपने फोन पर सरकार द्वारा नियंत्रित QR कोड प्रस्तुत करना होगा जो इंगित करता है कि वे वायरस-मुक्त है, उन्होंने कहा।

एक कट्टर खेल प्रेमी, रवींद्रन ने आगे कहा कि खेल जगत अब पहले जैसा नहीं होगा। जर्मनी का बुंडेसलीगा (इसकी फुटबॉल लीग, जिसकी औसत स्टेडियम उपस्थिति दुनिया भर में सबसे अधिक है) कोरोनोवायरस लॉकडाउन से उभरने वाली दुनिया की पहली प्रमुख खेल प्रतियोगिता बन गई। सप्ताह में दो बार खिलाड़ियों का परीक्षण किया जा रहा है, प्रशिक्षकों को फेस मास्क पहनना होगा और प्रशंसकों को स्टेडियमों में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

लीग अब एक स्टेडियम में केवल 300 दर्शकों को बिठाने और खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से एक समय में हफ्तों के लिए एकांत में रखने पर विचार कर रहा है। लेकिन उनके पास कोई विकल्प नहीं है। बुंडेसलिगा एक 4 बिलियन यूरो (4.3 बिलियन डॉलर) का व्यवसाय है जो बंद हो गया है। क्लबों ने लाखों यूरो खो दिए है और दर्शक टीवी पर स्थानीय स्पोर्ट नेटवर्क खरीदना छोड़ रहे है। टीमों के पास पैसे नहीं है और खिलाड़ियों का मूल्य बहुत गिर गया है। इसलिए आने वाले दिनों की संभावनाएं निश्चित रूप से आकर्षक नहीं है।

इसके बाद मैंने रो ई निदेशक भरत पांड्या से पूछा कि जब भारतीय रोटेरियनों ने शीघ्रता से ज़ूम और अन्य मंचों पर ऑनलाइन बैठकों को आयोजित करना शुरू कर दिया, तो क्या ऐसे संगठन में उस चीज़ की कमी महसूस नहीं होगी जो भौतिक बैठकों, सौहार्द और भाईचारे पर फलता-फूलता है।

उन्होंने स्वीकार किया कि रोटरी का एक प्रमुख आकर्षण, बाध्यकारी बल, साहचर्य है। रोटरी बैठकों और अन्य कार्यक्रमों में अच्छे साहचर्य से उत्पन्न गर्मजोशी और स्वागत का माहौल रोटरी के प्रासंगिक और प्रभावी होने का एक प्रमुख आकर्षण एवं कारण रहा है।

लेकिन कोविड के बाद की दुनिया में, जहाँ हमारे बातचीत करने, यात्रा करने या मिलने, के तरीके सब बदलने वाले है, तो सवाल यह है कि हम रोटरी की निरंतर प्रासंगिकता कैसे सुनिश्चित करें। आभासी बैठकों के माध्यम से हम सामाजिक रूप से जुड़े रहेंगे। जबकि आभासी बैठकों की अच्छाई और बुराई दोनों हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इससे शारीरिक दूरी बनी रहती है। मैंने हमेशा यह कहा है कि आप ईमेल पर गले नहीं मिल सकते और ना ही फ़ैक्स पर हाथ मिला सकते

है। इसलिए किसी भी वैयक्तिक बैठक में व्यक्तिगत स्पर्श का नुकसान नहीं होगा। ज़ूम पर हँसी-मजाक करना कठिन होता है लेकिन हमें फेलोशिप के बंधन को मजबूत रखना चाहिए।

पांड्या ने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि रोटरी के संस्थापक पॉल हैरिस ने हर समय विकासवादी होने और अवसरों पर परिवर्तनवादी होने के बारे में क्या कहा था। यह परिवर्तनवादी होने का समय है - अलग तरह से सोचें, सीमाओं से परे। यह हमेशा की तरह सामान्य नहीं हो सकता। मैं कुछ महीनों से छोटे समूहों में बैठक होते देख रहा हूँ, सभी सावधानियों - थर्मल स्कैनिंग, डिस्टेंसिंग, पर्सनल प्रोटेक्शन - के साथ। लेकिन क्लब, मंडल और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर यह जिम्मेदारी रोटरी नेतृत्वकर्ताओं की है कि वे रोटेरियनों से जुड़े रहने और उन्हें व्यस्त रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

उन्होंने क्लब और मंडल नेताओं से फोन पर अपने सदस्यों से नियमित रूप से बात करने, विभिन्न प्रारूपों में बैठकें - छोटे समूहों में, घर पर, हाइब्रिड और आभासी बैठकें - आयोजित करने, सेवा परियोजनाओं को करने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा करने, बड़ी सभाओं से बचने का आग्रह किया।

ये ऐसे विचार है जिनका समय आ गया है। रोटरी के सौहार्द और साहचर्य ने हम सभी को ढाल मित्र या सच्चे दोस्त दिए है, जो खुशी और दुःख, प्रसन्नता और संकट के समय में आपके साथ आपके समर्थन में खड़े रहेंगे, और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि रोटरी इस महामारी से अधिक मजबूत होकर उभरेगी।

पांड्या ने दोस्ती और जुड़ाव का सार अच्छी तरह समझा दिया जब उन्होंने आगे कहा: अगर मुझे एक दोस्त चाहिए, तो पहले मुझे एक दोस्त बनना होगा। यह प्रत्येक रोटेरियन की आनंदपूर्ण जिम्मेदारी का सार प्रस्तुत करता है कि अब उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना पड़ेगा, अतिरिक्त मील चलना पड़ेगा कि रोटरी को जोड़े रखने वाला यह ग्लू एक ऐसा बंधन बना रहे जो कभी नहीं टूटे। रोटरी की दोस्ती हीरे की तरह है - उज्ज्वल, सुंदर, मूल्यवान और हमेशा विशिष्ट। चलिए इस प्रवृत्ति को बदलें और एक मित्र बनें। यह रोटरी जगत के लिए हमारा उपहार होगा।

चीज़ सबसे ज्यादा याद आती है वह यह है कि जब आप एक भौतिक बैठक में जाते है, तो जो आपके बगल में बैठा होता है आप उस व्यक्ति से दो मिनट पहले और दो मिनट बाद तक बात कर सकते है। अक्रियाशील कैसा दिखता है? मानसिक स्वास्थ्य कैसा दिखता है? वह संयोजकता और सामुदायिक बनावट कैसी दिखती है? जिन चीजों को मैं महसूस करता हूँ उनमें से एक यह है, जब हम दूरस्थ होकर काम कर रहे है तो शायद हम इस अवस्था में हमारे द्वारा निर्मित सामाजिक पूंजी में से कुछ को खो रहे।

घर पर खाना बनाना बनाम बाहर खाना

एक और बड़ा बदलाव जो इस महामारी ने लाया है वह हमारे खाने की आदतों में एक बड़ा बदलाव है... अब हम मजबूरी और पसंद दोनों की वजह से घर पर अधिक खाना खाते है और शायद ऐसा करना जारी रखेंगे। इसलिए आने वाले दिनों और महीनों में, हम घर पर और अधिक खाना बनाने या भोजन के लिए खाद्य दुकानों या ऑनलाइन ऑर्डर पर निर्भर होने जा रहे है। इस समय, अधिकतर लोग रेस्तरां के भोजन से या इसे लाने वाले डिलीवरी बॉय से संक्रमित होने को लेकर डरे हुए है, मुझे पता है कि भारत में कई घर बाहर के भोजन को छू भी नहीं रहे है।

और कई अपार्टमेंट परिसरों के साथ, विशेष रूप से उनके निवासियों के संघ घरेलू श्रमिकों को इस डर से काम करने हेतु आने की अनुमति नहीं दे रहे है कि वे कोविड को उस परिसर में ला सकते है, इस वजह से महिलाओं के ऊपर खाना पकाने, सफाई करने, धुलाई करने का बोझ कई गुना बढ़ गया है।

गुड़गांव में मेरी भतीजी, जो एक आलीशान अपार्टमेंट परिसर में रहती है, अपने परिसर के सर्वोच्च पागलपन का वर्णन करती है! लॉकडाउन के दौरान घरेलू मदद की अनुमति देना तो दूर, यहाँ तो डिलिवरी बॉयज को भी अनुमति नहीं दी गई। हमेशा भूखे रहने और ऊब जाने वाले बच्चे जो हमेशा कुछ ना कुछ खाने की मांग करते रहते है, के साथ, मुझे किचन से बाहर आने के 15 मिनट के भीतर फिर से रसोई में जाना पड़ता है, उसने कहा। हताशा में उसने खाना ऑनलाइन ऑर्डर करना शुरू कर दिया, लेकिन खाना लाने के लिए उसे चिलचिलाती धूप में मुख्य गेट तक 700 मीटर चलकर जाना पड़ता था, और अपने ब्लॉक में लौटते समय डिसइन्फेक्टेंट से छिड़काव करवाना पड़ता था। हमारे ठथ- वास्तव

सूटकेस पर सो रहे एक थके हुए बच्चे की छवि, उसकी माँ के साथ जो एक प्रवासी कामगार है, पैदल यात्रा कर अपने घर जा रही थी।

में सुरक्षा मानदंडों को लेकर पागल हो गए है, उसने झुंझलाते हुए कहा।

तो और क्या बदलने वाला है? बेशक बहुत कुछ. यह असुविधाजनक मास्क कुछ समय के लिए रहेंगे और चूपीर जैसे ऑनलाइन स्टोर, जो ग्राहकों के लिए बेताब है, अब महिलाओं के लिए मास्क के स्टाइलिश और रंगीन सेट पेश कर रहे है! जब कार्यालय शुरू होंगे, तो वहाँ बहुत सारे सैनीटाईज़र और अन्य कीटाणुनाशक होंगे, फ़िंगरप्रिंट साइन-इन को चेहरे की पहचान करने वाले उपकरणों द्वारा बदल दिया जाएगा, और लघु कक्षों में किसी प्रकार के सुरक्षात्मक विभाजन की संभावना होगी।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने पहले ही घर से काम करने को लाल झंडा दिखाया है, और कहा कि यह कर्मचारियों के सामाजिक संपर्क और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

फ़ायदों के बारे में सोचें ... ज्ञान कार्यकर्ता जैसा कि उन्हें बुलाया जाता है, को अब भारी किराया देते हुए अपने उन कार्यालयों के पास नहीं रहना पड़ेगा जो मुख्य रूप से खास रियल एस्टेट जगहों में स्थित है... वे भीड़ भरे शहरों के बाहरी इलाकों में जा सकते है ... और शायद अपने काम की समय सारणी को इस तरह से निर्धारित कर सकते है कि वे अपने बच्चों को स्कूल से ला सके, और यहाँ तक कि हर दिन रात के खाने के लिए परिवार के साथ शामिल हो सके!

लेकिन समस्या मुख्य रूप से मालिकों की है, दी न्यू यॉर्कर के एक लेख के अनुसार, जिन्हें मालिक बनने की जरूरत होती है। घर से काम के सूत्र की सफलता में मुख्य बाधा मालिकों की अरुचि होगी। प्रबंधकों को अक्सर घर से काम करने की बाधा के रूप में देखा जाता है। ज़ूम पर कार्नर ऑफिस उतना आकर्षक नहीं होता, और, इसके विपरीत, एक बॉस के लिए कर्मचारियों पर नज़र रखना आसान होता है जब वह उन्हें उनकी डेस्क पर या हॉल में देख सकते हो।

लेकिन जब गर्मजोशी से गले मिलने और हाथ मिलाने के चलन हमारी दुनिया से गायब हो जाएंगे, वे अपने साथ कुछ ले जाएंगे... मानव स्पर्श की गर्मजोशी... शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक ...

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

आपकी उदारता के लिए धन्यवाद

जब मैं यह संदेश लिखता हूँ, दुनिया कोविड-19 महामारी की चपेट में है। मैं इस लेख को उन तरीकों को समर्पित करना चाहता हूँ, जिनकी मदद से रोटरी सदस्यों ने कार्यवाही करने वाले लोगों के रूप में मदद की है और मदद कर सकते है, और हम आपको समर्थन देने के लिए फाउंडेशन में जो कुछ भी कर रहे है उसे साझा कर सकते है।

रोटरी लंबे समय से बीमारी से लड़ने और स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने में अग्रणी रही है। पोलियो का बुनियादी ढांचा जिसको बनाने में रोटेरियनों ने मदद की है। कई देशों में कोविड-19 को संबोधित करने के लिए पोलियो स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। वायरस के प्रसार को रोकने के लिए रोटरी क्लब और मंडल त्वरित रूप से जुट गए है। इटली में, मंडल 2080 के क्लब अस्पतालों के लिए वेंटिलेटर और सुरक्षात्मक गियर खरीदने के लिए धन जुटा रहे है। हाँगकाँग में, रोटरी क्लबों ने चिकित्सा आपूर्ति पैक की, धन संग्रहण किया और मास्क एवं हैंड सैनिटाइज़र वितरित करने के लिए सार्वजनिक आवास भवनों का दौरा किया। नाइजीरिया के अकावा इबोम राज्य के रोटरी क्लबों ने एक कोविड-19 जागरूकता अभियान चलाया।

संस्थान में, न्यासियों ने आपके काम का समर्थन करने के लिए तेजी से कार्यवाही की। आप मंडल अनुदानों का उपयोग स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए कर सकते है। आप कोविड-19 प्रतिक्रिया के रूप में पहले से नियोजित गतिविधियों का दोबारा उपयोग कर सकते है, या अपने मंडल के 2020-21 के मंडल अनुदान से मार्च 15 तक की कोविड-19 गतिविधियों की प्रतिपूर्ति कर सकते है।

हमारे संस्थान के प्रति आपकी उदारता के कारण, न्यासी त्वरित रूप से कोविड-19 राहत प्रयासों से संबंधित क्लब और मंडल परियोजनाओं के लिए बड़ी मात्रा में आपदा राहत अनुदानों को तुरंत उपलब्ध कराने में सक्षम हुए।

जैसे-जैसे यह रोटरी वर्ष समाप्त होता है, सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए हमारी लड़ाई एक महत्वपूर्ण बिंदु पर है। हमें कोविड-19 को हराकर अपने संस्थान के कई दशकों से चल रहे कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं पर आधारित होना जारी रखना होगा। यदि आपने पहले से ऐसा नहीं किया है, तो कृपया हमारे संस्थान को साल के अंत में योगदान देकर आप जो कुछ भी मदद कर सकते है, वह करें। आपका उपहार कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा।

"एक नेता सबसे अच्छा तब होता है जब लोग बमुश्किल ही जानते हो कि वह मौजूद है।" जब काम पूरा होता है... हमने खुद ऐसा किया है। नेतृत्व के लिए दुनिया हम पर निर्भर है, और आपके नेतृत्व के लिए, मैं हमेशा आपका आभारी रहूंगा। आपके अतीत, वर्तमान और भविष्य के नेतृत्व और हमारे संस्थान को समर्थन देने के लिए आपका धन्यवाद।

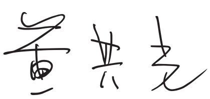

गेरी सी के हुआंग

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

आपदा प्रतिक्रिया अनुदान - महामारी को पार करने की एक जीवनरेखा

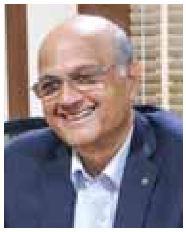

दोस्तों,

जब दुनिया भर के राष्ट्र कोरोनावायरस का सामना करने और इसके प्रसार को रोकने में जुटे हुए है, इस महामारी ने ज़िंदगियों को पूरी तरह से हिला कर रख दिया है, विशेष रूप से अग्रिम पंक्ति के चिकित्सा कर्मियों, दैनिक वेतन भोगियों और प्रवासी मजदूरों की। अपनी भौतिक संपत्तियों को अपने पीठ पर लादे हुए, अपने छोटे बच्चों के साथ सैंकड़ों और यहाँ तक हजारों किमी की पदयात्रा करने वाले परिवारों को देखना दिल देहला देने वाला दृश्य है जो मुझे अल्बर्ट स्वेत्ज़र के शब्दों के महत्व की याद दिलाता हैं: "मानव जीवन का उद्देश्य सेवा करना, और दूसरों की मदद करने के लिए दया और इच्छाशक्ति दिखाना है।"

इन्हीं कष्टदायी समय में टीआरएफ ने अपनी पूरी ताकत लगा देने का फैसला किया है। जैसी ही इस महामारी की घोषणा हुई, वैसे ही न्यासियों ने कार्यवाही की: कोविड से संबंधित वैश्विक अनुदानों के लिए उन्होंने इस आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय लिया कि वैश्विक अनुदानों में वित्तपोषण का 30 प्रतिशत उस देश के बाहर से आना चाहिए जहाँ परियोजना होती है। इसके अलावा, रोटरी का आपदा प्रतिक्रिया अनुदान (DRG) स्थानीय आपदाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए एक तेज और प्रभावी तरीका प्रदान करता है। न्यासियों ने फैसला किया है कि कोविड कार्य के लिए, मंडल 25,000 डॉलर (केवल 1 प्रति मंडल) तक के DRG के लिए आवेदन कर सकते है और विश्व निधि से DRG को कुल 3 मिलियन डॉलर हस्तांतरित कर सकते है। इन DRGयों और GGयों का उपयोग राशन, तैयार भोजन, पीपीई, फेस मास्क, सैनिटाइज़र, वेंटिलेटर, अस्पताल के बिस्तर, ब्रोन्कोस्कोप, परीक्षण किटें इत्यादि की आपूर्ति के लिए किया जाता है। 19 मई को दुनिया भर में GGयों और DRGयों दोनों के लिए, टीआरएफ ने 19.1 मिलियन डॉलर (लगभग ₹143 करोड़) की मंजूरी दी थी। भारत के लिए, विशेष रूप से, कुल 5.36 मिलियन डॉलर (लगभग ₹40 करोड़) है। इतना सब, आठ सप्ताह के अन्तराल में। सचमुच, रोटरी दुनिया को जोड़ती है। दुनिया भर के रोटेरियनों के उदार योगदान के माध्यम से ही हमारा संस्थान अपने उद्देश्य - दुनिया में अच्छा करना - पर खरा उतर पाया है। आपका निरंतर समर्थन जरूरतमंद लोगों की मदद करने में संस्थान की मदद करेगा। जैसा कि लेखक चिप इनग्राम ने कहा, "उदारता एक कार्य नहीं है, यह जीवन का एक तरीका है;" और जैसा कि एक अज्ञात ऋषि ने कहा था, 'आपकी महानता इसमें नहीं कि आपके पास क्या है, बल्कि इसमें है कि आप क्या देते हो।'

धन्यवाद। स्वस्थ रहें। सुरक्षित रहें!

गुलाम ए वाहनवती

फाउंडेशन ट्रस्टी

रोटेरियनों ने फ्रैंक डेवलिन को भावभीनी श्रद्धांजली दी

रशीदा भगत

पूर्व रो इ अध्यक्ष फ्रैंक डेवलिन ने 27 मई को 81 वर्ष की आयु में इस दुनिया से विदा ली, वे अग्नाशय (पैंक्रियाज़) कैंसर से जंग लड़ रहे थे। उनके निधन की खबर आने के बाद से रोटरी गलियारों में शोक की लहर छा गई, सम्पूर्ण रोटरी दुनिया से शोक संदेश की बौछार होती रही। पी के आचार्य ने, जो सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय हैं, शीघ्रता से व्हाट्सएप पर एक श्रद्धांजलि समूह बनाया, जो हर मिनट आती उनकी स्मृति/ श्रद्धांजलि के साथ गूंजता रहा, उसके बाद भी कई दिनों तक शोक सन्देश आते रहे।.

हालाँकि मैंने पूर्व रो इ अध्यक्षों राजेंद्र साबू और कल्याण बनर्जी से दिवंगत आत्मा के संस्मरण कलमबद्ध करने का अनुरोध किया था, उनमें से सबसे अधिक सूचनाप्रद श्रद्धांजलि पीआरआईपी रे क्लिंगस्मिथ की थी, और उसे पीआरआईपी के आर रविंद्रन ने मेरे साथ साझा किया।

इससे एक रोचक जानकारी मिली; डेविन क्षेत्रीय पत्रिका, मैक्सिको रोटरी के संपादक थे, और वो नियुक्ति उनके लिए कुछ तनावपूर्ण क्षणों से भी गुजरना पड़ा था, जब 1984-85 के लिए उन्हें रो इ निदेशक के रूप में सेवा देने के लिए चुना गया था। एक ऐसी घटना, जिसने रोटरी में उनकी प्रगति का मार्ग करीब करीब बदल दिया था, क्लिंगस्मिथ कहते हैं, मई 1985 में जब मैंने एक सामान्य सदस्य के रूप में मेरी पहली रो इ बोर्ड की बैठक में भाग लिया था तो बड़ी खबर ये थी कि पोलियोप्लस के लिए 120 मिलियन डॉलर के लक्ष्य के साथ तीन वर्षीय धन अनुदान संचयन (फण्ड रेजिंग) अभियान को औपचारिक मंजूरी मिल गई थी! पोलियोप्लस कार्यक्रम का यह पहला महत्वपूर्ण कदम था। बोर्ड ने वर्ष पर्यन्त इस पर काम किया था और यह एकमत से पारित हुआ।

बैठक का रोमांचक क्षण यह था कि फ्रैंक डेवलिन ने 1984-85 का चुनाव रो इ निदेशक के रूप में जीता था और उनके प्रतिद्वंद्वी ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामला

पूर्व रो ई अध्यक्षों के आर रविंद्रन (बीच में), और लुइस गिवाय के साथ फ्रैंक डेवलिन।

जब पूरे बोर्ड के सामने आया तो किसी ने सुझाव दिया कि फ्रैंक को भी अपना पक्ष रखने का मौक़ा दिया जाये । तो फ्रैंक को मेक्सिको सिटी में बुलाया गया और अगली सुबह वह साक्षात्कार के लिए उपस्थित थे। साक्षात्कार के बाद बोर्ड ने निर्णय किया कि उन्होंने चुनाव प्रचार के नियमों का उल्लंघन नहीं किया था और 1 जुलाई, 1986 को फ्रैंक ने निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। अपने रोटरी करियर में वो बाल बाल बचे थे !

इस घटना के फलस्वरूप बाद में चुनाव प्रचार अभियान के प्रावधानों को स्पष्ट करने और सुधारने के लिए एक समिति का गठन हुआ। समिति की अध्यक्षता चक केलर ने की थी और दो अन्य सदस्य पीडीजी वकील थे; मैं इस समिति का संपर्क निदेशक था, और अभी तक मैंने जितनी भी समिति देखी हैं,इस समिति का कार्य सर्वश्रेष्ठ रहा था। इसने प्रचार के नियमों को इतनी प्रभावी रूप से स्पष्ट किया था कि प्रस्तावित उपनियमों को 1986 की सीओएल में तुरंत अनुमोदित कर दिया गया। और आज तक, लगभग 35 वर्षों से इन नियमों में संशोधन की आवश्यकता नहीं पडी है! इस प्रकार फ्रैंक ने चुनाव प्रचार, कैनवसिंग और चुनाव के नियमों को प्रभावित कर रोटरी का स्वरुप निखारने में सहायता की!

अपनी श्रद्धांजलि में, रो इ अध्यक्ष मार्क मैलोनी ने कहा: फ्रैंक रोटरी में एक प्रभावशाली नेता थे जिनके स्नेहपूर्ण अभिवादन, प्रेरणादायक शब्द और सेवा के प्रति समर्पण ने उनसे मिलने वालों के पटल पर एक स्थायी छाप छोड़ी है ।

प्रारंभिक वर्ष

वह आठ-वर्ष की उम्र में मैक्सिको की उत्तरी सीमा पर स्थित अपने गृहनगर से मार्स और स्निकर्स जैसी चॉकलेट बार खरीदने के लिए टेक्सास के एल पासो जाते और अपने पड़ोस में अमेरिकी कन्फेक्शनरी बेचते थे, उस जगह से उठ कर वह एक सफल ऑप्टिकल साम्राज्य के संस्थापक बने। जो व्यक्ति अपनी आँखों की देखभाल करने में अक्षम थे और चश्मे खरीद नहीं सकते थे, डेवलिन फाउंडेशन के माध्यम से डेविलिन ने 1 मिलियन मेक्सिकों निवासियों को मुफ्त चश्मे बांटे थे।

दुनिया भर में रोटेरियन उन्हें एक मानवीय, मैत्रीपूर्ण, और दयालु इंसान के रूप में याद करते हैं जो कभी ख़त्म ना होने वाले चिरजीवी उत्साह के साथ रोटरी के लिए समर्पित थे। डेवलिन परिवार में अपने पीछे पत्नी ग्लोरिया रीटा और तीन बेटियों - मेलानी, स्टेफ़नी और जेनिफर को छोड़ गए हैं।

रो इ अध्यक्ष मनोनीत शेखर मेहता ने अपनी आखिरी मुलाक़ात को याद करते हुए कहा कि उनका निधन रोटरी और राशी और मेरे लिए एक अपूरणीय क्षति थी, जिन्होंने फ्रैंक और ग्लोरिया रीटा के साथ शानदार वक़्त गुजारा था, आख़िरी बार इसी साल जनवरी में सैन डिएगो में आयोजित इंटरनेशनल असेंबली के प्रत्येक दिन। वह हमें ढूँढ़ते और अभिवादन करते, अगर हम पहले उनसे ना मिल लिए हों तो। इ असेम्ब्ली में मैक्सिको के लिए कुछ योजनाओं पर चर्चा करने के लिए वह मुझसे मिलने दो बार मेरे कार्यालय में आए थे। उन्होंने याद किया डेवलिन के साथ बिताये पलों को, जब वो डीजी थे तब हमारे मंडल में उनका आना हुआ था और जब वे टीआरएफ ट्रस्टी चेयर थे तब मेरे घर आये थे और मैं भी मेक्सिको में उनके घर पर और फ्रेंक म्यूजियम गया था।

कितने मिलनसार आदमी थे। रोटरी की दुनिया के साथ साथ हमें भी उन की कमी खलेगी।

अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए, पीआरआईपी आर के रवींद्रन कहते हैं: फ्रैंक एक महान व्यक्तित्व के धनी थे और मुझसे लम्बे थे, और उनका मब्यूनस डीयस, अमीगोफ अभिवादन के साथ उनका जोश भरा आलिंगन। अपनी दैहिक उपस्थिति के साथ-साथ वह अपने प्रेरणादायक व्यक्तित्व के लिए याद किये जाएंगे। वह एक महान और सफल व्यवसायी थे। आज डेविन ऑप्टिकल ग्रुप, जिसके वह सीईओ थे, उस के दक्षिण अमेरिका और यूरोप में 700 से अधिक स्टोर हैं। जब मैंने एक बार फ्रैंक से कहा कि उनके दुनिया में सबसे बड़े होने की संभावना है, तो जल्दी से मुझे ठीक किया और कहा दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा।

उनके विजिटिंग कार्ड संग्रह करने की आदत के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, वो मुक्त हस्त से कार्ड का आदान प्रदान करते थे। उनके पास लाखों कार्ड का संग्रह होना चाहिए क्योंकि मैंने ही उन्हें करीब 20 कार्ड दे दिए होंगे! अक्सर उनमें और लुइ गियै (अर्जेंटीना से पूर्व रो इ अध्यक्ष) में इस बात पर बहस छिड़ जाती थी कि सबसे अधिक अधिवेशनों में किसने भाग लिया था। शायद फ्रैंक। उन्होंने हैम्बर्ग से पहले लगातार 45 कन्वेंशन में शिरकत की थी।

दिवंगत नेता को अलविदा कहते हुए रविन्द्रन कहते हैं,

प्रिय फ्रैंक, एक हजार देवदूत आपको आपकी चिरनिद्रा में लीन करें।

डेवलिन को एक मिलनसार, नर्मदिल और दयालु इंसान बताते हुए, टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती याद करते हैं कि वह उनसे भली भांति परिचित थे जब वो टीआरएफ अध्यक्ष रहे उस समय मैं आरआरएफसी था। मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे, उनकी और ग्लोरिया रीटा की जोड़ी बहुत ही लोकप्रिय थी। मेरी उनसे आख़िरी मुलाक़ात कुछ ही महीने पहले इ असेंबली में हुई थी और उनका वही अंदाज़, मिलनसार और नरम मिज़ाज। रोटरी ने एक अत्यंत उत्कृष्ट नेता खो दिया है। संकट और दु:ख की इस घड़ी में, हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर ग्लोरिया रीटा और उनके परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दे ।

रो इ निदेशक मनोनीत ए एस वेंकटेश कहते हैं कि विगत 20 वर्षों में, डीजी निर्वाचित रहते जब भी कोई इ असेंबली जाएगा तो शायद पहली मुलाक़ात डेवलिन से ही हुई होगी। प्रभावशाली मुस्कान के धनी और एक दोस्ताना शख्सियत, उनके भीतर दूसरों को सहज महसूस कराने की कला थी। रोटरी विश्व इस उत्कृष्ट व्यक्तित्व की कमी महसूस करेगी।

वर्तमान रोटरी मुख्यालय हासिल करने में योगदान

लगभग हर रोटरी नेता जानता है कि रोटरी को वन रोटरी सेंटर, अपना मुख्यालय शिकागो के इवान्स्टन लाने में फ्रैंक डेविलिन का क्या योगदान रहा है। और पूर्व रो इ अध्यक्ष रे क्लिंगस्मिथ के पास इसका विवरण है। फ्रैंक ने रो इ बोर्ड पर अपने पहले वर्ष के दौरान रोटरी को प्रत्यक्ष स्वरुप और आकार देने में मदद की थी, और 1986-87 में कार्यकारी समिति के अध्यक्ष के रूप में बोर्ड पर, वो मेरे कार्यकाल का दूसरा वर्ष था।

इवानस्टन स्थित 1600 रिज एवेन्यू में पूर्व रो इ मुख्यालय की इमारत छोटी पड़ने लगी थी, और हमने इमारत के लिए एक अतिरिक्त डिजाइन तैयार करने में काफी मशक्कत की थी। हालांकि, हमने देखा कि यह बहुत महंगा पड़ता क्योंकि इमारत एक ऐतिहासिक क्षेत्र में स्थित थी और सभी पार्किंग जमीन के नीचे बनती और इस तरह भूमि के जल स्तर से नीचे जाना पड़ता! इसलिए, फ्रैंक ने कहा चलो शहर के मध्य में शर्मन एवेन्यू पर ङ्गअमेरिकी अस्पताल आपूर्ति भवनफ को खरीदते हैं जो खाली पड़ा है।

लेकिन यह इमारत 18 मंज़िल ऊंची थी, जिसमें रो इ की ज़रुरत से काफी अधिक जगह थी, और उसकी कीमत थी 22.5 मिलियन डॉलर।स्पष्ट था कि ये हमारी आवश्यकता से कहीं अधिक थी और बजट से भी अधिक! लेकिन फ्रैंक अड़े रहे, और जब हमने ऋण ले कर और अतिरिक्त स्थान किराए पर देने के बारे में जानकारी एकत्र की, यह एक बहुत ही आकर्षक प्रस्ताव बन गया। बोर्ड ने भवन खरीदने के लिए सहमति दे दी, जिसे आज वन रोटरी सेंटर के रूप में जाना जाता है, और इस सौदे के लिए प्रमुख मध्यस्थ निश्चित रूप से फ्रैंक ही थे!

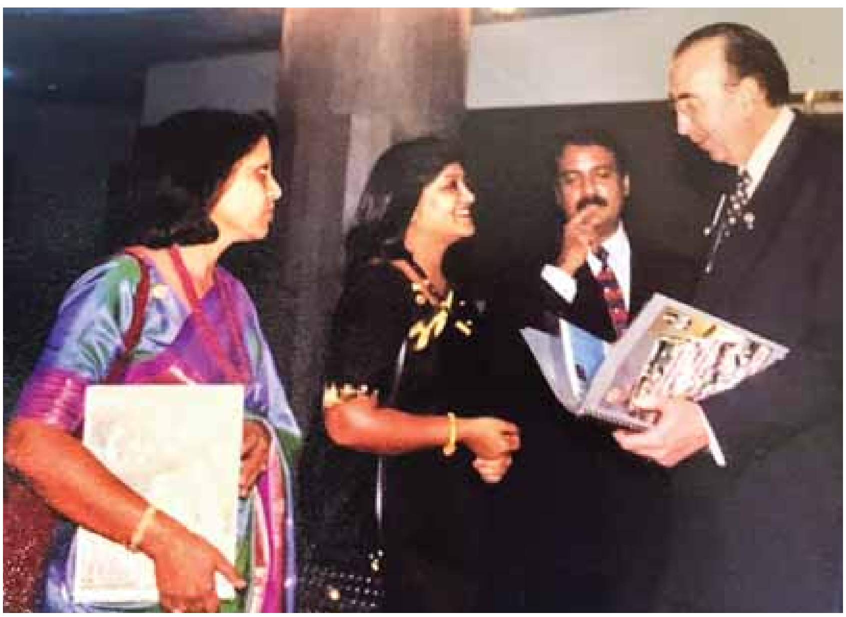

RIPN शेखर मेहता और राशी (बाएं) के साथ डेवलिन।

पीआरआईडी सी. भास्कर जो तब रोई मंडल 3000 के मंडल गवर्नर थे जब डेव्लिन रोई अध्यक्ष थे कहते है कि मैंने उनके साथ काम करने के दौरान की गई अनेक फलदायक और बौद्धिक रूप से उत्तेजक बातचीत का अत्यंत आनंद उठाया। उनके वाकपटुता कौशलों एवं समाज की निस्वार्थ सेवा के प्रेरक संदेशों ने उन्हें एक ऐसी आवाज़ बना दिया जिसे दुनिया भर के रोटेरियन और विशेष रूप से भारत के रोटेरियन बड़े ध्यान से सुनते थे। उनकी और उनकी पत्नी ग्लोरिया के साथ हुई माला और मेरी बातचीत मुझे सदा आनंदित करेंगी। उनका निधन ना केवल उनके परिवार के लिए बल्कि रोटरी एवं दुनियाभर के रोटेरियनों के लिए भी एक क्षति है। ■

आर्च क्लम्फ सोसाइटी: अच्छाई से कई अधिक

द आर्च क्लम्फ सोसाइटी, जिसका नाम उस आदमी के नाम पर है जिसे रोटरी संस्थान का जनक समझा जाता है, रोटरी के उस उच्चतम श्रेणी के दानकर्ताओं का सम्मान करता है जिन्होंने संस्थान को 250,000 डॉलर या उससे अधिक दिए है।

गैरी सी. के. हुआंग आर्च क्लम्फ सोसाइटी में शामिल होने को इतना महत्वपूर्ण मानते है कि उन्होंने 2019-20 में रोटरी संस्थान के न्यासियों के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल में इसे एक मुख्य ध्यानाकर्षण बना दिया है।

जुलाई 2019 से मार्च 2020 तक, इस सोसाइटी ने 95 नए सदस्यों को शामिल किया है - जो पिछले रोटरी वर्ष की समान अवधि से 25 प्रतिशत अधिक है और 2018-19 के कुल से भी अधिक है।

संस्थान के सभी योगदानों की तरह आर्च क्लम्फ सोसाइटी को दिए गए योगदान कोविड-19 जैसी बीमारियों से लड़ने में मदद करते है। वे स्वच्छ पानी भी प्रदान करते है, माताओं और बच्चों के जीवन को बचाते है, शिक्षा का समर्थन करते है, और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ने में मदद करते है। रोटरी संस्थान के बारे में अधिक जानने के लिए, rotary.org/foundation पर जाएँ।

अक्टूबर 2019 में इवान्स्टन में वन रोटरी सेंटर में द आर्क क्लम्फ सोसाइटी ने ताइवान से 30 दानदाताओं को सम्मानित किया।

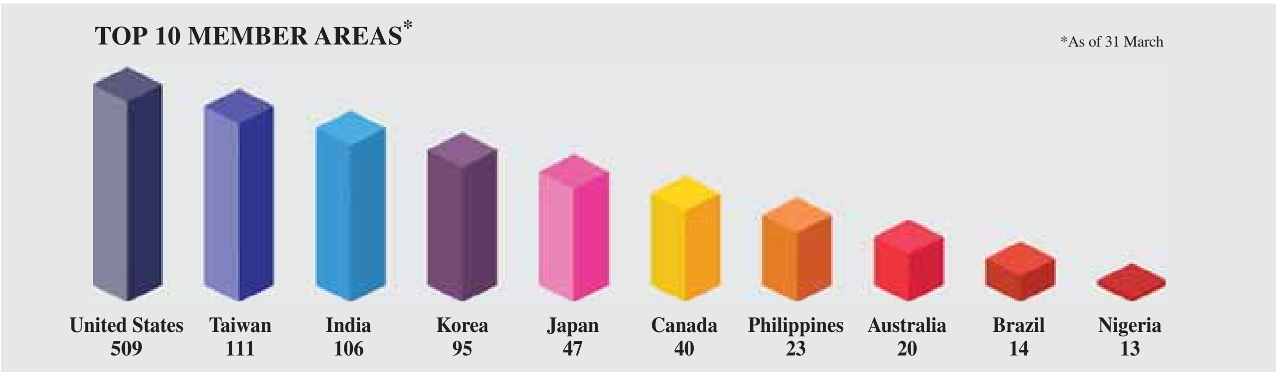

फ्रैंक अपनी ज़िंदादिल मुसकुराहट के साथ स्वर्ग को रौशन करेंगे

कल्याण बेनर्जी

फ्रैंक डेवलिन रोटरी में हमेशा मेरी सबसे पसंदीदा शख्सियतों में से एक थे, वो शख्स जिन्हें मैं एक आदर्श रोटेरियन मानता हूँ।

करीब 6 फीट 3 इंच लम्बे, इकहरा बदन, खूबसूरत, आकर्षक आवाज़ के धनी, किसी भी समारोह में वह अलग से नज़र आ जाएंगे। और, जब वह आप को देख लेंगे तो आगे बढ़ कर कहेंगे *ब्यूनस डियस*, एमिगो, या सिर्फ *ओला*, और *अब्राजो* (स्पैनिश भाषा में आलिंगन) अपने अंदाज़ में आपको आगोश में ले लेंगे।

और, आप को तुरंत अहसास होने लगेगा कि यह एक शानदार दिन था। विश्वास नहीं होता कि फ्रैंक अब नहीं रहे और किसी बड़े काम के लिए ऊपर कहीं चले गए, अब उनके ओला और आगोश की कमी हमेशा खलेगी।

तो, जब मैं उनके बारे में अपने विचार बैठा तो सोचा, कहां से शुरू करूं? शायद यहां से कि उनका जन्म 1939 में हुआ था, और रोटरी में पोलियोप्लस के जनक डॉ कार्लोस कैनसेको ने उन्हें अपने संरक्षण में तराशा था। 1977-78 में वह मैक्सिको में रो इ मंडल 4170 के गवर्नर बने और तेजी से आगे बढ़ते हुए 1986-88 में रो इ निदेशक बने फिर 1996-98 में टीआरएफ ट्रस्टी, और 2000-01 में रो इ के अध्यक्ष के रूप में सेवा करने के लिए चुने गए।

हालाँकि फ्रैंक रोटरी के लिए ही जीते थे और इसे बहुत प्यार करते थे, पर साथ ही वे दूरदर्शी भी थे और कड़ी मेहनत करने वाले व्यवसायी। सही मायनों में, दुनिया को दृष्टि प्रदान करना ही उनका व्यवसाय था और डेवलिन ऑप्टिकल ग्रुप, जो चश्मा, लेंस और दृष्टि संबंधी सभी वस्तुओं का उत्पादन करता था, फलता फूलता गया, रोटरी में ज़िम्मेदारियों के साथ-साथ। वास्तव में, फ्रैंक ने नेत्रों की देखभाल और इसकी जागरूकता बढ़ाने के लिए 10 लाख चश्मे मुफ्त बांटे थे और आगामी वर्षों में, उन्हें मैक्सिको के एक महान और परोपकारी व्यक्ति के रूप में जाना गया। उनका ऑप्टिकल व्यवसाय भी दुनिया के सबसे बड़े व्यवसायों में शुमार हो गया।

जब वह आप को देख लेंगे तो आगे बढ़ कर कहेंगे *ब्यूनस डियस*, एमिगो, या सिर्फ *ओला*, और *अब्राजो* अपने अंदाज़ में आपको आगोश में ले लेंगे।

एक दिन मैं अमेरिका में फ्रैंक के साथ एक रो इ समिति की बैठक में था, जब उन्हें इवान्स्टन से नॉमिनेटिंग कमेटी का फोन आया, जो काफी समय से उनसे संपर्क करने का प्रयास कर रही थी। उन्होंने बस इतना कहा: हां, सेवा करके मुझे खुशी मिलेगी और फोन काट दिया। मैंने पूछा, फ्रैंक, फोन किस सम्बन्ध में था? मउन्होंने जवाब दिया: लगता है

उन्होंने मुझे 2000-01 के अध्यक्ष पद के लिए चुन लिया है। और मैंने कहा: हे भगवान! आप खुश नहीं हैं क्या? उन्होंने जवाब दिया: हां। लेकिन मुझे इतनी जल्दी इसकी उम्मीद नहीं थी।

अपने वर्ष के लिए फ्रैंक की थीम थी मक्रिएट अवेयरनेस एंड टेक एक्शन। उनके मंडल अध्यक्षों ने उनकी "एक्शन टीम" बनाई थी। उनके रो इ अध्यक्ष बनने से पहले और बाद में फ्रैंक और उनकी पत्नी ग्लोरिया रीटा के साथ कई बार भारत आ चुके हैं, मंडल सम्मेलनों में रो इ अध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप में और भारत के लगभग सभी प्रमुख और कुछ छोटे बड़े शहर भी देख चुके हैं। मैक्सिकन होने के नाते, हमारे तीखे और मसालेदार भारतीय व्यंजन उन्हें बेहद पसंद थे।

फ्रैंक ने हमेशा भारतीय क्लबों को न सिर्फ रोटरी में बल्कि नेतृत्व के अन्य पदों पर भी अधिक महिलाओं को लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

2002-05 में टीआरएफ ट्रस्टी के रूप में और उससे अगले वर्ष 2005-06 में इसके अध्यक्ष के रूप में अपनी रोटरी सेवा जारी रखी, उन्होंने टीआरएफ में उभरती अवधारणा फ्यूचर विज़न की अध्यक्षता की और 2001-2003 में अवोइडेबल ब्लाइंडनेस टास्क फॉर्स का नेतृत्व किया। टीआरएफ में अपने कार्यकाल के बाद भी, उन्होंने रोटरी एक्शन ग्रुप फॉर पीस में अपनी सेवाएं देना जारी रखा।

इन वर्षों में, फ्रैंक रोटरी मंच पर हमेशा सबसे अधिक मांग वाले वक्ताओं में रहे। वे प्रखर वक्ता थे, जैसे-जैसे उनकी लोकप्रियता बढ़ी, फ्रैंक ने अपने प्रमुख रोटरी सरोकारों को लेखन के माध्यम से व्यक्त किया। आगामी कुछ वर्षों में उन्होंने पांच बेस्ट सेलर्स का लेखन किया पब्लिक स्पीकिंग,रोटरी फाउंडेशन, लीडरशिप पर और दो पुस्तकें जिनका शीर्षक था फ्रैंक टॉक, मेम्बरशिप ग्रोथ एन्ड रिटेंशन।

लेकिन महान व्यक्तित्व के धनी होने के बावजूद, फ्रैंक के पैर हमेशा जमीन पर रहते थे। आपसे विजिटिंग कार्ड के लिए पूछना या हमेशा आपको नाम से पुकारना या आप की टाई सीधी रखने के लिए प्लास्टिक टाई पिन देना उन्हें पसंद था या अपने चश्मे का प्लास्टिक के चश्मे का सैंपल दे कर उसे आजमाने के लिए कहते थे -ग्लासेज फॉर द मासेज़फ, या आपको बैज दिखाते कि उन्होंने 46 रो इ कन्वेंशन में भाग लिया था!

मुझे आज भी स्पष्ट रूप से याद है जून 2001 में टेक्सास में फ्रैंक के सैन एंटोनियो कन्वेंशन का समापन सत्र। अंत में, उन्होंने पास खड़ी ग्लोरिया रीटा को समापन पर टिप्पणी के लिए पोडियम पर आमंत्रित किया और जब वो बोली: 'फ्रैंक, घर चलने का समय हो गया है।'

वाकई ये अद्भुत है कि फ्रैंक ने जो कुछ भी किया उसकी यादें पीछे छोड़ गए जिस पर उनके हस्ताक्षर अमिट हैं।

उन्होंने रो इ को इवान्स्टन में अपने 18-मंजिला वर्तमान मुख्यालय खरीदने में मदद की थी, क्योंकि हमारा पहला मुख्यालय 1600 रिज एवेन्यू पर है, जो कि छोटा पड़ रहा था। इतने वर्षों से हमारा मुख्यालय भवन हमारी ज़रूरतों को पूरा कर रहा है।

मुझे आज भी स्पष्ट रूप से याद है जैसे कल ही की बात हो, जून 2001 में टेक्सास में फ्रैंक के सैन एंटोनियो कन्वेंशन का समापन सत्र। कन्वेंशन अंतिम चरण में पहुँच चुका था और समापन सत्र में फ्रैंक का अंतिम वक्तव्य चल रहा था। अंत में, उन्होंने पास खड़ी ग्लोरिया रीटा को समापन पर टिप्पणी के लिए पोडियम पर आमंत्रित किया और जब वो बोली: फ्रैंक, घर चलने का समय हो गया है, पूरा सभागार तालियों से गड़गड़ा उठा!

कल 28 मई को ग्लोरिया रीटा और उनके बच्चों मेलानी, स्टेफनी और जेनिफर ने बिलखते हुए ये दुखद समाचार दिया कहा कि हमारे फ्रैंक ने पैंक्रिअटिक कैंसर के सामने अपने घुटने टेक दिए, और पूरी दुनिया ने खड़े हो कर कहा: अलविदा, फ्रैंक: आप सदैव हमारे दिलों में रहेंगे। अपनी ज़िंदादिल मुस्कराहट के साथ आप हमेशा स्वर्ग को भी रौशन करते रहें।

PRIP फ्रैंक डेवलिन के साथ PRIP कल्याण बेनर्जी।

लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष हैं।

फ्रैंक सबसे ऊंचे, सच्चे हीरो थे

राजेंद्र साबू

फ्रैंक डेवलिन लम्बे कद के व्यक्ति थे और हम जब भी मिलते, वह मुझे बहुत गर्मजोशी से कहते, माय प्रेजिडेंट, अब्राजो। जब वो मुझे सीने से लगाते, मुझ जैसे छोटे कद के व्यक्ति का सिर उनकी छाती तक पहुंच जाता। मैं हमेशा कहता था, मेरे दोस्त, तुम्हारा दिल मेरे दिमाग से मुलाक़ात कर रहा है।

फ्रैंक के साथ मेरी रोटरी यात्रा का आरम्भ मई, 1978 में बोका रैटन, फ्लोरिडा, अमेरिका में हुआ, जिस वर्ष वे मंडल अध्यक्ष निर्वाचित थे और मैं इंटरनेशनल ग्रुप का लीडर (अब इंटरनेशनल डिस्कशन लीडर)। हम 1983 से सह-यात्री बन गए, तब रो इ के आगामी अध्यक्ष डॉ कार्लोस कोंसेको ने ये कह कर मिलवाया, राजा, आप फ्रैंक को असीम ऊंचाइयों पर बढ़ते देखोगे। फ्रैंक ने रोटरी में और अपने पेशे दोनों में नई ऊंचाइयों को छूआ। अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व में अदम्य जोश और साहस की भावना का समावेश कर, उन्होंने सीढ़ी दर सीढ़ी कामयाबी हासिल की।

1986-87 में पूर्व रोटरी अध्यक्ष मैट कैपरास द्वारा उनके अध्यक्ष काल के दौरान शुरू किये गए कार्यक्रम रोटरी विलेज कॉर्प्स के लिए फ्रैंक और मैं पूरी तरह से प्रतिबद्ध हो गए थे और मैं उस समिति का अध्यक्ष बना। अगले साल, मैं अध्यक्ष के रूप में काम करता रहा और समिति के लिए फ्रैंक रो इ के संपर्क निदेशक बन गए। यह कार्यक्रम एशिया और दक्षिण अमेरिका में तो बहुत लोकप्रिय हुआ लेकिन विकसित देशों में नहीं। आगामी रो इ नेतृत्व इस कार्यक्रम को ले कर बहुत उत्साहित नहीं था और एक सुगबुगाहट भी उठ रही थी कि इसे हटा दिया जाएगा।

और फिर आया 1989 का सीओएल, जहां फ्रैंक और मैं दोनों ही मतदान प्रतिनिधि थे। क्लब में उपस्थिति के श्रेय से संबंधित एक अधिनियम प्रस्तावित था। इसे फ्रैंक ने उठाया और संशोधन प्रस्तावित किया कि रोटरी विलेज कॉर्प्स की बैठक में भाग लेने वाले रोटेरियन को उपस्थिति का लाभ ठीक वैसे ही मिलेगा, जैसे रोटरैक्ट की बैठक में भाग लेने से मिलता है। बिना किसी विरोध के वो संशोधन पारित हो गया। एक अच्छी सोच के

PRIPs फ्रैंक डेवलिन और राजेंद्र साबू।

साथ, रोटरी विलेज कॉर्प्स, रोटरी के संवैधानिक दस्तावेज का हिस्सा बन गया और अब प्रोग्राम से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी और ना ही इसे हटाया जाएगा। ऐसे थे फ्रैंक।

संयोगवश एक मजेदार घटना घटी, मई 1989 में जब फ्रैंक और ग्लोरिया रीटा, उषा और मैं रोटरी कन्वेंशन में भाग लेने के लिए अलग अलग उड़ानों से सियोल एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। रोटेरियनों को होटल इंटरकांटिनेंटल में ले जाने के लिए एक आम बस की व्यवस्था की गई थी। हम बस में चढ़े और चारों आखिरी पंक्ति में बैठे थे। अचानक, फ्रैंक ने खड़े होकर घोषणा की, अगले रो इ अध्यक्ष हमारे बीच बस में बैठे हैं। जब सभी ने इधर-उधर देखना शुरू कर दिया तो उन्होंने कहा, वह है राजा साबू। तालियाँ बज रही थीं। मुझे ऐसा कोई आभास नहीं था। पारम्परिक रूप से रो इ अध्यक्ष के लिए अगला नामांकन अमेरिका से होना था, लेकिन देखिये, कमाल की बात ये है कि सिर्फ पांच महीने बाद अक्टूबर 1989 में, नामांकन समिति द्वारा मुझे 1991-92 के लिए अध्यक्ष चुन लिया गया था। क्या फ्रैंक एक ज्योतिषी थे ?

1988-89 में, उनके निदेशक कार्यकाल के तुरंत बाद, फ्रैंक अंतर्राष्ट्रीय आरवीसी समिति के अध्यक्ष और कल्याण बनर्जी इसके उपाध्यक्ष थे। फ्रैंक को धन्यवाद, रोटरी विलेज कॉर्प्स (आरवीसी) रो इ का एक स्थायी कार्यक्रम बन गया और यह अभी भी रोटरी कम्युनिटी कॉर्प्स के रूप में जारी है।

1986 के बाद से, फ्रैंक पोलियोप्लस के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित हो गए थे और वह पूरे जोश के साथ इसमें जुट गए। 1991-92 में टीआरएफ की 75 वीं वर्षगांठ का समारोह मनाने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया और फ्रैंक इसके सदस्यों में से एक थे। उस वक़्त वो ट्रस्टी चेयर थे और मैं रो इ अध्यक्ष।

शीघ्र ही फ्रैंक रो इ अध्यक्ष के शीर्ष पद पर पहुंच गए, लेकिन अपने कार्यकाल के दौरान या उसके बाद भी, उन्होंने कभी भी अपनी सहजता को मिटने नहीं दिया, वे एक सरल स्वभाव के व्यक्ति थे, रोटेरियन से मिलना, कार्ड का आदान-प्रदान करना और कन्वेंशन में अपने रीयूनियन में लगभग 700-800 प्रतिभागियों से मिलना। उनके दरवाजे सभी के लिए खुले थे एक प्रफुल्लित अभिवादन के साथ होला ... लेकिन वास्तव में बात वो दिल से करते थे।

PRIP फ्रैंक डेवलिन और ग्लोरिया रीटा के साथ PRIP राजेंद्र साबू।

उनको भारत बहुत पसंद था और जब भी अवसर मिलता इस देश में घूमने आ जाते थे। 1980 के दशक के अंत में वह अपनी बेटी मेलन के साथ चंडीगढ़ आए, और बाद में कई सम्मेलनों और इंस्टिट्यूट में भाग लिया। 2000 में वह रोटरी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रो इ अध्यक्ष के रूप में भारत आए थे। चाहे कन्वेंशन हो या इंटरनेशनल असेंबली, उषा से मिलने के लिए वे हमेशा वक़्त निकाल लेते थे, सदस्यता, रोटरी प्रोजेक्ट्स, पब्लिक अवेयरनेस पर चर्चा के लिए। उषा ने हमेशा रोटरी को क्लब मीटिंग की चारदीवारी से बाहर निकल कर बाहरी दुनिया को यह बताने की वकालत की है, कि आखिर रोटरी क्या करती है।

फ्रैंक ने उन्हीं विचारों को जिया जो उनकी थीम से अभिव्यक्त होते थे, ग्रेट अवेयरनेस-टेक एक्शन। वह ऊर्जा से भरपूर थे, अपने विचारों के सन्दर्भ में स्पष्टवादी थे। पूर्व रो इ अध्यक्षों की परिषद की बैठक में, वह अपनी राय देते और अन्य के विचारों का भी सम्मान करते थे। मुझे याद है कि इन रात्रिभोजों में वह हमेशा ब्रांडेड गॉगल्स लाते थे, विशेष रूप से महिलाओं के लिए।

फ्रैंक बहुत प्यार और देखभाल करने वाले पति थे, अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में हम उन्हें ग्लोरिया रीटा की व्हीलचेयर को धकेलते हुए देख सकते थे। वह वास्तव में एक परिवार को समर्पित थे और एक महान उद्यमी के रूप में उन्होंने अपनी बेटियों मेलानी, स्टेफ़नी और जेनिफर के साथ मिल कर अपने ऑप्टिकल व्यवसाय को कई गुणा बढ़ाया। वह मानवता के लिए प्रेरणा थे मानवीय और उदार।

यह उन के व्यक्तित्व के आंतरिक गुण थे जिन्होंने फ्रैंक का कद इतना ऊंचा कर दिया। वह अपने जीवन काल में ही एक महान व्यक्ति नहीं थे बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा आदर्श बने रहेंगे।

मुझे फ्रैंक से 16 मई को एक ईमेल मिला, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने झठखऊ सुदर्शन अग्रवाल के गुजरने की खबर मिली थी। उषा अग्रवाल की ईमेल आईडी के लिए मुझसे पूछा और उन्होंने मुझसे परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने का अनुरोध किया। उस समय वह खुद भी पैंक्रिअटिक कैंसर से पीड़ित थे और उन्हें पता था कि उनके पास समय कम था , फिर भी वह हमारे दोस्त सुदर्शन के बारे में सोच रहे थे। निस्संदेह फ्रैंक उनसे स्वर्गदूतों की दुनिया में मिलेंगे।

लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष हैं।

कोरोना महामारी के लिए टीआरएफ की त्वरित प्रतिक्रिया

रशीदा भगत

दुनिया भर में कोविड-19 वायरस के अचानक उभरने के साथ ही मानवीय यंत्रणा, बीमारी और मौत का भूचाल आ गया और रोटेरियन अपने समाज की तत्काल मदद और सेवा करने के लिए तुरंत निकल पड़े, द रोटरी फाउंडेशन ने भी इसमें शीघ्रता दिखाई।

फाउंडेशन ने यह शीघ्रता इस लिए दिखाई ताकि, समय रहते रोटेरियन इस विपत्ति से प्रभावशाली तरीके से निपट सकें। ‟हमने एक आपातकालीन बैठक बुलाई और कोविड -19 संबंधित खर्चों पर कुछ गहन और महत्वपूर्ण निर्णय लिए,” द रोटरी फाउंडेशन के आगामी ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रवींद्रन ने *रोटरी न्यूज* को एक साक्षात्कार में बताया।

कुछ अंश

क्या आप बता सकते हैं कि आगामी ट्रस्टी चेयर के रूप में वैश्विक कोरोना महामारी से उपजे हालात और नई चुनौतियों से निपटने के लिए रोटरी फाउंडेशन और रो इ बोर्ड की रणनीति और प्रतिक्रिया क्या रहेगी?

इसमें कोई संदेह नहीं है कि लगभग पूरी मानवता इस पीढ़ी की सबसे बड़ी आपदा का सामना कर रही थी। अपने इतिहास में पहली बार टीआरएफ को एक ऐसी स्थिति से निपटना पड़ रहा है जहां पूरी दुनिया एक खतरनाक वायरस से घातक रूप से प्रताड़ित हो रही है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम ने चेतावनी दी है कि दुनिया में भूख से प्रताड़ित लोगों की संख्या, जिनमें से अधिकांश अफ्रीका में रहते हैं, इस वर्ष दोगुनी हो सकती है।

अमूमन जब भी तबाही होती है तो दुनिया का कोई एक हिस्सा या क्षेत्र प्रभावित होता है, ऐसी स्थिति में मदद के लिए दुनिया के अन्य अप्रभावित क्षेत्रों में अपील करना सहज होता है। लेकिन इस मामले में तो हर कोई प्रभावित था और बड़े दानदाता राष्ट्र तो और भी गंभीर रूप से प्रभावित लग रहे थे!

टीआरएफ को प्रभावशाली प्रतिक्रिया करनी थी वो भी शीघ्रतापूर्वक। हमें रोटरी दुनिया की तात्कालिक जरूरतों और आवश्यकताओं को मद्दे नज़र रखते हुए इसका जवाब तुरंत देना था। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात ये कि हमें एक ऐसी दुनिया के लिए प्रतिक्रिया करनी थी जो अप्रत्याशित रूप से बदले हुए माहौल में एक गंभीर आघात से गुज़री थी।

मनोनीत टीआरएफ ट्रस्टी अध्यक्ष के आर रविंद्रन और टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती।

रशीदा भगत

पर्यावरणीय प्रभाव

इस पूरी महामारी से अगर किसी को फायदा हुआ है तो वो है पर्यावरण। मनुष्य के कम नज़र आने की वजह से, पेड़ पौधों और जानवरों को पृथ्वी ग्रह पर अपना यथोचित स्थान मिल रहा है। अक्टूबर 2019 में ट्रस्टीज़ मीट में (विवरणी के दस्तावेज अनुसार), आपने एक विषय से परिचय करवाया था पर्यावरण जिसे वर्तमान 'फोकस क्षेत्र' की सूची में एक और 'फोकस क्षेत्र' के रूप में जोड़ने का अनुरोध किया था। अब तो आप को खुश होना चाहिए!

जैसा कि आपने कहा, हाँ मैंने प्रस्ताव रखा था और बोर्ड ने सहमति जताई है कि पर्यावरणीय मुद्दों को फोकस के एक नए क्षेत्र के रूप में जोड़ा जाना चाहिए या फोकस के मौजूदा क्षेत्र में सम्मिलित किया जाना चाहिए। पूर्व रो इ अध्यक्ष इयान रिसले की अध्यक्षता में उस पहलू का अध्ययन करने वाली एक समिति गठित है और इसका निर्णय इस रोटरी वर्ष के भीतर ही हो जाएगा।

लेकिन अगर आपका ये मतलब है कि कोविड -19 की वजह से पर्यावरण पर पड़े अतिरिक्त प्रभाव को ले कर मैं खुश हूं; तो हाँ किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह मैं भी उतना ही खुश हूँ, अपेक्षाकृत इन मुश्किल परिस्थितियों में। आज वेनिस की नहरों में साफ पानी बह रहा है, जहां धारा के विपरीत तैरती मछलियों की झलक मिल जाती है। जैसे ही मानवीय गतिविधि रुकती है, प्रकृति का संगीत फिर से शुरू हो जाता है। कम दिखाई देने वाली एक ऐसी ही कहानी आसमान में भी चल रही है।

पंजाब के निवासियों का कहना है कि वे हिमालय की बर्फीली चोटियों को साफ़ देख सकते हैं, एक ऐसा दृश्य जिसका अवलोकन वायु प्रदूषण की वजह से वर्षों से अवरुद्ध था। कोलंबो में हम पवित्र एडम्स पीक को स्पष्ट देख पा रहे हैं। दुनिया में, बकरियां शान से टहल रही हैं उन्होंने वेल्स शहर पर कब्जा कर लिया है, ओहायो शहर के साफ़ सुथरे बगीचों में हिरण घास चरते हुए दिख रहे हैं और कैलिफोर्निया में नगरीय सीमा के पास पहाड़ी शेर नज़र आ जाते हैं।

एडिलेड में, कंगारू सुनसान शहर में चारों ओर घूम रहे हैं, और इज़राइल के तेल अवीव में गीदड़ों के एक झुण्ड ने एक शहरी पार्क पर कब्जा जमा लिया है। टोरंटो में लोमड़ियों, हिरणों, कोयोट्स और खूबसूरत रंग बिरंगे आकर्षक पक्षियों को सड़कों पर देखा जा सकता है। बार्सिलोना की सड़कों पर जंगली सूअर उतर आये हैं। भूमध्य सागर में व्हेल जहाज के मार्ग में टहल रही हैं। ब्राजील के उत्तर-पूर्वी समुद्री तट पर सैकड़ों नवजात कछुए पानी की ओर जाते हुए दिख जाएंगे, बिना किसी भय के, लोगों या पालतू पशुओं से बेफिक्र।

सदियों से, मनुष्य ने वन्यजीवों को पृथ्वी के छोटे, छोटे कोनों में खदेड़ दिया है। लेकिन अब, अरबों लोगों के एकांतवास के चलते और शहर की खाली सड़कों पर, प्रकृति वापिस धकेल रही है।

मुश्किल से कुछ ही महीने पहले तक, प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों को बंद करने और यात्रा से हो रहे उत्सर्जन में कमी करने के बारे में सोचना भी असंभव था पर आज हम जानते हैं कि साफ सुथरा आसमान और खामोश सड़कें चौंकानेवाली गति के साथ प्रकट हो सकते हैं, लेकिन लगता है यह कार्य केवल ईश्वर ही कर सकता है पर इसकी कीमत कितनी ज़्यादा है!

तो आपकी प्राथमिकता क्या रही ?

सवाल बहुत सारे थे; लेकिन एक बात स्पष्ट थी। हमें तेजी से निर्णय करना था ताकि हमारे रोटेरियन समय से प्रभावी और महत्वपूर्ण तरीके से नियंत्रण कर सकें। हमने एक आपातकालीन बैठक बुलाई और कुछ गहन और महत्वपूर्ण दूरगामी निर्णय लिए।

हमने 15 मार्च, 2020 के बाद होने वाले कोविड -19 संबंधित खर्चों को 2020 -21 के रोटरी वर्ष में डिस्ट्रिक्ट ग्रांट के माध्यम से पुनर्भरण की अनुमति देने का निर्णय लिया ।

हम कोविड-19 परियोजना से संबंधित किसी भी नए वैश्विक अनुदान के लिए 30 प्रतिशत विदेशी वित्तपोषण की अनिवार्यता को हटाने पर सहमत हुए।

हम मंडलों के डीडीएफ योगदान को डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड में निर्दिष्ट करने के लिए सहमत हुए हैं और मंडल हम से अनुरोध करें (उन्हें नहीं करना चाहिए?) कि कोविड-19 अनुदान सम्बंधित गतिविधियों के लिए अलग से प्रावधान रखें। पर यह नगद योगदान पर लागू नहीं होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात ये है हमने तुरंत वर्ल्ड फण्ड से डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड में 1 मिलियन डॉलर हस्तांतरित किये हैं, जिसका उपयोग विशेष रूप से कोविड के लिए किया जाएगा;

हमने निर्धारित किया कि प्रत्येक मंडल को ये अनुदान राशि 25,000 डॉलर तक ही सीमित रहेगी, पहले आओ पहले पाओ के आधार पर। लेकिन हम यह भी जानते थे कि यह राशि बहुत जल्द समाप्त हो जाएगी। इसलिए हमने फिर से कोविड -19 परियोजनाओं के उपयोग के लिए अतिरिक्त 2 मिलियन डॉलर स्थानांतरित किये हैं, प्रति मंडल 25,000 डॉलर की सीमा के साथ।

ये फैसले तो जल्दी हो गए। व्यक्तिगत रूप से तो बैठकें असंभव थीं, क्या यह सब ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से किया गया था? और रो इ स्टाफ की भागीदारी का क्या ?

हाँ, ये निर्णय मार्च / अप्रैल की शुरुआत में आभासी बैठकों के माध्यम से किए गए थे। लेकिन अगला सवाल यह था कि हम इसे निष्पादित कैसे करें! यानि

कि, जैसे कि, हमें ध्यान रखना था कि स्टाफ के लोग घर से काम कर रहे थे।

कोरोना मामलों के इलाज के लिए अस्पतालों में वेंटिलेटर की आपूर्ति करने के लिए रो इ मंडल 3060 (गुजरात) से दो वैश्विक अनुदान आवेदनों के बारे में जान कर बहुत अच्छा लगा, जो 30 घंटे और 6 घंटे में पारित कर दिए गए थे; पहला 8 करोड़ रुपये का विशाल अनुदान (240,500 डॉलर)। फाउंडेशन को इतनी तत्परता से काम निष्पादित करने के लिए क्या करना पड़ा, क्योंकि ग्रांट एप्लिकेशन पर तो रो इ स्टाफ को भी काम करना पड़ता है?

जब तक हमें इन अनुदानों के लिए आवेदन प्राप्त हुए, तब तक इवान्स्टन में रोटरी मुख्यालय की पूरी इमारत को खाली कर दिया गया था। हमारी बिल्डिंग खाली थी! लेकिन मुझे हमारे स्टाफ की तारीफ करनी होगी जिन्होंने बिना थके घर से काम करते हुए, आवेदनों के निस्तारण का शानदार काम किया है, कभी कभी एक ही दिन में।

अप्रैल के अंत तक आते आते कोविड -19 के लिए हमने लगभग1.22 मिलियन डॉलर के 177 विशिष्ट वैश्विक अनुदानों को मंजूरी दे दी थी और कोविड-19- हेतु विशेष रूप से 193 डिजास्टर रेस्पॉन्स ग्रांट (25,000 डॉलर प्रति मंडल) लगभग 4.8 मिलियन डॉलर के अनुदान।

लेकिन मेरे विचार से आपने तो कहा था कि इस खाते में केवल 3 मिलियन डॉलर स्थानांतरित किए हैं...

यह सच है, 740,000 डॉलर की अतिरिक्त राशि डीडीएफ से कोविड -19 अनुदान में स्थानांतरित होने से आई थी। हमारी अपील के जवाब में दिए गए ऑनलाइन योगदान से हमें 480,000 डॉलर प्राप्त हुए और कन्वेंशन के रिफंड से 312,000 डॉलर जो सदस्यों ने कोविड डिजास्टर फंड में स्थानांतरित कर दिए थे।

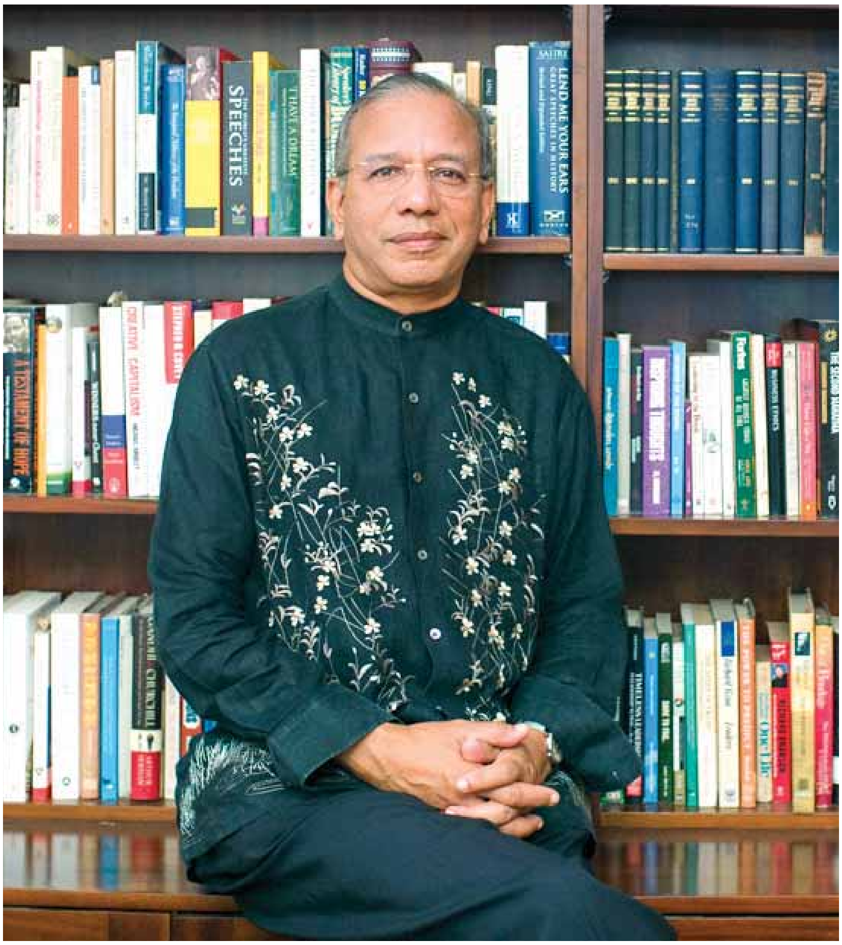

हमारी अपील के जवाब में दिए गए ऑनलाइन योगदान से हमें 480,000 डॉलर प्राप्त हुए और कन्वेंशन के रिफंड से 312,000 डॉलर जो सदस्यों ने कोविड डिजास्टर फंड में स्थानांतरित कर दिए थे।

कोविड युग के उपरान्त, आगे, आप की नज़र में रोटरी इंटरनेशनल और रोटरी फाउंडेशन का रुख क्या रहेगा, कम से कम निकट भविष्य में?

सम्पूर्ण रोटरी विश्व एक परीक्षण के दौर से गुज़र रहा है, जिसका गहरा प्रभाव पडेगा कि हम कैसे काम करते हैं और नागरिक, पड़ौसी और रोटेरियन के रूप में हमारा व्यवहार क्या रहता है। निश्चित रूप से हमें वर्तमान प्रतिकूलता और अनिश्चितता को संभालने की कसौटी पर परखा जाएगा।

यदि हमें पर्यावरण की रक्षा करनी है और भविष्य में महामारियों को और इस तरह की आपदाओं को हराना हैं, तो ये काम हमें एक साथ मिल कर करना होगा।

आगामी अध्यक्ष होल्गर स्नैक के साथ मैं बहुत नज़दीकी से काम करता हूं। हम सभी अगले वर्ष संगठन से रोटरियनों को जो भी अपेक्षाएं हैं उसे पूरा करने की हर संभव कोशिश करेंगे कि जिस पर उन्हें गर्व होगा।

सम्पूर्ण विश्व में व्यवसाय गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं इसी तरह वेतनभोगी कर्मचारी और अन्य पेशेवर भी। आगामी अध्यक्ष के रूप में, क्या आप चिंतित हैं कि कुछ वर्षों के लिए टीआरएफ योगदान में काफी गिरावट आ सकती है और राष्ट्र आर्थिक मंदी में जा सकते हैं?

आप ठीक कह रही हैं, व्यवसाय तो वास्तव में प्रभावित हुए ही हैं। दुनिया भर में छोटी, बड़ी कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को निकाल दिया है। दैनिक कर्मचारी और दिहाड़ी मजदूर बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। आई एल ओ की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 1.6 बिलियन लोग अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं - विश्व का लगभग आधा कार्यबल अपनी आजीविका को नष्ट होते हुए देख सकता है।

निश्चित ही हम दिवालिया होने वालों की संख्या में वृद्धि देखेंगे। कुछ प्रमुख कंपनियां जैसे नीमन मार्कस, जे सी पेनी, हर्ट्ज, थाई एयरवेज, देबेंहम्स, वर्जिन ऑस्ट्रेलिया पहले से ही संकट से जूझ रही हैं।

हम देख रहे हैं कि होटल और रेस्तरां, टीवी और फिल्म, खेल और स्वास्थ्य, निर्माण, एयरलाइन और पर्यटन, खुदरा उद्योग, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री सहित सभी कोविड-19 का दंश झेल रहे हैं और इन्हें पुनर्स्थापित होने में कुछ समय लगेगा।

दूसरी ओर, अल्फाबेट और फेसबुक जैसे बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म संभवतः इस संकट से और भी मजबूत होंगे। ऑनलाइन सेवाओं की मांग में अप्रत्याशित विस्फोट हुआ है। ज़ूम जैसे नवागंतुक, आज घरेलू नाम बन गए हैं।

दूरसंचार और फार्मा उद्योग बढ़िया कर रहे हैं और ये बड़े निवेश आकर्षित कर रहे हैं।

इसलिए तार्किक रूप से, हालांकि सदस्यता में थोड़ी गिरावट और योगदान में भी कमी की अपेक्षा करनी चाहिए, मुझे ध्यान है, हम रोटेरियन अपनेआप को किसी भी परिस्थिति के अनुरूप ढाल लेते हैं।

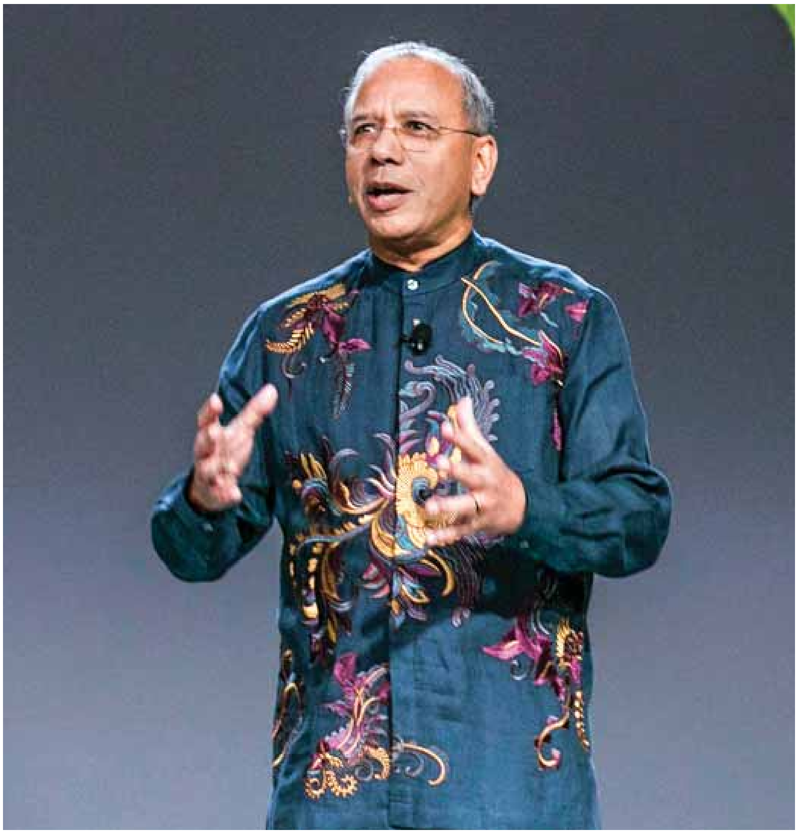

कृपया इसे विस्तार से बताइये?

इतिहास गवाह रहा है कि रोटेरियन भिन्न-भिन्न रूप में व्यवहार करते हैं। 1919 में स्पैनिश फ्लू के बाद, सदस्यता वास्तव में 19 प्रतिशत बढ़ गई थी। 1921 की महामंदी के बाद इसमें 26 प्रतिशत की, 1957 में एशियाई फ्लू के बाद तीन प्रतिशत वृद्धि हुई; लेकिन 2009 में स्वाइन फ्लू के बाद, सदस्यता में वृद्धि तो नहीं हुई परन्तु टीआरएफ में योगदान 20 प्रतिशत बढ़ गया!

हाँ, आपकी जानकारी के लिए बता दूँ कि ग्लोबल ग्रान्ट के लिए अगले साल हमारा बजट वास्तव में कम है।

लेकिन इसका कोविड -19 से कोई नाता नहीं है। इसका सम्बन्ध उस योगदान से है जो रोटेरियनों ने तीन वर्ष पहले दिया था, क्योंकि ध्यान रहे कि हम तीन वर्षीय चक्र पर काम करते हैं।

तीन वर्ष पहले, हमारे शताब्दी वर्ष के दौरान किए गए भारी योगदान की वजह से, पिछले साल,वर्ल्ड फण्ड में काफी वृद्धि हुई थी। यदि अगले साल योगदान कम हो जाता है तो इसका असर 2023-24 के खर्चे पर दिखेगा।

इसके साथ साथ मैं यह भी जोड़ना चाहूंगा कि अगले वर्ष धन की उपलब्धता, काफी हद तक, फाउंडेशन के वार्षिक फंड में किये गए निवेश की कमाई पर निर्भर करेगा।

निश्चित ही वॉरेन बफेट भी अनुमान नहीं लगा सकते कि अगले साल रोटरी का निवेश पोर्टफोलियो कितनी कमाई करेगा।

निवेश के लिए हमारे पास तीन श्रेणियां हैं। एनुअल,एंडोमेंट और पोलियो फण्ड।

आम तौर पर, एंडोमेंट फंड को हम, निरंतर वृद्धि के लिए 7 से 8 प्रतिशत का लाभ अर्जित करने की अपेक्षा के साथ इक्विटी में निवेश करते हैं। हम इस पोर्टफोलियो में अधिक जोखिम उठाने के लिए तैयार हैं। लेकिन हम अपना बजट हमेशा पारम्परिक तरीके से बनाते हैं।

जबकि एनुअल फण्ड की आवश्यकता तीन वर्षीय चक्र की अवधि में पड़ती है इसलिए हम उस का निवेश पारंपरिक रूप से करते हैं।

पहले की अपेक्षा, एनुअल फंड में साधारण लाभांश अर्जित करने के लिए निवेश किया जाता है और इस प्रकार नुकसान का जोखिम कम किया जाता है ताकि फाउंडेशन वैश्विक अनुदान, मंडल अनुदान और फाउंडेशन की लागत के साथ साथ अपने फंडिंग दायित्वों को निभा सके और मिशन को पूरा कर सके। इस प्रकार परंपरागत तरीके अपनाने की वजह से इस वर्ष लाभ हुआ जबकि बाजार ध्वस्त हो गया था।

लगभग 425 मिलियन डॉलर के पोर्टफोलियो पर 2019-20 में हमारे निवेश पर रिटर्न 4.5 प्रतिशत था, लेकिन इस साल वास्तविक रिटर्न शायद बजट से कम रहेगा।

वर्ष 2020-21 में कम रिटर्न की संभावना के मद्देनजर हमने अधिक रूढ़िवादी दृष्टिकोण रखते हुए 3.5 प्रतिशत का बजट रखा है।

पोलियो फंड को और भी अधिक सावधानी से, बहुत कम जोखिम वाले, अल्पकालिक बांड में निवेश किया जाता है क्योंकि इस फंड को हमारे अनुदान के भागीदारों में अपेक्षाकृत जल्दी वितरित किया जाता है।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

महामारी के दौरान भारत के बच्चों की सुरक्षा के लिए रोटरी इंडिया ₹1.5 करोड़ प्रतिबद्ध करती है

जयश्री

वर्ल्ड विज़न इंडिया के साथ NDTV द्वारा आयोजित दो घंटे के 'टेलीथॉन' के प्रतिभागियों में एक रोटरी भी थी। देश भर में प्रसारित मटुगेदर विद चिल्ड्रनफ शीर्षक वाला यह लाइव कार्यक्रम कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के दौरान भूख और अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार का सामना कर रहे लाखों बच्चों की सहायता करने के लिए एक अनुदान संचयन समारोह था।

रोटरी इंडिया की ओर से RIPN शेखर मेहता ने इस अभियान के लिए ₹1.5 करोड़ दिए।

कई बच्चे ऐसी जोखिम भरी परिस्थितियों में रह रहे है; महामारी केवल इसे बदतर बना रही है। हमारे सभी कार्यक्रम - शिक्षा, पोषण, स्वच्छता - उनके चारों ओर घूमते है, मेहता ने कहा। उन्होंने शुरुआत में ₹1 करोड़ की प्रतिबद्धता जताई और कार्यक्रम के अंत में इसे संशोधित करके ₹1.5 करोड़ कर दिया, यह कहते हुए, हम सर्वोच्च योगदानकर्ता बनना चाहते है।

रोटरी इंडिया सैनिटाईज़ेशन मिशन के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने इस कार्यक्रम में रोटरी के स्वच्छता और WinS कार्यक्रमों के बारे में बात की। यहाँ फिर से, मेहता ने स्कूलों में हैंडवाश स्टेशन स्थापित करने के लिए जनता को योगदान देने हेतु आमंत्रित किया और घोषणा की कि रोटरी समान राशि के साथ सार्वजनिक योगदान से मिलान करेगी। हम इस साल 1,000 स्कूलों में ₹1 करोड़ के हैंडवाश स्टेशन स्थापित करेंगे।

उन्होंने अपने माता-पिता के साथ पैदल यात्रा करने के लिए मजबूर बच्चों की दुखद दुर्दशा के बारे में बात की, जो लॉकडाउन के दौरान बुरी तरह फंस गए थे। सूटकेस पर सोते हुए और कुछ भूख और प्यास से रोते हुए बच्चों के साथ प्रवासी कामगारों के पलायन को देखना और उन्हें थकी हुई हालत में हाइवे पर पैदल चलते हुए देखना, एक हृदय विदारक अनुभव है। वे हमारे समाज के सबसे कमजोर सदस्य है और यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि वे सुरक्षित रहें और उचित पोषण प्राप्त करें। उनकी शिक्षा में बाधा नहीं आना चाहिए, उन्होंने कहा। इस महामारी के दौरान, रोटरी बड़े पैमाने पर भारत में गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

रोटेरियन लगभग ₹35-40 लाख भूखों को खिलाने में, लगभग ₹15-20 करोड़ चिकित्सा उपकरण एवं आपूर्ति प्रदान करने में खर्च करते रहे है। भारत में 4,000 रोटरी क्लब है और उन्होंने लगभग 1 करोड़ मास्क प्रदान किए है। हमने पीएम केयर्स फंड को ₹105 करोड़ दिए है और इससे अधिक भी दे रहे है। महामारी से निपटने के लिए रोटेरियन जो काम कर रहे है उसका लागत ₹75 करोड़ रुपये होगी। क्योंकि लोग इस पैसे को अपनी व्यक्तिगत बचत में से निकलकर दे रहे है, यह एक बहुत बड़ा प्रयास है, उन्होंने कहा।

रोटरी के साक्षरता कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए, मेहता ने कहा, ऑनलाइन शिक्षा में 10 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, हमने सरकार

को सुझाव दिया है कि हम हर राज्य को 1-12 कक्षा के लिए अपना पाठ्यक्रम प्रदान कर सकते है।

अग्रवाल ने कई स्वच्छता परियोजनाओं को निष्पादित करने में वर्ल्ड विजन और रोटरी द्वारा साझा की गई दीर्घकालिक साझेदारी पर प्रकाश डाला।

NDTV के सह-संस्थापक प्रणय रॉय ने रोटरी के विशाल योगदान के लिए मेहता और अग्रवाल की सराहना की। महामारी बाल अधिकारों के संकट में बदल सकती है क्योंकि बच्चे गरीबी, भुखमरी, कुपोषण और सबसे बुरी चीज़, दुर्व्यवहार से जूझ रहे है। यहाँ तक कि एक कप चाय भी उनके लिए विलासिता की एक वस्तु है और नींद भूख से पलायन करने का एक तरीका है।

यह उपयुक्त है कि हम चुनौती का सामना करते है और इन मासूम छोटे बच्चों तक पहुंचते है, उन्होंने कहा।

इस पहल से लगभग ₹5 करोड़ एकत्रित हो गए जिसमें रोटरी क्लब दिल्ली अशोका के सदस्य अर्चना और अनिल गुप्ता के ₹20 लाख और रोटरी क्लब दिल्ली मिडवेस्ट के पूर्व अध्यक्ष जी एस कोचर के ₹10 लाख, और इसके अलावा दो अज्ञात दानकर्ताओं के ₹1.35 करोड़ और ₹95 लाख शामिल है। अपोलो हॉस्पिटल्स की कार्यकारी उपाध्यक्ष शोभना खामिनेनी ने बाल कलाकार आरव वर्मा (13) की पेंटिंग ₹2 लाख में खरीदी जिसे उसने इस पहल के लिए यह कहते हुए दान कर दिए, मैं आभारी हूं कि मेरे पास एक परिवार है जो मुझे खिला सकता है। फिल्म निर्माता कबीर खान ने 50 बच्चों को प्रायोजित करने की पेशकश की।

धन का उपयोग पोषण और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने, आजीविका को बहाल करने एवं सुधारने और कमजोर समुदायों एवं परिवारों को कोविड-19 की रोकथाम पर शिक्षित करने के लिए किया जाएगा।टेलीथॉन ने लॉकडाउन के दौरान बच्चों के द्वारा सामना की जाने वाली अन्य चुनौतियों को उजागर किया।

RISM के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल और RIPN शेखर मेहता।

मुंबई की एक एचआईवी पॉजिटिव बच्ची हिना ने अपनी दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम न तो इलाज के लिए अस्पताल जा पा रहे है और न ही दवाइयाँ ले पा रहे है।

मजदूरों के बच्चे 20 घंटे से अधिक केवल बिस्कुट खाकर गुजारा कर रहे है। यह भयावह है, एनडीटीवी पत्रकार और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता रवीश कुमार ने कहा। ऐसे समय कई बच्चे मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक आघात से गुजरते है और हमें उन्हें कुपोषण से बचाने की आवश्यकता है। उनमें से कई अपने माता-पिता के साथ मीलों-मील पैदल चल रहे है और इस वक्त को वे कभी नहीं भुला पाएंगे। यह एक अभूतपूर्व स्तर का संकट है, उन्होंने कहा, और सुझाव दिया कि प्रधानमंत्री को बच्चों के कल्याण की देखभाल करने के लिए राज्यों के बाल विकास मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस करना चाहिए।

वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल रीजनल लीडर चेरियन थॉमस, इसके राष्ट्रीय निदेशक माधव बेलमकोंडा, नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बेनर्जी, ए आर रहमान, जोमेटो प्रमुख चंदन मेंदिरत्ता, अपोलो अस्पताल की कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रीता रेड्डी, फैशन डिज़ाइनर रितु कुमार और अभिनेता सोनू सूद टेलीथॉन के कुछ अन्य प्रतिभागी थे जो शंकर महादेवन द्वारा गाये गए *तारे ज़मीन पर* के शीर्षक गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ समाप्त हुआ।

चाइल्ड पियानिस्ट लिडियन नाधस्वरम ने एक लाइव परफॉर्मेंस के साथ टेलीथॉन की शुरुआत की थी। ■

RIPN मेहता NDTV चैनल पर चर्चा करते हुए।

रोटरी भारत सरकार के साथ को-ब्रांडेड पेट्रोलियम क्रेडिट कार्ड प्राप्त कर सकती है: मंत्री

वी मुत्तुकुमारण

पोस्ट-कोविड सोसायटी में "न्यू नार्मल'' के हिस्से के रूप में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय पूरे देश में रोटरी के साथ एनर्जी रिटेल आउटलेट्स पर उपभोक्ताओं के लिए डिजिटल भुगतान हेतु को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने का इच्छुक है। "हर रोज 45 मिलियन से अधिक लोग अपनी एनर्जी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रिटेल आउटलेट्स जैसे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी फिलिंग स्टेशन जाते हैं, और रोटरी को हार्ड कैश को संभालने एवं ट्रांन्जैक्शन करने की लागत बचाने के लिए रिटेल पेमेंट के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों को उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।'' यूनियन पेट्रोलियम मिनिस्टर श्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक वर्चुअल बैठक में कहा, जिसमें आरआईपीन शेखर मेहता के नेतृत्व में सीनियर नेताओं के साथ ही 500 रोटेरियन शामिल हुए।

पेट्रोल पंप पर लगभग 75 प्रतिशत ट्रांन्जैक्शन और एलपीजी रिफिलिंग स्टेशनों पर 95 प्रतिशत ट्रॉन्जैक्शन कैश मोड में ही होता है। मंत्री जी ने रोटरी इंडिया से डिजिटल पेमेंट हेतु एक सख्त अभियान चलाने और कोविड महामारी के बाद "न्यू नार्मल'' को अपनाने के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए आग्रह किया। "मैं इस तरह के रिटेल भुगतानों के लिए को-ब्रांडेड कार्ड के मुद्दे पर ऑयल पीएसयू से बात करूंगा।" - उन्होंने वादा किया।

इस महामारी के दौरान, लोगों के काम करने के तौर-तरीके, उनका जीवन एवं सामाजिक संबंध सभी कुछ असमंजस पूर्ण एवं अनिश्चित हो गया है और हमें डिजिटल सिस्टम के बारे में अपनी जानकारी में वृद्धि करके बदले हुए संसार के अनुरूप आना होगा जो विकास करते हुए नए आर्थिक मॉडल में नया बेंचमार्क बनाएगा- उन्होंने कहा।

चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में काम करने वाले लोगों (16-59) के साथ उनकी बातचीत होने के दौरान उन्हें यह पता लगा कि कोविड के प्रकोप के पहले से ही ये लोग अपने बैग में हमेशा सैनिटाइजर रखा करते थे। हमारे जीने की स्थिति में सुधार लाने के लिए कुशलता हमारे जीवन में सीखते रहने की एक सतत प्रक्रिया है। देश में लगभग 40 करोड़ स्मार्टफोन डिवाइस हैं जिसमें से कुछ लोग एक से अधिक स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। रोटरी डिजिटल डिवाइस के लिए डिजिटल बैंक का सेतू बनाकर गरीब बच्चों और उनके परिवारों के बीच पुराने डिवाइसों को फिर से वितरण करने की पहल कर सकती है। इससे उनकी आर्थिक प्रगति में गति आएगी - मंत्री जी ने कहा।

उन्होंने कहा कि इस तरह के स्मार्ट डिवाइस के उपयोग के द्वारा लोग आरोग्य सेतु जैसे ऐप का इस्तेमाल करके अपनी सुरक्षा कर सकते हैं जो कि उनको कोविड संक्रमित रोगियों से संपर्क होने, पता लगाने में मदद करता है। नीति आयोग ने 732 रेवेन्यू जिलों में से 115 उन जिलों को आकांक्षी जिलों (एसपिरेशनल डिस्टिक) के रूप में पहचान की है जहां विकास करने की आवश्यकता है और रोटरी इन पिछड़े क्षेत्रों में स्वास्थ्य, साक्षरता, जल आदि में अपनी कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित कर सकता है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान

जीवन बनाम रोजी-रोटी

सन् 1918 में स्पेनिश फ्लू महामारी के दौरान, उन देशों ने जिन्होंने जिन्दगियों को बचाने पर महत्व दिया, वह देश सुपरपावर बनते चले गए क्योंकि उन देशों की जागरूक सामाजिक एवं स्वैच्छिक समूहों के द्वारा अच्छी तरह से सहायता, सेवा प्रदान की गई थी। लॉकडाउन को लागू करके एवं अर्थव्यवस्था के पुर्नजीवन के लिए प्रोत्साहन पैकेज प्रदान करने के माध्यम से उन्होंने कोविड की मौतों को कम करने के लिए सरकारी प्रयासों को सूचीबद्ध किया। महामारी के समाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं आर्थिक प्रभावों को बड़े लंबे समय तक महसूस किया जाएगा, उन्होंने कहा, लेकिन भारत, यूएस, यूके और रूस जैसे विकसित देशों की तुलना में भारत ने बहुत अच्छी तरह से इस महामारी को मैनेज किया है, रोटरी और राज्य सरकारों जैसे स्वैच्छिक समूहों के संयुक्त प्रयासों के लिए धन्यवाद।

स्वैच्छिक एजेंसियों, सरकारों एवं सिविल सोसायटी की सामूहिक बुद्धिमता ने कोविड-19 के खिलाफ अपनी इस लड़ाई में देश की मदद की है। इन योजनाओं में गरीब कल्याण योजना खाद्य-सामग्री, दालें आदि गरीबों को देना, गरीबों को सीधे ही धन ट्रांसफर), जनधन योजना (पैसा डायरेक्ट ट्रांसफर), प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (तीन महीने के लिए आठ करोड़ विधवाओं को मुफ्त में एलपीजी सिलेंडर देना), विकलांगजनों, वृद्धजनों एवं विधवाओं के बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर करना और पीएम किसान सम्मान निधि योजना के द्वारा 10 करोड़ से अधिक खातों में पैसा डालना आदि कुछ योजनाएं हैं। दो महीने के दौरान रोटरी ने मॉस्क, सैनिटाइजर, पीपीई, मेडिकल एवं उपकरण सप्लाई सहित वेंटिलेटर वितरण किया है और जरूरतमंदों को भोजन प्रदान किया गया है, लगभग ₹200 करोड़ खर्च किए गए हैं, इसे मंत्री जी ने बताया। उन्होंने ओडिशा में रोटरी क्लबों के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न नेत्र शिविरों और अस्पतालों का स्मरण करते हुए बताया कि ङ्कमैंने इसे स्वयं देखा है और मैं अपने राज्य में इसके प्रभाव का साक्षी हूँ।फ्फ़

भारत सरकार ने दो योजनाओं को मंजूर किया

कक्षा 1 से 10 तक के लिए ई-लर्निंग पाठ्यक्रम को सरकार के द्वारा अपने विद्याधन शिक्षा प्रोग्राम के तहत मंजूरी दी गई थी जिसे 10 राज्यों में पहुँचाया जा सकता है और बाकी के लिए, विशेष जरूरतों के मुताबिक हिन्दी ऑडियों-विजुअल सामग्री का अनुवाद कर प्रदान किया जाएगा, आरआईपीएन मेहता ने अपने संबोधन में बताया। हम सीएसआर फंड के लिए प्रयासरत हैं क्योंकि डिजिटल पाठयक्रम को विकसित करने की लागत ₹15 करोड़ है। ई-लर्निंग प्रोग्राम की पार्ट-फंडिग के लिए हम ऑयल पीएसयू के साथ भागीदारी करना चाहते हैं। जब भारत सरकार का डिजिटल बोर्ड ऑपरेशन फलदायक हो जाएगा तब हमारा ई-लर्निंग हर सरकारी स्कूल के हर बच्चे तक पहुँचेगा, - उन्होंने आश्वस्त किया।

> **ई-लर्निंग प्रोग्राम की पार्ट-फंडिग के लिए हम ऑयल पीएसयू के साथ भागीदारी करना चाहते हैं।**
>
> **RIPN शेखर मेहता**

व्यस्क साक्षरता के अंतर्गत, भारत सरकार ने 13 मई को रोटरी के पढ़ना लिखना अभियान को स्वीकृति दे दी है, यह वह प्रोग्राम है जो एचआरडी मिनिस्टर श्री प्रकाश जावेड़कर जी के द्वारा बहुत पसंद किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 10 करोड़ व्यस्क निरक्षर लोगों को साक्षर बनाना है और 10 करोड़ लोगों को साक्षर बनाने के साथ ही हम अगले पांच वर्षों में कुल साक्षरता दर को 74 प्रतिशत (अंतिम जनगणना) से बढ़ाकर 95 प्रतिशत तक कर सकते हैं। मेहता ने कहा कि व्यस्क साक्षरता योजना को लागू करने के लिए इसका खाका, पाठ्यक्रम एवं भागीदारी तैयार हालत में है।

उल्लेखनीय परियोजनाएं

रोटरी सरकार की 10 प्रतिशत जल परियोजनाओं को भी क्रियान्वित करना चाहती है जैसे चेक डेम और जल-निकायों को पुर्नजीवन प्रदान करना। उन्होंने कहा कि हम अगले पांच वर्षों में 10,000 चेक डेम को लेंगे और 10,000 जल-निकायों को पूरित करेंगे। हर घर जल जीवन मिशन के तहत, रोटरी 1000 गॉवों को गोद लेंगे और अगले पांच वर्षों में 5,000 गॉवों में ओडीएफ+प्रोग्राम को क्रियान्वित करेंगे। 30,000 से अधिक स्कूलों को हैंडवाश-स्टेशन एवं स्वच्छता सुविधाओं को प्रदान किया गया। अगले पांच वर्षों में 30 करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे, 12 लाख घरों को सोलर लाइटें प्रदान की जाएंगी और 4000 गांवों के पास सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम होगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में, हर साल 50 नेत्र अस्पतालों की स्थापना एवं 2.5 लाख नेत्र सर्जरी की जाएगी, 40 ब्लड बैंक आगे आएंगे और एक लाख डायलिसिस मशीनों को लगाया जाएगा, क्लबों के द्वारा चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा जो कि अगले पांच वर्षों में 50 लाख मरीजों की जांच करेंगे। श्री मेहता ने कहा कि रोटरी स्वास्थ्य, पानी, स्वच्छता, सफाई एवं साक्षरता कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने हेतु सरकार का एक मजबूत हाथ बनेगी।

कोविड-19 हेतु राहत प्रयास

प्रधानमंत्री राहत कोष में रोटेरियनों का योगदान 105 करोड़ रूपये के आंकड़े को पार कर गया है और अभी भी पैसा आ रहा है। जमीनी स्तर पर, रोटेरियनों द्वारा किए गए कार्य का मूल्य ₹85 करोड़ है, उन्होंने बताया। रोटरी ने अभी तक एक करोड़ से अधिक मॉस्क, 75,000 से अधिक पीपीई, चार मिलियन से अधिक की भोजन खाद्य-सामग्री एवं मेडिकल उपकरण और 16 करोड़ मूल्य के वेंटिलेटरस प्रदान किए हैं। रोटरी का ऑनलाइन मेंटल हेल्थ प्रोग्राम 4000 घंटे का चलाया है। जब कॉर्पोरेट्स देते हैं तब वे इसे अपने प्रोफिट से देते हैं लेकिन हमें इसे अपनी बचत से निकालना है, जो कि एक कठिन काम है लेकिन रोटेरियन इस चुनौती को लेने के लिए तत्पर हैं। - उन्होंने कहा। भारत में 38 रो ई जिलों में से प्रत्येक एक साल में 1,500 प्रोजेक्ट करता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और सरकार की देश में कोविड-19 के फैलने को रोकने के लिए उठाए गए उत्कृष्ट कदमों की प्रशंसा की, जो कि 135 करोड़ लोगों का देश है। उन्होंने रोटरी की यूनिसेफ, यूस सीडीसी, वलर्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन एवं गेट्स फाउंडेशन की भागीदारी में रोटरी द्वारा पोलियो उन्मूलन (पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान को छोड़कर) के प्रयासों को याद किया।

रो ई मंडल के भारत पंड्या और कमल संघवी, रो ई मंडल के ए. एस. वेंकटेश और रवि वडलामणि एवं ट्रस्टी गुलाम वाहनवती ने संबोधित किया। ■

विभिन्न पहलों में रोटरी भारत की भारत सरकार के साथ भागीदारी

किरण ज़ेहरा

इस महामारी के दौरान, जिसने दुनिया में एक ठहराव ला दिया है, रोटेरियन अच्छे काम करने और कोविड -19 से लड़ने में सरकार की मदद करने के लिए अवसरों की तलाश कर रहे है। इन शब्दों के साथ रो ई निदेशक भरत पांड्या ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग एवं शिपिंग मंत्री नितिन गडकरी के साथ एक वेबिनार की शुरुआत की। वरिष्ठ रोटरी नेताओं ने भारत सरकार के साथ भविष्य की साझेदारियों पर चर्चा की।

भारत सरकार को कोविड -19 संकट से निपटने में उल्लेखनीय नेतृत्व दिखाने के लिए बधाई देते हुए RIPN शेखर मेहता ने कहा, हम गर्व से कह सकते है कि हम इस देश में रहते है जो कोविड -19 महामारी के खिलाफ सबसे सुरक्षित है। रोटेरियनों द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने पीएम केयर्स फंड में ₹105 करोड़ का योगदान दिया है। कॉर्पोरेट अपने सीएसआर निधि से योगदान करते है, लेकिन यह पैसा जो हमने दान किया है, वह हमारे रोटेरियनों ने अपनी बचत में से दिया है। जमीनी स्तर पर हमारे रोटेरियनों ने भोजन के पैकेट, सैनिटाइज़र, पीपीई किटों और चिकित्सा उपकरणों पर ₹90 करोड़ खर्च किए है।

उन्होंने यह भी बताया कि ये आंकड़े एक सप्ताह पुराने है और रोटेरियनों द्वारा खर्च की गई राशि ₹200 करोड़ को पार कर गई है। हमने अपने कई रोटरी अस्पतालों को कोविड अस्पतालों में बदल दिया है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे है।

मानसिक स्वास्थ्य पर जोर देते हुए, मंत्री ने कहा, समस्या गंभीर है,

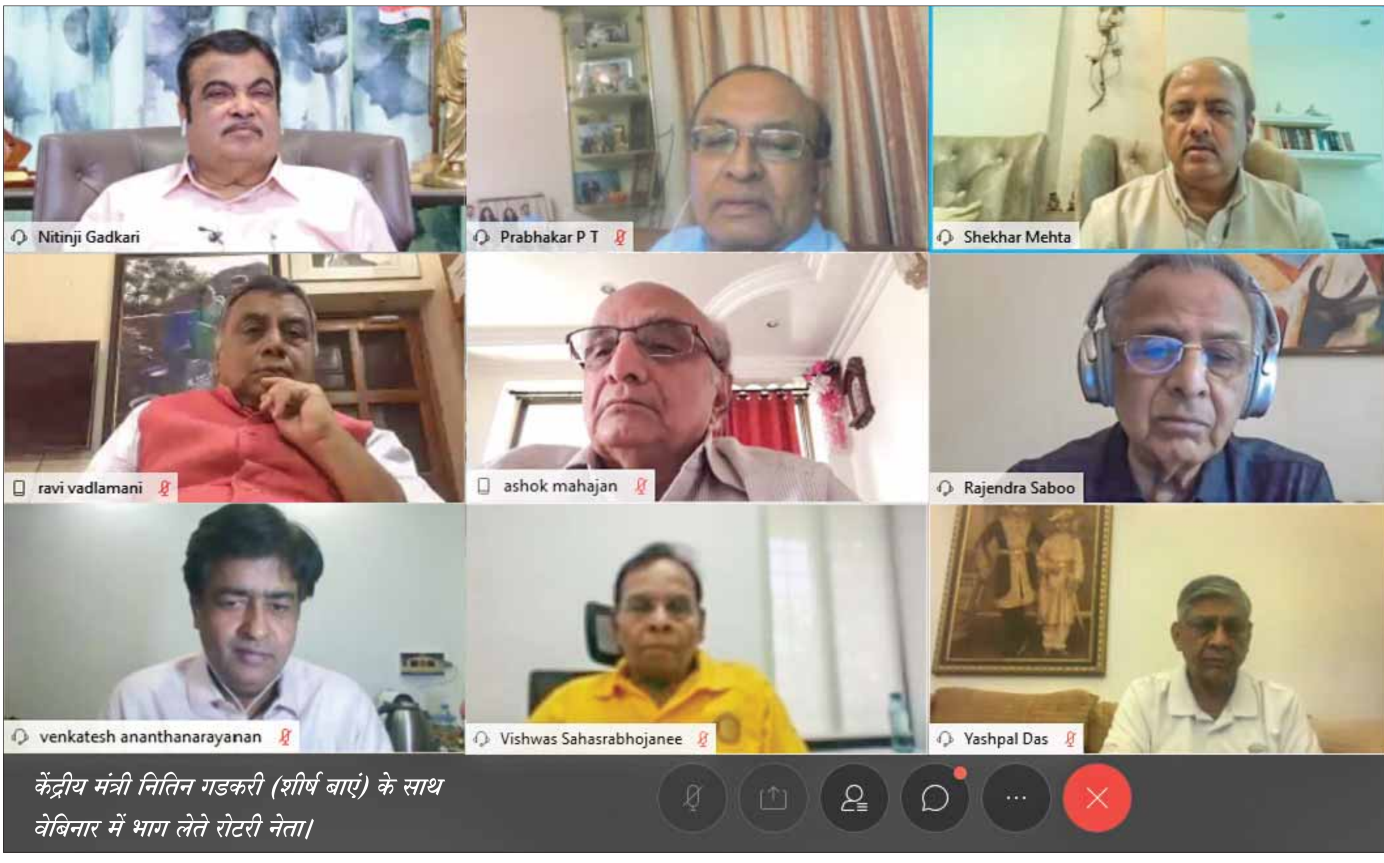

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी (शीर्ष बाएं) के साथ वेबिनार में भाग लेते रोटरी नेता।

लोगों के मन में डर है। यह जानकर अच्छा लगा कि आप सकारात्मकता फैलाने की दिशा में काम कर रहे है। मैं चाहता हूँ कि रोटेरियन अधिक लोगों से बात करके उनका आत्मविश्वास बढाएं और उन्हें विश्वास दिलाएं कि सबकुछ जल्द ही ठीक हो जाएगा। एक कम गंभीर बात करते हुए, उन्होंने कहा, हम सभी को कोरोना के साथ जीने की कला सीखनी होगी। मैं रोटेरियनों से अनुरोध करता हूँ कि वे स्वयं को इस वायरस से बचाने के बारे में जागरूकता फैलाएं।

उन्होंने ऐसे कई कार्यक्रमों के बारे में बात की जिन्हें भारत सरकार भविष्य में लागू करने की योजना बना रही है। हम पूरे भारत में पेयजल संकट को हल करने की दिशा में काम कर रहे है। हमें ख़ुशी होगी अगर रोटरी पानी बचाने के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद कर सके। एक शुरुआत के लिए, हम हाथों से खींचे जाने वाले रिक्शे को इलेक्ट्रॉनिक रिक्शे से बदलकर कोलकाता के रिक्शा चालकों की मदद करने के लिए साझेदारी कर सकते है। यह श्रम का सबसे खराब रूप है, और इसे रोका जाना चाहिए, गडकरी ने कहा।

राशी और RIPN शेखर मेहता।

उन्होंने रोटरी भारत से अनुरोध किया कि वह कश्मीर में बारामूला खादी उद्योग में काम करने वाली 2,000 महिलाओं की मदद करें। प्रत्येक महिला प्रति दिन पुरुषों के 80 रूमाल बनाती है और 5 प्रति रूमाल कमाती है। यदि आप उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ कर सकते है, तो यह बहुत अच्छा होगा। मेहता ने तुरंत कहा, हम 5 लाख रूमाल का आर्डर देंगे, जिस पर रोटरी का लोगो कढ़ाई किया हुआ होगा। मंत्री ने प्रस्ताव स्वीकार किया और कहा, रोटरी ने भारत में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा और साक्षरता के क्षेत्रों में बहुत कुछ किया है। भारत सरकार इसके साथ साझेदारी करके गौरवान्वित है। गडकरी ने यह भी उल्लेख किया कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर पेड़ लगाने की योजना बना रही है। इससे पहले कि वह अपनी बात खत्म कर पाते, मेहता ने बीच में टोकते हुए पूछा, इसकी शुरुआत के लिए हम किससे संपर्क कर सकते है। हमने करोड़ों पेड़ लगाए है।

RIDN ए एस वेंकटेश ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार के साथ रोटरी की बातचीत भारत में रोटरी नेतृत्व के लिए एक मूल्यवान निवेश है, और कहा कि इस प्रकार की बैठकें सरकार के ध्यानकेन्द्रों को समझने में हमारी मदद करती है ताकि हम उसके कार्यक्रमों के लिए अपना योगदान दे सकें। भारत में रोटरी के पास 1.6 लाख शिक्षित, निपुण और प्रतिबद्ध पैदल सैनिक है जिनके साथ सरकार इस तरह के संकटों के समय जुड़ सकती है। PRID पी टी प्रभाकर ने 12 पैनल सदस्यों को पेश किया और देखा कि सभी 38 डीजी, डीजीई और डीजीएन आज इस बैठक के लिए उपस्थित हो।

RID कमल संघवी ने एक प्रश्नोत्तर सत्र को संचालित करते हुए, मंत्री से पूछा, चड्चएि के लिए सरकार की दीर्घकालिक और अल्पकालिक योजनाएँ क्या है क्योंकि हमारे कई रोटेरियन जो ऐसे उद्यमों के मालिक है जानना चाहेंगे। गडकरी ने कहा, MSME हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और आगे कहा कि 45 दिनों के भीतर, भारत सरकार MSMEs द्वारा उनके लंबित भुगतान प्राप्त करने के लिए एक आदेश जारी करेगी। इसके अलावा, निर्यात को 60 फीसदी से बढ़ाने और पांच करोड़ नए रोजगार सृजित करने की योजना है। उन्होंने MSMEs के इस संकट को एक आशीर्वाद के रूप में देखने के लिए कहा। हर देश नए देशों के साथ व्यावसायिक रूप से साझेदारी करना चाहता है। हमारे MSMEs की मदद के साथ भारत वह साझेदार हो सकता है जिसकी दुनिया को तलाश है, उन्होंने कहा।

इस आकर्षक वेबिनार में 2,000 के करीब लोग थे और 25,000 से अधिक लोग इसे फेसबुक पर लाइव देख रहे थे। RIDN रवि वाडलामानी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। ■

जामनगर के रोटरी क्लब सेन्योरस

तालाबंदी के दौरान नशामुक्ति अभियानचला रहे है

रशीदा भगत

रोटरी मंडल 3060 में जामनगर का रोटरी क्लब ऑफ सेन्योरस, जैसा कि नाम से ही प्रतीत होता है पूर्ण महिला क्लब ने कोरोना महामारी के दौरान अपने मनपसंद प्रोजेक्ट - हानिकारक गुटका और अन्य तंबाकू उत्पादों से नशामुक्ति पर काम करने के लिए लॉकडाउन का भरपूर उपयोग किया।

इस क्लब की चार्टर अध्यक्ष डॉ कल्पना खंडेरिया ने कहा कि युवाओं की काउंसलिंग कर, समाज को हानिकारक उत्पादों की लत से छुटकारा दिलाना हमारे क्लब की रोटरी यात्रा के पहले दिन से हमारी प्राथमिकता रही है। क्लब के सदस्यों ने महसूस किया कि इस लॉकडाउन में नशामुक्ति पर काम जारी रखने का समय सबसे अच्छा था, क्योंकि खतरनाक नशीले पदार्थों के व्यसनी लोग घर पर ही मिलने वाले थे, दोस्तों और समारोहों से दूर जहां नशे की लत आसानी से पड़ जाती है।

उन्होंने महसूस किया कि नशीले पदार्थों से दूर रहने की वजह से युवाओं और व्यसन में पड़े अन्य लोगों को समझाना आसान होगा क्योंकि एक तो वो परिवार के सदस्यों के बीच में रह रहे हैं जो उन्हें बुरी आदत छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और सहयोग करेंगे। और लॉकडाउन के दौरान, गुटका व अन्य तंबाकू उत्पाद आसानी से उपलब्ध भी नहीं थे।

इसलिए क्लब ने गुटका के विकल्प के रूप में एक हानिरहित और स्वादिष्ट मैजिक मिक्स मुख्वास बांटना शुरू कर दिया, जिसमें दालचीनी, जीरा, अजवाईन, सौफ, चावल का आटा और लौंग शामिल हैं।

इस जादुई मुखवास की कहानी दो साल पुरानी है। डॉ कल्पना याद करती हैं कि उनकी नज़र एक सोशल मीडिया पोस्ट पर पडी, जिसमें उन्होंने उन्होंने मुंबई की बेस्ट बसों से जुड़े एक डॉक्टर के बारे में पढ़ा था जिसमें लिखा था कि उन्होंने गुटका और अन्य तंबाकू उत्पादों के व्यसनी, बेस्ट के 300 कंडक्टरों और ड्राइवरों के बीच ये पैकेट वितरित किये थे । मैंने उनका नंबर ढून्ढ निकाला, बात की और इस मुखवास की विधि जानी।

पेशे से डॉ कल्पना स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और जामनगर कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट की अध्यक्ष भी हैं और इसलिए कैंसर की रोकथाम में

लौंग, दालचीनी, सौंफ, चावल, कैरम और जीरा - मैजिक मखवे तैयार करने की सामग्री।

डॉ कल्पना के क्लिनिक में एक युवा परामर्श केंद्र का उद्घाटन किया गया।

क्लब की अध्यक्ष निशा अय्यर का कहना है कि पिछले छह वर्षों में, हमने जामनगर और देवभूमि द्वारका जिलों के 436 स्कूलों और कॉलेजों में 55,997 छात्रों की काउंसलिंग की है और इन जिलों के सभी औद्योगिक क्षेत्रों के 5,000 से अधिक श्रमिकों को नशामुक्ति दवाएं प्रदान की हैं। क्लब ने सभी धर्मगुरुओं के साथ मिल कर एक नशामुक्ति अभियान चलाया था। अहमदाबाद के कनोड़ीया अस्पताल के साथ साझेदारी में, जहां नशा मुक्ति के लिए मरीजों को भर्ती करने की सुविधा है, क्लब ने चेस्ट फिजिशियन डॉ डबवाला के द्वारा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था

उनकी गहरी दिलचस्पी भी है। हमारे डीजीई प्रशांत जानी ने आगामी वर्ष के लिए मुझे मंडल अध्यक्ष - मैमोग्राफी और ओरल कैंसर की जिम्मेदारी दी है, उन्होंने कहा।

मुंबई के डॉक्टर से इस मैजिक मिक्स का नुस्खा लेने के बाद, उन्होंने अपने पारिवारिक ट्रस्ट (श्री बटुकभाई खन्धेरिया चैरिटेबल ट्रस्ट) के माध्यम से एनजीओ और कैंसर की रोकथाम और तंबाकू व अन्य नशीले पदार्थ के क्षेत्र में काम करने वाले अन्य संगठनों के माध्यम से इस मुखवास के 5,000 पैकेट वितरित किये।

2014 में अपनी रोटरी यात्रा के पहले दिन से, सेन्योरस क्लब ने व्यसन मुक्ति और युवा परामर्श को अपना हस्ताक्षर प्रोजेक्ट बनाया था। क्लब स्थापना के पहले दिन

रोटरी क्लब सेनोरस की अध्यक्ष निशा अय्यर (बीच में) मैजिक की डब्बी बाँटती हुयी।

(दाएं से) निशा असवार और मिनाक्सी शाह देती हैं की उपस्थिति में पूर्व अध्यक्ष हिना मेहता में एक व्यक्ति को मुखवास के सैशे देती है।

की, और एनजीओ को मुखवास के पैकेट दिए।

डॉ कल्पना का कहना है कि उनके क्लब की यह हस्ताक्षर परियोजना निरंतर चल रही है और सेन्योरस क्लब इस परियोजना को अन्य रोटरी क्लबों में भी दोहराने की उत्सुक हैं। मिक्स के प्रत्येक पाउच की कीमत मुश्किल से ₹15-20 है, इसे घर पर बनाना आसान है और इसे बनाने की विधि इसी पर छपी हुई है ताकि खरीदने वाले इसे घर पर बना सके। हमने लॉकडाउन के दौरान सोचा कि इस काम को आगे बढ़ाने का ये समय उचित है और हमने मैजिक मिक्स बांटना शुरू कर दिया। जो लोग नशे से मुक्ति चाहते हैं मेरे अस्पताल आ कर वे दो डिब्बी ले जाते हैं फिर वे इसे घर पर बना सकते हैं।

डीजी अनीश शाह की सलाह पर, उन्होंने लिखित में अन्य क्लबों से इस परियोजना को दोहराने का अनुरोध किया है, ये परियोजना न केवल समाज के स्वास्थ्य, कैंसर और अन्य बीमारियों की रोकथाम के लिए बेहतर है बल्कि ये गतिविधि रोटरी की छवि में भी वृद्धि करेगी। इसे आसानी से दोहराया जा सकता है और ये सस्ती भी है - सिर्फ ₹1,500-2,000 में 100 पाउच बनाये जा सकते हैं, वह कहती हैं।

इच्छुक क्लब इन्हें या तो नशा छोड़ने की मंशा रखने वाले व्यक्तियों में बाँट सकते है या मेडिकल स्टोर पर कुछ पाउच रख सकते हैं, जिनमें से कुछ मुफ्त में वितरित किए जा सकते हैं, जिसके बाद इच्छुक व्यक्ति इसे घर पर बनाना शुरू कर दें, क्योंकि आवश्यकता से अधिक मदद करने के नाम पर उनकी पेशानी पर सलवटें आ जाती हैं!

वह कहती हैं, सिर्फ ₹2,000 से भी कम राशि में इस मिश्रण को हम कई लोगों तक पहुंचा सकते हैं।

100 पाउच तैयार करने के लिए, दालचीनी, जीरा, अजवाईन, सौंफ और चावल का आटा- प्रत्येक 250 ग्राम और 50 लौंग की जरूरत है और उन्हें ग्राइंडर में मथ कर इसका चूर्ण बना लें। ■

जो लोग नशे से मुक्ति चाहते हैं मेरे अस्पताल आ कर वे दो डिब्बी ले जाते हैं फिर वे इसे घर पर बना सकते हैं।

डॉ कल्पना खंडेरिया

श्री श्री रवि शंकर

रोटरी और द आर्ट ऑफ लिविंग विश्व शांति के लिए साथ मिलकर काम करेंगे

किरण जेहरा

री-इंवेंटिंग, सर्विस एंड पीस फॉर यूनिवर्सल वननेस पोस्ट-पेनेडेमिक वेबिनार (इंटरनेट पर सेमिनार) में आरआईपीएन शेखर मेहता और आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रवि शंकर के बीच वार्ता में चर्चा का मुख्य विषय शांति था। मेहता ने सुझाव दिया कि उनका द आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन विश्व शांति के काम के लिए रोटरी के साथ मिलकर काम कर सकता है और उन्होंने फाउंडेशन के कामों की सराहना की, भारत में कश्मीर से लेकर कोलंबिया, इराक और सीरिया तक, आपके प्रोग्राम ने उन लोगों पर प्रभाव डाला है जो लोग पहले सशस्त्र संघर्ष में शामिल थे और अब शांति के रास्ते पर चल रहे हैं।

रोटरी के पीस फैलोशिप प्रोग्राम के बारे में श्री श्री को जानकारी देते हुए, उन्होंने सुझाव दिया कि फाउंडेशन और रोटरी का पीस प्रोग्राम (शांति कार्यक्रम), जिसने पहले से ही 1400 शांतिदूत योद्धओं को पैदा कर दिया है, उन्हें साथ मिलकर काम करना चाहिए।

हम निश्चित रूप से संसार को और अधिक शांतिपूर्ण एवं खुशहाल बनाने के लिए एक साथ मिलकर काम करेंगे,श्री श्री ने जवाब दिया ... हम आपके यूथ विंग-रोटारेक्ट के साथ मिलकर काम करेंगे- उन्होंने अपनी इच्छा व्यक्त की। युवाओं को प्रेरित करने की उनकी क्षमता पर उनकी सराहना करते हुए श्री मेहता ने कहा कि हालांकि वह उनसे कभी भी व्यक्तिगत रूप से नहीं मिले थे, मैं आश्चर्यचकित हूँ और बहुत गहरे रूप से आप से प्रभावित हूँ कि किस तरह से आपने युवाओं को शांति का अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।रोटरी और फॉउंडेशन पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम दोनों के संगठन जो काम कर रहें हैं उसमें मैं एक तालमेल देखता हूँ। दोनों ही संगठन अखंडता, शांति, मंगल-कामना एवं सेवा को बढ़ावा देते हैं। गांवों में बस-स्टॉप बनाने से लेकर पूरे संसार के लोगों को एकजुट करने तक, आप विश्व समुदाय के एक आदर्श हैं।

श्री श्री ने सर्विस शब्द के बारे में बताया कि यह सर्विस शब्द संस्कृत भाषा के "सेवा" शब्द से आया है।फ्फ़ मैं अपने युवाकाल से ही रोटरी से परिचित रहा हूँ और आपने संसार की अच्छी सेवा की है। श्री मेहता ने श्रीश्री को लॉकडाउन के दौरान के मानसिक स्वास्थ्य के किए गए कामों के बारे में बताया। आध्यात्मिक लीडर ने इन प्रयासों को सराहा और कहा कि जिस स्थिति का सामना हम अभी कर रहे हैं, उसकी तुलना में मानसिक स्वास्थ्य के मामले उससे ज्यादा गंभीर होने जा रहे हैं। लॉकडाउन में, लोग या तो अवसाद में जा रहे हैं या आक्रमक हो रहे हैं। एक तरह तो गुस्सा है और दूसरी तरह डर व्यापत है ...एक स्वस्थ्य चित्त समाज को बनाने के लिए हम सबको एक साथ मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि आज विश्व स्तर पर आठ लाख लोग आत्महत्या कर रहे हैं। सारा

एक तरह तो गुस्सा है और दूसरी तरह डर व्यापत है ...एक स्वस्थ्य चित्त समाज को बनाने के लिए हम सबको एक साथ मिलकर काम करना होगा।

संसार इसके समाधान के लिए पूरब की ओर देख रहा है। उन्होंने योग, मेडिटेशन प्रोग्राम एवं मानसिक स्वास्थ्य गतिविधियों को कराने का सुझाव दिया उन्होंने बताया कि बीमारी से ज्यादा हमें इसके डर से निपटने की आवश्यकता होगी और उन्होंने सुझाव दिया कि लॉकडाउन के दौरान स्वस्थ्य मन एवं मुक्त आत्म-भावफ को प्राप्त करने के लिए सभी को साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मेहता ने उन्हें बताया कि रोटरी फाउंडेशन ने कोविड-19 की राहत गतिविधियों के लिए प्रत्येक को 25,000 डॉलर की ग्लोबल ग्रांट दी है। भारत में रोटेरियनों ने पीएम केयर फंड में 50 मिलियन डॉलर दिए हैं और उन्होंने अपने समुदायों को संकट से निपटने में मदद प्रदान करने के लिए उतनी ही राशि खर्च की है। ■

कमलाम्मा
की असाधारण उदारता

रशीदा भगत

जब कोविड -19 महामारी ने एक नई चुनौती पेश की, तब रोटरी क्लब ऑफ हेरिटेज मैसूरु, रो ई मंडल 3181, ने उनके शहर में फंसे हुए भूखे और असहाय प्रवासी श्रमिकों, दैनिक मजदूरों, फेरीवालों, भिखारियों, और अन्य सुविधाओं से वंचित लोगों को भोजन उपलब्ध कराने का काम शुरू किया।

20 मार्च से, क्लब के सदस्यों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में एक दिन में 500 पैकेट पका हुआ भोजन देना शुरू किया। मफ्लेकिन दया के भाव के रूप में जो शुरू हुआ वह दोस्तों, रिश्तेदारों, नौजवानों, छात्रों और निरपेक्ष अजनबियों से मिले दान के रूप में एक आन्दोलन बन गया, क्लब के सदस्य डी. एम. राघवेंद्र कहते है।

जल्द ही रोटेरियनों ने अपने दैनिक कार्य में वृद्धि करते हुए एक दिन में भोजन के 2,400 पैकेट वितरित करना शुरू कर दिया और 40 दिनों में, 17 मई तक, उन्होंने शहर में लगभग 62,000 भोजन के पैकेट वितरित किए। कुल लागत ₹18.35 लाख है। जैसे-जैसे क्लब के सदस्य, उनकी पत्नियां, ऐन, एनेट, रिश्तेदार और दोस्त और छात्र इस कार्य में शामिल हुए, वे शहर भर में कई और भूखे लोगों तक पहुंचने में सक्षम हो पाए।

जल्द ही अन्नदानम नामक परियोजना को उच्च दृश्यता मिली और सांसद, विधायक, शीर्ष पुलिस और निगम अधिकारियों जैसे तखझयों ने रसोई घर का दौरा किया और स्वच्छता और स्वास्थ्य, सामाजिक दूरी, सिर की टोपी, हाथ के दस्ताने, फेस मास्क, आदि पहनने जैसी सावधानियां बरते जाने की सराहना की। सभी ने भोजन चखा और इसकी गुणवत्ता और पौष्टिक मूल्य को प्रमाणित किया, उन्होंने आगे कहा।

हमारे क्लब के सदस्य खुद ही एल्यूमीनियम के बर्तन में गरमागर्म खाना पैक कर रहे थे और उन्हें मशीन से सील कर रहे थे। और लाभार्थियों को भोजन वितरित किए गए, क्लब के अध्यक्ष तलाकड़ मंजुनाथ कहते है।

एक दिन, जब सदस्य पका हुआ भोजन पैक करने में व्यस्त थे, एक गरीब दिखाई देने वाली, 70 वर्षीय महिला परिसर के अंदर आई। हमें लगा कि उन्हें एक पैकेट चाहिए था, और हमने उनकी ओर एक पैकेट बढ़ाया। लेकिन उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया, और देखने की थोड़ी हिम्मत जुटाकर, अपनी साड़ी के पल्लू में से कोई छिपी हुई चीज बाहर निकाली, और कहा: मैं तुम सब को अपने क्षेत्र में पिछले 30 दिनों से भी अधिक समय से भोजन की आपूर्ति करते हुए देख रही हूँ। और मुझे लगा कि मुझे भी कुछ योगदान

देना चाहिए। इसलिए यह ₹500 लें जो मैं अपनी 600 की मासिक पेंशन से लाई हूँ।

मैं जानती हूँ यह बहुत छोटी राशी है, लेकिन कृपया इसे स्वीकार करें, उन्होंने कहा, राघवेन्द्र याद करते है।

आश्चर्यचकित रोटेरियनों ने उन्हें धन्यवाद दिया और उन्हें उस पैसे को रखने के लिए मनाने की कोशिश की जिसकी उन्हें इस मुश्किल समय के दौरान जरूरत पड़ेगी। लेकिन उनसे बहुत अनुरोध करने के बावजूद, उन्होंने जोर देकर कहा कि हम इसे स्वीकार करें, जिसे हमने कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया।

जब उन्होंने फेसबुक पोस्ट में इस मार्मिक घटना को इस टिप्पणी के साथ पोस्ट किया कि क्लब के सदस्यों को उनका यह भाव टाटा, अम्बानी, अजीम प्रेमजी, नारायणमूर्ति और अन्य अरबपतियों से भी बड़ा लग रहा था, तो यह पोस्ट वायरल हो गई। और अब कमलाम्मा स्थानीय टेलीविजन चैनलों और प्रिंट मीडिया में एक प्रसिद्द हस्ती बन गई है, जिसमें व्यापक रूप से उनकी उदार भावना दिखाई देती है।

ऊपर: चार्टर अध्यक्ष के मंजुनाथ की उपस्थिति में क्लब अध्यक्ष तलकड़ मंजुनाथ, कमलाम्मा को धन्यवाद देते हैं।

फेसिंग पेज: कमलाम्मा अपने घर पर रोटरियनों का स्वागत करती हैं।

नीचे: क्लब सदस्य डी एम राघवेंद्र वितरण के लिए भोजन की पैकिंग करते है।

उनकी पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी देते हुए, क्लब के अध्यक्ष मंजूनाथ आगे कहते है कि हर महीने कमलाम्मा को सरकार से विधवा पेंशन के रूप में 600 मिलते है। उनके तीन बेटे है, लेकिन वह अकेली रहती है क्योंकि उन्होंने हमें बताया कि वह किसी पर बोझ नहीं बनना चाहती। वास्तव में उनका यह भाव प्रदर्शन हमें छू गया।

उन्होंने एक स्थानीय उद्योगपति राजन्ना को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने रोटेरियनों को भोजन तैयार करने और पैक करने के लिए अपना सम्मेलन हॉल, रसोई, स्टोव और बर्तन मुफ्त में दिए। यहां पर उन रसोइयों, जिन्होंने अपनी सामान्य तौर पर ली जाने वाली राशी के बदले इस पहल के लिए 40 दिनों तक हमारा साथ दिया, और साथ ही उन परिवाहकों, जिला प्रशासन, नगर निगम और स्थानीय नगरसेवकों का उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है, जिन्होंने मैसूरू के अलग-अलग हिस्सों में पका हुआ भोजन वितरित करने में हमारी मदद की।

मंजूनाथ आगे कहते है कि क्लब ने श्रमिक रेलगाड़ियों से यात्रा करने वाले 6,000 से अधिक प्रवासी कामगारों को नाश्ता और पानी देकर उनकी मदद की।

इसने स्नेहा चैरिटेबल ट्रस्ट और प्रशामक देखभाल केंद्र द्वारा ₹2 लाख की अतिरिक्त लागत से बेसहारा लोगों के लिए चलाए जाने वाले डे केयर केंद्र का भी समर्थन किया।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

महामारी के दौरान रोटरी क्लब बॉम्बे की जबर्दस्त सेवा

रशीदा भगत

भारत का एक विशिष्ट रोटरी क्लब, जिसके सदस्य कभी जेआरडी टाटा थे, रोटरी क्लब बॉम्बे, रोई मंडल 3141, महाराष्ट्र सरकार, विशेषकर संकट से भरे मुंबई शहर, जो कोविड -19 के क्रूर प्रभाव के तहत कराह रहा है, की कोरोना महामारी से निपटने में मदद करने के लिए एक्शन में आने वाले भारत के पहले क्लबों में से एक था।

इसके सदस्य वेंटिलेटर, पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट), मास्क, सैनिटाइजर, प्रिवेंटिव मेडिसिन जैसे महत्वपूर्ण देखभाल उपकरण देने से जुड़ी कम से कम 19 अलग-अलग गतिविधियों को शुरू करने और इन सबसे ऊपर प्रवासी श्रमिकों, दैनिक मजदूरों और मुंबई के अन्य वंचित वर्गों को भोजन प्रदान करने के लिए एक साथ आए।

प्रवासी श्रमिकों के लिए जूते।

दो महीनों में, इसने अपने स्वयं के धन को जमा करके और अपनी सीएसआर गतिविधियों के तहत कॉर्पोरेटों से योगदान प्राप्त करके ₹4.5 करोड़ से अधिक की कोविड-संबंधित राहत प्रदान की। क्लब के सदस्य और टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी ने कहा कि फंडिंग का एक हिस्सा - ₹90 लाख की एक बड़ी राशी - वैश्विक आईटी प्रमुख ATOS से आया था। मानव संसाधन के प्रमुख, उपाध्यक्ष, नासिर शैख़ के अनुसार, हमें सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर और पीपीई किटें प्रदान करने के लिए रोटरी क्लब बॉम्बे के साथ मिलने में ख़ुशी हुई क्योंकि कोविड -19 ने दुनिया भर में अभूतपूर्व स्वास्थ्य खतरे पैदा कर दिए है। हमारे पास पहले से ही केरल में रोटरी के साथ काम करने का एक सकारात्मक अनुभव था, जहाँ पिछले साल हमने 2018 की बाढ़ से विस्थापित परिवारों के 28 घरों को फिर से बनाने और उन्हें सौंपने में मदद की थी।

रोटरी क्लब बॉम्बे ने ट्विटर पर त्वरित अनुक्रम में अपनी गतिविधियों को ट्वीट किया। मई के पहले सप्ताह तक क्लब की ओर से दी गई एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, हम हमारी देखरेख में संचालित रसोई से बेघर, प्रवासी कामगारों और दैनिक वेतन भोगियों को हर दिन 30,000 पैकेट भोजन दे रहे हैं।

इसके अलावा, इसने मालेगांव के कर्फ्यू वाले खंड (मुंबई से लगभग चार घंटे की दूरी) पर उपमा और पोहा के त्वरित रूप से तैयार होने वाले खाने के पैकेट के 40,000 पैकेटों की आपूर्ति की। इसके अलावा, हम 17 मई तक हर दिन मुफ्त में पके हुए और पैक किए हुए भोजन के 1,000 पैकेट वितरित कर रहे हैं।

क्लब ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों को 52 वेंटिलेटर भी प्रदान किए है। मई के मध्य तक इसने मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु के विभिन्न अस्पतालों को 11,250 पीपीई दिए; 1,150 N95 श्वसन मास्क, और मुंबई के विभिन्न अस्पतालों में संपर्क रहित डिजिटल थर्मामीटर और ऑक्सीमीटर पल्स मशीनों की अच्छी आपूर्ति की; मुंबई की झुग्गी बस्तियों में सामुदायिक शौचालयों का रखरखाव करने वाले स्वच्छता कार्यकर्ताओं को 1,200 फेस शील्ड; और विभिन्न एजेंसियों को 5,000 स्वच्छता हैंडवाश की बोतलें दी।

मानसिक स्वास्थ्य परामर्श

अधिक भार झेल रही मुंबई पुलिस की मदद करने के लिए, क्लब ने विभिन्न पुलिस स्टेशनों पर कॉफी/चाय वेंडिंग मशीनें लगाई। हमने 600 से अधिक प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और परामर्शदाताओं के साथ एक टोल-फ्री परामर्श हेल्पलाइन (अखिल भारतीय)

स्थापित की ताकि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर व्यथित, परेशान या अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंतित कॉल करने वालों की मदद की जा सकें। इसके अलावा, हेल्पलाइन उन लोगों की मदद करने का भी प्रयास करती है, जिन्हें भारत में कहीं भी सूखे राशन की जरूरत होती है, एक क्लब सदस्य ने कहा।

अस्पताल कर्मियों को स्नैक्स बांटे गए।

रोटरी क्लब कलकत्ता के बाद भारत के दूसरे सबसे पुराने इस क्लब के टाटा मेमोरियल अस्पताल के साथ एक स्थायी संबंध है, और कोरोना संक्रमित रोगियों के इलाज में मदद करने के लिए, इसने अस्पताल को ₹20 लाख से अधिक की लागत वाली 2,500 कोविड -19 परीक्षण किटों की आपूर्ति की।

रोटरी की एक और शाखा के साथ साझेदारी में, इसने घएच् और कूपर अस्पतालों के कर्मचारियों को पौष्टिक नाशते के 2,000 पैकेट वितरित किए।

क्लब ने ठाणे के सिविल अस्पताल में वेंटिलेटर का दान दिया।

लेकिन क्लब की एक कहानी जो वास्तव में दिल को छू गई, वह प्रवासी श्रमिकों से संबंधित एक अनुरोध की थी, जिसकी दयनीय दुर्दशा ने हमें झकझोर कर रख दिया। क्लब के एक सदस्य को गुड़गांव से कुछ दोस्तों का फोन आया, जो दिल से प्रवासी कामगारों की मदद करना और उन्हें चप्पलें देना चाहते थे।

क्या हम कुछ कर सकते है, उन्होंने पूछा? उन्होंने कहा कि उन्होंने फटे और नंगे पैरों के चित्र देखे और वे इन श्रमिकों को चप्पल प्रदान करना चाहते है जो अपने घरों के लिए इतनी लंबी दूरी तय कर रहे थे। मुम्बई में लॉकडाउन होने के कारण चप्पलों का इंतजाम करना लगभग असंभव था, इसलिए उन्होंने कहा कि वे कोशिश करेंगे, उन्होंने कहा।

एक घंटे में गुड़गांव के दोस्तों ने बताया कि वे 100 जोड़ी चप्पलों का इंतजाम करने में सफल हुए, लेकिन वे केवल दिल्ली के पास नोएडा में उपलब्ध थी। क्या रोटरी क्लब बॉम्बे के सदस्य गुड़गांव में प्रवासी श्रमिकों तक यह पहुंचाने में मदद कर पाएंगे, यह अनुरोध था।

हमने रोटरी क्लब बॉम्बे में बैठकर तुरंत कुछ फोन कॉल किए और 20 मिनट के भीतर इंडिया फ्यूचर फाउंडेशन, दिल्ली के कनिष्क गौर ने ना सिर्फ नोएडा से 100 जोड़ी चप्पल लेने के लिए बल्कि उन्हें प्रवासी श्रमिकों को वितरित करने में भी सहमति व्यक्त की!

यह एक छोटा सा उदाहरण है, जो मानवता की सेवा के लिए रोटरी की दुनिया के किसी भी कोने तक पहुंचने की शक्ति और जुड़ाव को दिखाता है, क्लब द्वारा किए गए एक ट्वीट के अनुसार।

क्लब फंड जुटाने में लगा हुआ है और वह कोविड से संबंधित गतिविधियों को वित्त पोषित और क्रियान्वित करता रहेगा, जिसमें 31 मई तक एक दिन में पके हुए भोजन के 30,000 पैकेटों का वितरण शामिल है। यह परोपकारी लोगों से दान मिलने की आशा करता है और जो लोग मदद करना चाहते हैं, वे contact@rotaryclubofbombay.org पर क्लब के साथ संपर्क कर सकते है। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटाप्लास्ट कैंप 148 स्किन ग्राफ्ट सर्जरी पूर्ण करता है

वी मुत्तुकुमारण

पैंतीस साल की बबीता को पहले 20 साल तक दर्द और मनोवैज्ञानिक तनाव को सहन करना पड़ा था, उसका आगरा के पास फिरोजाबाद के यूनिटी अस्पताल में एक 10 दिवसीय रोटाप्लास्ट मेडिकल कैंप में इमेज मेकओवर किया गया।धड़ सहित उसके ऊपरी अंग बुरी तरह से जल गए थे, उसके हाथ पंगु हो गए थे और वह गर्दन में कड़ापन आने की वजह से अपना चेहरा नहीं हिला सकती थी। हमें उसके फीगर बदलने एवं वर्तमान क्षमता में लाने के लिए आठ घंटे तक उसकी बड़ी स्किन ग्राफ्ट सर्जरी करनी पड़ी।रोटरी आगरा ताजमहल, रो ई मंडल 3110 के चेयर राहुल वाधवा ने बताया। बबिता अब अपनी सर्जरी के बाद अपने अंगों को हिला सकती है और स्वयं की देखभाल करने में समर्थ है, लेकिन फिर भी चेहरे के दागों को ठीक होने में कुछ समय लगेगा। उसके दोनों भाई खुश थे कि वह लंबे समय तक पीड़ा और कष्ट सहन करने के बाद अब वह पहली बार मुस्कुरा सकती थी।

वाधवा ने बताया कि संयुक्त आयोजकों, रोटरी क्लब आगरा ताजमहल, फिरोजाबाद, आगरा नार्थ और शिकोहाबाद के रोटेरियनों के लिए यह कैंप सबसे अधिक सफल रहा क्योंकि अमेरिका के सर्जिकल एवं स्वयंसेवक टीम के 25 सदस्यों ने 148 क्लेफ्ट लिप, पलेट सर्जरी की और 82 रोगियों की बर्न सर्जरी प्रक्रिया की गई जिसमें 185 रोगियों का इलाज ओपीडी में किया गया। क्लब का रोटाप्लास्ट कैंप के आयोजन करने का यह तीसरा साल है। मरीजों को यूनिटी अस्पताल में रखा गया और उनके अस्पताल में रहने के दौरान उन्हें भोजन एवं नाश्ता दिया गया। उत्तर प्रदेश के दूर-दराज के जिलों से आए मरीजों से कोई भी पैसा नहीं लिया गया, सोशल मीडिया, होर्डिंग्स और बैनर के द्वारा मेडिकल कैंप से छह महीने पहले से ही हमारे विशाल प्रचार अभियान को शहर

रोटापलास्ट टीम के साथ प्रोजेक्ट चेयरमैन राहुल वाधवा (चरम दाएं)।

शिविर स्थल पर मरीजों से रूबरू होते चिकित्सक।

एवं आसपास के गांवों में चलाने के लिए धन्यवाद। यहां तक कि परिवहन लागत को भी रोटरी के द्वारा दिया गया क्योंकि बहुत से मरीज कैंप स्थल तक की इतनी लंबी दूरी नहीं तय कर सकते थे। रोटेरियनों ने फिरोजाबाद के आसपास 70 गांवों में लोगों से कैंप में आकर इलाज का लाभ उठाने के लिए आग्रह स्वरूप 30,000 पर्चे बांटे। इसके अलावा, पीए सिस्टम युक्त ऑटोरिक्शा कैंप हेतु प्रचार कार्य करने में लगे हुए थे और इस मैसेज को फैलाने के लिए उनको फिरोजाबाद के क्लीनिकों पर लगाया गया था। श्री वाधवा ने कहा कि हमने पहले मरीजों का चयन 13 स्क्रीनिंग कैंपों से किया जिन्हें सर्जिकल कैंप में लाया गया। जबकि डाक्टर ग्वाटेमाला, कोलंबिया और अमेरिका से आए थे, उन्हें अमेरिका के आठ रोटरी स्वयंसेवकों ने सहयोग दिया।

सफल मिशन

यूनिटी अस्पताल के डायरेक्टर डाक्टर रवि पचौरी ने अपने मिशन को पूरा करने के लिए रोटाप्लास्ट टीम के लिए तीन ऑपरेशन थिएटर, पोस्ट-ऑपरेटिव आई सी यू, एवं तकनीकी व सहायक स्टाफ प्रदान करके बहुत सहयोग प्रदान किया। अपने अनुभव को शेयर करते हुए रोटाप्लास्ट मेडिकल के डायरेक्टर एलेक्स मैक कुलोच ने कहा कि मैंने अपने जीवन में इस तरह के जलने वाले केस नहीं देखे हैं। मैं इस अभूतपूर्व प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए दोबारा अगले वर्ष भी यहां आना चाहूँगा।

मिशन के डायरेक्टर रोटेरियन टॉम फॉक्स, रोटाप्लास्ट इंटरनेशनल के डायरेक्टर ने अपने द्वारा पूरा किए गए अभियानों का स्मरण करते हुए कहा कि अच्छा करने की क्षमता फिरोजाबाद के इस मिशन में चरम पर थी क्योंकि वह उस बड़ी संख्या के समुदाय तक पहुँच पाए जो बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल को वहन नहीं कर सकते थे।

चूंकि डाक्टर अपने 10 दिनों के शेड्यूल में एक दिन में केवल 13-15 सर्जरी ही करने में सक्षम थे, श्री वाधवा ने कहा कि बहुत से रोगी जिन्हें सर्जरी की जरूरत थी वह चले गए हैं और अगले वर्ष रोटाप्लास्ट मिशन तक इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम अगले साल उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में जाएंगे और बड़ी संख्या में ग्रामीण, गरीब मरीजों को लाएंगे।

मैंने अपने जीवन में इस तरह के जलने वाले केस नहीं देखे हैं। मैं इस अभूतपूर्व प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए दोबारा अगले वर्ष भी यहां आना चाहूँगा।

एलेक्स मैक कुलोच
रोटाप्लास्ट मेडिकल डायरेक्टर

ओरिएंटेशन सेशन

अंतिम दिन, डॉक्टरों ने लाभार्थियों को बताया कि जब वे अस्पताल से डिस्चार्ज हो जाएं तो किस प्रकार उन्हें अपने पट्टी बंधे घावों की देखभाल करने की आवश्यकता होगी और उन्होंने इसकी वीकली ड्रेसिंग करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। श्री वाधवा ने कहा कि यह उस तरह का सेलिब्रेशन था जिसमें रोटेरियन केक काट रहे थे और रोगी मेडिकल मिशन को धन्यवाद दे रहे थे। कुछ मरीज जो घर नहीं पहुँच सके उन्हें और दो सप्ताह की अस्पताल में रहने की अनुमति दी गई। स्थानीय सर्जन डाक्टर दीपक गुप्ता और सहयोगी स्टाफ श्री अजय पराशर ने रोगियों की चिकित्सा के बाद की देखभाल की। चुनी गई अध्यक्ष, रोटरी क्लब आगरा ताजमहल की दिव्या वाधवा, पीडीजी लक्ष्मी कांत बंसल (रोटरी क्लब फिरोजाबाद), पीडीजी नरेश सूद (रोटरी आगरा नार्थ) और रोटेरियन अशोक बाबू अग्रवाल (रोटरी क्लब शिकोहाबाद) प्रोजेक्ट कॉरडिनेशन टीम का हिस्सा थे जिसका नेतृत्व वाधवा ने किया। ■

60 सदस्यों ने मानक स्तर को ऊंचा उठाया

जयश्री

रोटरी क्लब मेट्टुपलायम, रो ई मंडल 3202 के क्लब के सभी 60 सदस्यों ने समुदाय के लिए अधिक शानदार करने के लिए जोश से भरे हुए हैं। शुरूआत में हमने साल के दौरान तीन ग्लोबल ग्रांट को कार्यान्वित किया - पहला था एक सीएसआर वित्त पोषित जी.जी. जो कि एक मोबाइल मैमोग्राम यूनिट को खरीदने के लिए था, दूसरा था सरकारी अस्पतालों को अपग्रेड करना और तीसरा था एक डिजॉस्टर रिस्पांस ग्रांट - क्लब के अध्यक्ष डॉक्टर डी विजयागिरी ने कहा जो कि एक कुशल बाल रोग चिकित्सक एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन हैं। वह वीटीटी मेडिकल मिशन का हिस्सा थे जिसने इस वर्ष जनवरी माह में नाइजीरिया में अपनी सेवाएं प्रदान की थीं। यह एक अद्वितीय अनुभव था। बाल रोग विभाग में 1,000 से अधिक बच्चों की जांच की गई और 50+ सर्जरी की गईं। नाइजीरिया में मुफ्त में कोई भी हेल्थकेयर सुविधा उपलब्ध नहीं है। वहां लोगों के पास भुगतान करने का साधन नहीं है इसलिए उनके लिए जहां तक संभव होता है लंबे समय तक वह सर्जरी को टालते हैं। इसी कारण से, हमने कई एडवांस्ड केसों का इलाज किया जो कि हम सामान्यत: भारत में नहीं देखेंगे।फउन्होंने बताया और यह भी कहा कि इससे मुझे पहली बार फाउंडेशन के लिए योगदान देने के महत्व का पता चला। अगर रोटेरियन टीआरएफ के लिए इतने व्यापक रूप से योगदान नहीं देते तो जी.जी. संभव नहीं हो पाता।

एडवांस्ड डिजिटल मैमोग्राफी उपकरण वर्तमान में आयात किया जा रहा है और व्हीकल फैब्रिकेशन प्रगति पर है। स्तन कैंसर के लिए संपूर्ण जिले में ग्रामीण एवं गरीब महिलाओं की जांच के लिए जून माह में प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। प्रोजेक्ट हील, जैसा कि इसका नाम है, एक रीजनल पार्टनर मॉडल पर काम करता है, सबसे पहले रोटरी क्लब इरोड कॉस्मॉस है जो कि इरोड क्षेत्र को कवर करेगा, प्रोजेक्ट हील ट्रस्ट के सीओओ अनंथा कृष्णन ने बताया। प्रोजेक्ट की कुल लागत 264000 डॉलर थी।

मैमोग्राम इकाई स्थापित करने के लिए वाहन की खरीदी के बाद डीजी डॉ ए कार्तिकेयन, रोटरी क्लब मेट्टुपालयम के अध्यक्ष डॉ डी विजयगिरी, प्रोजेक्ट हील ट्रस्ट के सीओओ सुरेश अनंतकृष्णन, क्लब के सदस्यों और रोटरी क्लब इरोड कॉसमॉस के सदस्यों के साथ उनकी अध्यक्ष गायत्री बालाजी।

एनसी एरोमैटिक्स, जो एक कैमिकल और फूल अर्क निर्माता है, उन्होंने अपने सीएसआर फंड से 33,800 डॉलर का योगदान दिया, डीजी डॉक्टर ए कार्तिकेयन ने डीडीएफ से 20,000 डॉलर का योगदान और 15,000 डॉलर का योगदान अपने पर्सनल फंड से किया। पच्चीस क्लब सदस्यों ने 71,000 डॉलर जमा किए। मैक्सिको में रोटरी क्लब जुआरेज कैम्पेस्ट्रे ने इंटरनेशनल पार्टनर के रूप में हस्ताक्षर किए।

स्तन घाव वाले संदिग्ध मरीजों हेतु मुफ्त सर्जरी करने के लिए क्लब ने कोवई मेडिकल एंड हॉस्पिटल, कोयम्बटूर के साथ भागीदारी की। इसके अलावा, इसकी सर्वाइकल कैंसर के लिए मुफ्त जांच भी प्रदान करने की योजना है।

तालाबंदी के दौरान लोगों को भोजन बांटे जा रहा है।

प्रोजेक्ट केयर

कोविड-19 महामारी की शुरूआत से ही क्लब ने तुरंत ही सहायता प्रदान करने हेतु अपना रूख बदला और समुदाय को मदद प्रदान करने के लिए, मेट्टुपालयम के सरकारी अस्पताल के लिए 15 बेड, 15 मल्टी-पैरा मॉनिटर, 2 ईसीजी मशीनें एवं एक डिलिटल एक्स-रे मशीन को खरीदने के लिए एक साथ मिलकर 44,000 डॉलर की एक ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट को पूरा किया। अस्पताल हर माह 40,000 रोगियों का इलाज करता है जिसमें 60 प्रतिशत बीपीएल परिवारों से हैं और 10 प्रतिशत आदिवासी नीलगिरी हिल्स से हैं। श्री अनंथाकृष्णन ने बताया। उन्होंने आगे बताया कि समस्त ग्रांट (प्रोजेक्ट केयर - कोविड-19 और रिक्यूपरेटिव इक्विपमेंट) को एक सप्ताह के भीतर एप्लाई और मंजूर कर लिया गया था एवं अस्पताल में ऑनलाइन अतिरिक्त क्षमता मध्य-जून में आ जाएगी।

डिजॉस्टर रिस्पांस ग्रांट फंड का उपयोग करके लगभग 650 किटों को तैयार किया गया था जिसमें हर किट में रीयूजेबल फेस शिल्ड, गॉग्ल्स और केएन-95 मॉस्क थे और इसे सरकारी सुविधाओं और निजी चिकित्सकों सहित अस्पतालों और डेंटल क्लिनिकों को वितरित किया गया।

इन प्रत्येक व्यक्तिगत परियोजनाओं के प्रभाव के अलावा यह वह गति ही थी जिसके वजह से क्लब एक टीम के रूप में कार्य कर पाया और अन्य संगठनों से भागीदारी बनाने की हमारी क्षमता ने हमें इस साल सफलता प्राप्त करने में सक्षम बनाया, विजयागिरी ने कहा। उदाहरण के लिए, यह ध्यान में रखते हुए कि स्तन कैंसर एक संवेदनशील टॉपिक है, इसलिए हील प्रोजेक्ट के लिए, समुदाय का मूल्यांकन हेतु मेट्टुपालयम के ईनर व्हील क्लब को चुना गया। क्लब ने जांच शिविरों को आयोजित करने के लिए अन्य एनजीओ के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। 20 से अधिक रोटरी क्लबों ने क्लब की ग्लोबल ग्रांट में अपना योगदान दिया और क्लब ने मदद का आदान-प्रदान भी किया।

नाइजीरिया VTT मिशन में क्लब के अध्यक्ष डॉ डी विजयगिरी इलाज के लिए आये हुवे एक बचे के साथ।

गर्व के अन्य क्षण

क्लब ने इस वर्ष टीआरएफ के लिए 132,000 डॉलर जुटाए हैं और ईंट और पत्थरों पर गर्व स्वरूप इसमें मेट्रो (मेट्टुपल्लायम रोटरी) हायर सेकेंडरी स्कूल जिसमें 2,000 से अधिक विद्यार्थी हैं, एक गैस क्रेमेटोरियम और ऑटिस्टिक बच्चों के लिए एक स्कूल शामिल है। क्लब का त्रैमासिक एलएन-4 हैंड फिटमेंट कैंप सन् 2019 से चलाया गया था जहां बहुत लोग आते हैं और रोटरी व्हील का बस स्टैंड में ऊंचा घंटा-घर (क्लॉक टॉवर) अपनी पब्लिक इमेज का ध्यान रखता है। ■

रो ई मंडल 3060 के दो वैश्विक अनुदान रिकॉर्ड समय में पारित हुए

रशीदा भगत

रोई मंडल 3060 को गुजरात और महाराष्ट्र के अस्पतालों में कोविद-19 महामारी से लड़ने के लिए वेंटिलेटर उपलब्ध कराने हेतु ₹1.8 करोड़ (240,533 डॉलर) का भारी वैश्विक अनुदान, 30 घंटे से भी कम समय में स्वीकृत किया गया। हमारे मंडल में अभी तक का यह सबसे बड़ा अनुदान स्वीकृत हुआ है, मंडल अध्यक्ष अनीश शाह ने उत्साहित हो कर बताया।

इस जीजी का आवेदन कोविड -19 से संक्रमित लोगों से निपटने में राज्य प्रशासन की सहायता के लिए दो राज्यों के 31 अस्पतालों में वेंटिलेटर के देने के लिए तुरंत वित्तपोषण के लिए किया गया था। आवेदन संयुक्त रूप से रो ई मंडल 3060 और 2430 ने किया था। पूरे मनोयोग से हमने टीआरएफ के सभी मापदंडों और सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए सम्यक तत्परता के साथ सप्ताहांत में आवेदन किया था। संभवतः इसे सोमवार को देखा गया होगा और मंगलवार को तो इसे मंजूरी भी मिल गई थी। उन्होंने अनुदान आवेदन के लिए डीजीएससी मनीष श्रॉफ को और इस जीजी पर मार्गदर्शन के लिए डीआरएफसी आशीष अजमेरा को और निश्चित ही टीआरएफ और ट्रस्टी गुलाम वाहनवती के साथ रो इ निदेशक डा भरत पांड्या और कमल सांघवी को भी उनके समर्थन के लिए आभार प्रकट किया।

वे बोले कि मंडल ने अनुदान के लिए शीघ्र ही आवेदन करने का निर्णय किया, क्योंकि हमें एहसास हुआ कि जब अमेरिका और यूरोप के इटली जैसे परिष्कृत देश भी उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा होने के बावजूद इस वायरस के हमले से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं तो भारत में हमारी स्वास्थ्य प्रणाली, संक्रमित होने वाले संभावितों की बड़ी संख्या से निपटने के लिए बिलकुल तैयार नहीं हैं।

आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च) द्वारा किए गए शोध के अनुसार, ये पूर्वानुमान लगाया था कि बिगड़ते कोरोना वायरस के परिदृश्य में भारत को संभवतः कई हजार वेंटिलेटर की आवश्यकता होगी, मंडल ने ये महत्वपूर्ण उपकरण 31 अस्पतालों को मुहैया करवाने के लिए एक जीजी करने का फैसला किया। लेकिन भारत में, गंभीर और विषम परिस्थिति से निपटने के लिए बड़े अस्पताल महानगरों और बड़े शहरों में ही स्थित हैं

रो ई 3060 के रोटेरियन अपने सामुदायिक अस्पतालों को कोरोना महामारी से निपटने में मदद कर रहे हैं।

तथा गंभीर रूप से बीमार मरीज को, गांवों और छोटे शहरों से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को शहर लाना, विशेषकर कोविड लॉकडाउन के दौरान, एक बड़ी समस्या है।

दूसरी ओर, सरकार द्वारा संचालित कई आईसीयू में संसाधन सीमित हैं और बुनियादी सुविधाओं, उपकरणों के साथ प्रशिक्षित सहायक कर्मचारियों की भारी कमी है। लेकिन जब स्वैच्छिक क्षेत्र की संस्थाओं जैसे रोटरी और निजी सहयोगियों के माध्यम से मदद दी जाती है, तो जीवन बचाने की संभावना अप्रत्याशित रूप से काफी प्रबल हो जाती है।

किसी भी परिदृश्य में, विशेष रूप से एक महामारी के दौरान, की उच्च कोटि की देखभाल और इलाज करने की लागत बहुत अधिक है, और आर्थिक रूप से अक्षम रोगियों द्वारा इसे वहन कर पाना तो बिलकुल ही असंभव, डीजी शाह ने कहा, इस धनराशि से हमें 31 वेंटिलेटर खरीदने में मदद मिलेगी जिसकी सख्त ज़रुरत है।

एक और जीजी मंजूर - रो क्लब वलसाड

डीजी शाह ने कहा कि मंडल के लिए अनुदान को तीन दिन से भी कम समय में मंजूरी दे दी गई थी, लेकिन हमारे क्लब के लिए एक अन्य वैश्विक अनुदान में इससे भी कम समय लगा था। मेरे क्लब - रो क्लब वलसाड - की योजना थी कि उच्च कोटि के वेंटिलेटर लगाए जाएं और नाज़ुक देखभाल के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों का उपयोग करने के लिए स्थानीय धर्मार्थ अस्पताल - कस्तूरबा अस्पताल के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाए, जहाँ इस उपकरण की अत्यंत आवश्यकता थी।

उन्होंने कहा कि वलसाड शहर एक ऐसे जिले में स्थित है जहां आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों का प्रतिशत ज़्यादा है और क्लब ने दान करने के लिए सावधानीपूर्वक एक ऐसा वेंटिलेटर चुना था जो 3-इन-1 सेवा दे सकता था, नवजात शिशुओं को, बच्चों और वयस्कों तीनों की महत्वपूर्ण देखभाल कर सकता था। यह अस्पताल एक धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा चलाया जा रहा है और बहुत मामूली राशि लेता है जो स्थानीय लोग आसानी से वहन कर सकते हैं। हालांकि इसके पास कुशल और योग्य डॉक्टर, नर्स और अन्य तकनीकी कर्मचारी तो हैं, लेकिन जीवन रक्षक आधुनिक चिकित्सा उपकरण प्राप्त करने के लिए धन की व्यवस्था हमेशा एक चुनौती बनी रहती है।

उन्होंने कहा कि इस अनुदान का कुल बजट ₹38.65 लाख (51,547 डॉलर) है और यह परियोजना फ्रांस के रो क्लब बेलेविल लेस 2 फ्लेव्स की साझेदारी में की जा रही है। ■

पंचगनी में एक कैंसर-जांच शिविर

टीम रोटरी न्यूज़

इतिहास में पहली बार, रोटरी क्लब पंचगनी, रो ई मंडल 3132 ने महाराष्ट्र के सतारा जिले के इस हिल स्टेशन के निवासियों के लिए एक कैंसर-जांच शिविर का आयोजन किया। लगभग 500 लोग शिविर से लाभान्वित हुए, जिसका नेतृत्व क्लब के अध्यक्ष शाहराम जावनमर्दी ने किया।

क्लब ने मुंबई के अपोलो अस्पताल और नरगिस दत्त फाउंडेशन के साथ मिलकर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद और फाउंडेशसन की ट्रस्टी प्रिया दत्त ने कहा कि रोटेरियन के मदद के बिना चिकित्सा शिविर का आयोजन करना संभव नहीं हो पाता और उन्होंने इस ङ्गअभूतपूर्व साझेदारीफ के लिए रोटरी टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सात नए इंटरेक्ट क्लब

क्लब के ई-बुलेटिन सिल्वर ओक की लोकप्रियता पर बैंकिग करते हुए, जिसे स्कूलों, सरकारी कार्यालयों और प्रमुख लोगों के बीच बड़े पैमाने पर प्रसारित किया गया था, जावनमर्दी और उनकी टीम ने चार प्रसुप्त इंटरेक्ट क्लबों का कायाकल्प करने (पुर्नजीवन प्रदान करने) एवं सात और इंटरेक्ट क्लबों को सुविधा देने के लिए विभिन्न स्कूलों से संपर्क स्थापित किया।इंटरेक्ट सलाहकारों की नियुक्ति डीजी सुहास वैद्य द्वारा की गई थी। क्लब सन् 2021-22 अपनी गोल्डन जुबली मनाने को तत्पर है,इसकी इंटरेक्ट सदस्यता को 350 से बढ़ाते हुए यह इसकी युवा शक्ति के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा जो ङ्गइसकी शक्ति को बढ़ाएगा और यह क्लब को अपने समुदाय की बेहतर रूप से सेवा करने में सक्षम बनाएगाफ्फ़ - क्लब सचिव सुनील कांबले ने कहा। ■

कृषि को लाभदायक उद्यम बनाना

वी मुत्तुकुमारण

क्या भारतीय किसान कोविड महामारीसे उत्पन्न होने वाले उनके अस्तित्व पर आए इस संकट में फंसे रहेंगे या वैज्ञानिक उपकरणों और खेती के तरीकों से सुसज्जित होकर वे बेहतर तालमेल के साथ इस लॉकडाउन से बाहर आ सकेंगे? जबकि देश भर में किसानों का आत्महत्या कर लेना एक बहुत बड़ी चिंता का विषय है। भारत सरकार को अपनी वृहद नीतियों के समायोजन करने के लिए एक बार फिर से बड़ी जरूरत की ओर ध्यान दिलाते हुए, चेन्नई स्थित नेशनल एग्रो फाउंडेशन अपने ईकोसिस्टम में बदलाव कर ग्रामीण भारत में स्थायी खेती को एक वास्तविकता बनाने के लिए शांति से अपने कार्य में संलग्न है।

इसे 30 जनवरी, 2020को पूर्व केंद्रीय खाद्य और कृषि मंत्री सी. सुब्रामण्यम की 90वीं जयंती पर एक चेरिटबल ट्रस्ट के रूप में बनाया गया, वे हरित क्रांति (1964-72) के वास्तुकार के रूप में सबसे लोकप्रिय थे, एक स्वस्थ, साक्षर एवं समृद्ध ग्रामीण भारत का निर्माण करने में NAF सबसे आगे है। लेकिन 1960 में कृषि के अपने स्वप्न को साकार रूप देने के लिए सीएस जैसे नेता को कई कड़े संघर्षों का सामना करना पड़ा। NAF के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री एस एस शेखर ने बताया कि मेरे पिता को मेक्सिको से नॉर्मन बोरलॉग के द्वारा विकसित किए गए उच्च उपज देने वाले बीजों को आयात करने के अपने प्रयास के लिए विपक्षी दल और कांग्रेस पार्टी के एक वर्ग, दोनों के ही कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। सदन में कोई समर्थन नहीं मिलने पर सीएस 1964-65 अफसोस जताते हुए कहा मैं भारत के किसानों को समझाने में समर्थ हूँ लेकिन फिर भी मैं संसद में मेरे सहयोगी, नौकरशाह और वैजानिकों के मना सकता हूँ।

सन् 1980 में सीएस राष्ट्रीय राजनीति को छोड़कर चेन्नई लौट आए और अपने पसंददीदा विचारों एवं परियोजनाओं को आकार देना आरंभ किया। जब खाद्यान्न उत्पादन के वृद्धिशील उत्पादन के साथ हरित क्रांति के परिणाम स्थिर होने लगे तो यह समय नयी ग्रोथ रणनीति बनाने का था, क्योंकि उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए पुराना मंत्र seeds to grains को फिर से बनाने की जरूरत पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम तब टीआईएफएसीके चेयरमैन थे, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक थिंक-टैंकऔर सीएस ने छअत्र की स्थापना पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसमें न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में एम. के. राजू सलाहकार थे और आठ सदस्यों वाली गवर्निंग काउंसिल कलाम के नेतृत्व में थी।

शुरूआती दिनों के दौरान, छअत्र का एक सरल सा और सीधा एजेंडा था: किसानों की वार्षिक आय को कम से कम ₹10,000 से बढ़ाकर ₹50,000 तक करना और ग्रामीण भारत से शहरी केंद्रों के निरंतर

चेंगलपेट के इल्लुडु गांव में NAF प्रबंध ट्रस्टी एस एस राजसेकर (बाएं से तीसरे) CFRD सुविधा में किसानों के साथ बातचीत करते हुए।

CS, शांत आचरण के साथ विद्रोह

चिदंबरम सुब्रामण्यम जन्म से ही विद्रोही स्वभाव के थे। उन्होने परंपरा या राजभक्ति के नाम पर कभी भी संकीर्णता को सहन नहीं किया। वह कभी भी एक रूढ़िवादी व्यक्ति नहीं रहे। आज हर कोई उन्हें केंद्रीय खाद्य और कृषि मंत्री के रूप में उनके योगदान से परिचित है, सन् 1964-72 के दौरान योजना आयोग उपाध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के बाद, बहुत लोगों को यह नहीं पता है कि उन्हें प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा फस्ट साईंस और टेक्नालॉजी मिनिस्टर के रूप में चुना गया था।

उनके बेटे एस एस राजशेखरजो कि रो ई 3232, रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट के सदस्य हैं, भारत के सर्वोच्च नेताओं में से एक, CS के दिलचस्प पहलुओं को साझा करते हैं। प्रीसीडेन्सी कालेज से भौतिकी में यूजी पूरा करने के बाद, उन्होंने मद्रास लॉ कालेज से कानून की डिग्री ली और 23 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए। ब्रिटिश शासन का विरोध करने पर उन्हें जेल जाना पड़ा था और स्वतंत्रता मिलने के बाद उन्हें विधान सभा (1946-52) के सदस्य के रूप में चुना गया।

जब मद्रास प्रांत में पहले चुनाव में स्पष्ट बहुमत के अभाव में एक त्रिशंकु विधान-सभा हो गई, तब मेरी पिताजी ने सीएम पद के लिए सी. राजगोपालाचारी जी का नाम प्रस्तावित किया, जिन्हें राजाजी के नाम से भी जाना जाता है। CS अपने गुरू राजाजी के प्रति बहुत आभारी है और लगातार दो कार्यकाल (1952-1962) तक उन्होंने शिक्षा विभाग, वित्त विभाग और कानून विभाग को स्टेट कैबिनेट में संभाला। जब सन् 1954 में राजाजी सांसदों के बीच विश्वास मत हार गए तो प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने हस्तक्षेप किया और नए सीएम के कामराज को CS को मंत्रीमंडल में बनाए रखने का अनुरोध किया।

जब चरण सिंह प्रधानमंत्री (1979) थे तब सीएस ने रक्षा मंत्री के रूप में 'Green Army'के विचार पर चर्चा की। उन जवानों ने जिन्होंने 30-35 की उम्र के बाद सेना को छोड़ दिया था, उनको हिमालय की तलहटी पर बसने और एग्रो फॉरेस्ट्री में शामिल होने का विकल्प दिया गया था। सेना ने ग्रीनिंग प्रोजेक्ट (हरियाली परियोजना) को शुरू करने वाले सैनिकों को वित्त पोषित किया जो कि अधिकारियों के लिए नहीं था।

सन् 1966 में सीएस ने पूरे विश्वास के साथ संसद में घोषणा कर दी कि भारत खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बन जाएगा, यद्यपि यह वह समय था जब जब हम जहाज के द्वारा अमेरिका से भारी मात्रा में गेहूँ आयात कर रहे थे। उनका विजन/सपना, अंर्तदृष्टि सन् 1971 में पूरी हुई जब हम हमने हरित क्रांति के प्रभाव से अनाज में रिकार्ड उत्पादन हासिल किया। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 1992 में CS को हरित क्रांति में उनकी भूमिका को देखकर सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न प्रदान किया।

राजशेखर को उनके पिता की मृत्यु होने के बाद NAF में शामिल किया गया था और शामिल करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम और एम के राजू, बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के चेयरमैन ने उन्हें मनाया।

सन् 2010 में CS के जन्म शताब्दी समाहरोह के दौरान जब एक लेखक ने राजशेखर से अपने पिता के बारे में एक ही वाक्य में वर्णन करने के लिए कहा तो बेटे ने जवाब दिया - भारत उनका निर्वाचन क्षेत्र था और दुनिया उनका देश था।

प्रवास को रोकना, यदि इसे रिवर्स नहीं किया ... मेरे पिता वर्ल्डवाच इंस्टीटय्यूट से प्रकाशनों को प्राप्त करते थे और उस समय उसके संस्थापक लेस्टर ब्राउन के लेखों में चेतावनी दी जाती थी कि हम धरती की दोहन क्षमता को पार कर गए हैं। सीएस ने ब्राउन को उद्धृत किया 3 पी से अंतर-संबंधित होने का - पॉपुलेशन, पॉल्यूशन और पॉववेट्री, और वह अमीर और गरीब के बीच व्यापक असमानता के बारे में चिंतित थे। राजशेखर ने बताया।

11 नवंबर, 2000को राजशेखर के मैनेजिंग ट्रस्टी के पद पर नियुक्त होने के बाद NAF ने 'soil to market' शब्द को द्वितीय हरित क्रांतिका अपना नारा बनाया। हमारा मुख्य प्रयोजन कृषि को एक सार्थक एवं उत्पादक व्यवसाय बनना है। दूसरा, हम कृषि एवं कृषि संबंधी उपक्रमों में रोजगार पैदा करना चाहते हैं। उन्होने बताया।

सेंटर फॉर रूरल डॅवलपमेंट (सीईआरडी)

एक अभिनव पहल जिसकी वजह से CFRD की स्थापना हुई, किसानों के लिए एक ट्रेनिंग सेंटर, तमिलनाडु के चेंगलपेट जिले के इलेडु गांव में SHG के फार्म मैनेजर एवं बैंक मैनेजर ने फरवरी 2001 में NAF ने उन तरीकों और साधनों को तलाश करने हेतु एक ओपन फोरम जिसमें हम उनको मदद कर सकते हैं 24 किसानों को आमंत्रित किया।

एक डेमो प्रोजेक्ट को यह दर्शाने के लिए विकसित किया गया था कि उच्च उपज को गुणवत्तापूर्ण बीजों,कठोर मिट्टी की ऊपरी सतह को गहरे रूप से नुकीले औजारों के द्वारा जुताई करके एवं वैज्ञानिक तरीकों से प्राप्त किया जा सकता है। राजशेखर ने समझाया कि फसल के लिए हमारा डेमो किसानों के लिए एक उदाहरण के तौर पर था कि उद्योग एवं समाज के लिए किस तरह की खेती की जरूरत है, आंख मूंदकर अनजाने ढ़ंग से खेती करने के बजाय।

CFRD में 70 प्रतिशत प्रैक्टिकल ज्ञान और 30 प्रतिशत थ्योरी क्लास आधारित एक डायनेमिक सिलेबस चलाया जाता है। इस सुविधा के अलावा,

एक मिट्टी टेस्टिंग लैब, एक अनुसंधान और विकास इकाई, बायोटेक्नॉलाजी सेंटर, चेन्नई के तारामणी अन्ना यूनिवर्सिटी कैंपस किसानों को कई तरह की सेवाएं प्रदान करता है।

नाबार्ड के साथ,वे चार परियोजनाओं में वाटरशेड मैनेजमेंट में हैं और तमिलनाडु में कॉर्पोरेटस में आठ और पहल की हैं। सात अन्य राज्यों में - आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक और हरियाणा - 14 कमांड श्रेत्र (प्रत्येक कम से कम 1,500 हेक्टेयर) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन करना,जैसे चेक डैम का निर्माण और जल निकायों का कायाकल्प, आजीविका पहल, स्थिरता पर फोकस करते हुए खेती की प्रणाली को विकसित किया जा रहा है, NAF के डायरेक्टर एस. वी. मुरूगन ने बताया। कॉर्पोरेट लार्सन एंड टुब्रो, टाटा ग्रुप की कंपनियां एवं BNY मेलॉन उन ग्रामीण परियोजनाओं को प्रायोजित कर रहे हैं जो स्थायी एवं टिकाऊ कृषि हेतु स्थानीय किसानों को परामर्श प्रदान कर रहे हैं।

तमिलनाडु में छोटे और सीमांत किसानों के समर्थन के लिए एक अन्य पहल के हिस्से के रूप में, 49 फार्मर प्रोड्युसर कंपनियों को नाबार्ड और लघु किसान कृषि व्यवसाय कंसोर्टियम (SFAC) के सहयोग से स्थापित किया गया है।

दिवाली पर राजसेकर ने इलेड्डु गांव में किसानों और उनके बच्चों को नए कपड़े वितरित किये।

द्वितीय क्रांति

बदलाव स्वरूप आदर्श के रूप में, NAF ने स्थायी एवं टिकाऊ खेती के लिए, प्राकृतिक संसाधनों के समग्र विकास, वाटर शेड मैनेजमेंट एवं उनकी आजीविका में परिवर्तन करने सहित, छअऋ ने देश के विभिन्न भागों से गांवों के समूह को लिया है।

सन् 2016-17 में, उड़ीसा के संबलपुर जिले में जेनुपौली क्लस्टर में एक मेगा वाटरशेड और टिकाऊ कृषि परियोजना को पूरा किया गया। NAF के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एम आर रामासुब्रमण्यन ने बताया कि हमने सिंचाई नहरों का निर्माण, चैक डैमों का कायाकल्पऔर स्थायी खेती (उन्नत खेती) पर फ्रंटलाइन डैमो को अपनाकर 900 एकड़ के सिंचाई क्षेत्र को विकसित किया है।

महाराष्ट्र के 15 गांवों में चल रहीं तीन परियोजनाएं जो 3,000 हेक्टेयर में फैली हैं, वाटरशेड सुविधाएं स्थापित कर रही हैं कृषि विशेषज्ञ, वाटरशेड इंजीनियर, IT के लोग (GIS, रिमोट सेंसिंग), सामुदायिक प्रबंधक और 11 परियोजना अधिकारियों सहित 122 कर्मचारियों के साथ, नएएफ का लक्ष्य सहायता प्रणालियों एवं विस्तार कार्यों के द्वारा अपने कौशल को बढ़ाकर भारतीय किसानों को सशक्त बनाने के उनके सपने को पूरा करने के अपने मिशन पर है। पिछले 20 वर्षों के दौरान NAF आठ राज्यों के 770 से अधिक गांवों तक पहुॅच गया है और इसने लाभार्थियों के प्रोफाइल मेकओवर में मार्गदर्शन करकेउन्हें सर्वोत्तम कृषि प्रणालियों से सुसज्जित करके हजारों किसानों की जीविका को उन्नत बनाया है। ■

कोविड राहत कार्य

लॉकडाउन के दौरान, एनएएफने चेन्नई और मदुरई के पुलिस, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और अन्य स्वयंसेवकों को लगभग 50,000 फेस मास्क, 17,000 दस्तानेऔर सैनिटाइजर (1750 लीटर) प्रदान करके कोविड-19 के खिलाफ फ्रंटलाइन वॉरियरस तक पहुॅच बना ली है। राशन किट जिसमें चावल, आटा, दाल, कुकिंग ऑयल, मसाले, नमक, चीनी, चाय और साबुन, प्रति बैग ₹850 कीमत के राशन किट को 3,500 से अधिक दिहाड़ी मजदूरों को दिया गया था। चेन्नई एवं विल्लुपुरम के स्टेनली अस्पताल और सरकारी अस्पतालों में 250 PPE किट का पूरा सेट दान में दिया गया था। NAF के कार्यपालक निदेशक, रामासुब्रमण्यन ने बताया कि हमारे समुदाय की रसोई से तिरूवल्लूर जिले में दो सप्ताह तक 600 प्रवासी मजदूरों को दिन में तीन बार भोजन दिया गया एवं इसके अलावा रॉयपुरम में 4,000 मछुआरों को इस रसोई में तैयार किया गया भोजन दिया गया। कुल मिलाकर,आईटी समूह के BNY मेलॉन से सीएसआर की फंडिग के माध्यम से विभिन्न लाभार्थियों को ₹1.5 करोड़ की राहत सामग्री प्रदान की गई है।

इंटरेक्टरस ने सम्मेलन का आनंद उठाया और पावर ऑफ च्वॉइस को सीखा

किरण जेहरा

कांफ्रेंस में इंट्रक्टर्स के साथ डीजी अनीश शाह, उनकी पत्नी स्वाति, कॉन्फ्रेंस की अध्यक्ष कल्पा रच्छ और (बाएं से चौथी) मंडल प्रतिनिधि आयुषी ढोलकिया।

रोटरी इंटरेक्ट एनुअल फेस्टिवल (आरआईएएफ) 2020, रो ई मंडल 3060, जिसे रोटरी क्लब बड़ौदा कॉस्मोपॉलिटन के द्वारा आयोजित किया गया था, उन्होंने विशेष रूप से पूरे गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ भागों के 260 टीनऐज प्रतिभागियों को पावर ऑफ च्वॉइस (पसंद की शक्ति)को समझाने के लिए इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। डीजी अनीश शाह ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि आपके द्वारा की गई पसंद का परिणाम अंत में आता है इसलिए सही विकल्प चुनें।

जिला इंटरेक्ट अध्यक्ष कल्पा रच्छ ने कहा कि इस आयोजन को विद्यार्थियों के लिए और अधिक इंटरैक्टिव और इंट्रैस्टिंग बनाने के लिए हमारे पास उनसे बात करने वाले यंग एचीवर्स थे।

इंटरेक्ट जिला प्रतिनिधि आयुषी ढोलकिया जिन्होंने मिस टीन इंटरनेशनल 2019 जीता है, मीरा एरडा जो यूरो सिरीज में रेस करने वाली पहली भारतीय ड्राइवर हैं और उमंग शाह जो कि एक टीन सीईओ हैं, ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। तीनों वक्ताओं ने अपनी पढ़ाई जारी रखने के दौरान ही उन क्षेत्रों में सफलता अर्जित की जिसके प्रति वह रोमांचित थीं। लगभग सभी विद्यार्थी यह जानना चाहते थे कि उन्होंने यह कैसे किया? कल्पा ने बताया।

एक-दिवसीय सम्मेलन आउटडोर और इनडोर, दो भागों में बांटा गया था। कार्यक्रमों में विषय पर एक छोटी वीडियो और अंगदान पर एक नाटक के बाद साइंटफिक खिलौनों के प्रोजेक्ट, अपशिष्ट को पृथक करने की जानकारी और पॉवर ऑफ च्वाइस पर एक ओपन हाऊस चर्चा के सत्र शामिल थे। उन्होंने कहा कि गुड टच बैड टच, मासिक-धर्म स्वास्थ्य एवं महिलाओं की सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों पर प्रतिभागियों को आत्मविश्वास से बात करते देखा जाना प्रभावशाली था।

लेकिन जो सबसे ज्यादा उत्साहजनक एवं हार्दिक था वह था श्रवण-बाधित और दृष्टि-बाधित विद्यार्थियों को एक अद्वितीय प्रिंटमेकिंग आर्ट एक्टिविटी में भाग लेते हुए देखना था जिसका संचालन कलाकार कविता शाह ने किया था। कल्पा याद करती हैं कि वे सर्वाधिक उत्साह से भरे हुए प्रतिभागी थे जिन्होंने बच्चों से भरे कमरे में रचनात्मकता के आनंद को बढ़ाया।

रोटरी क्लब बड़ौदा कॉस्मोपॉलिटन के रोटरैक्टरों ने विभिन्न इंटरेक्ट क्लबों द्वारा कल्चरल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद विद्यार्थियों के लिए एक रोमांचक ट्रेजर हंट चैजेंल का आयोजन किया। सम्मेलन का समापन राष्ट्रगान गायन के साथ हुआ जिसे अमरेली के ओम इंटरेक्ट क्लब के श्रवण-बाधित इंट्राक्टरस द्वारा गाया गया।

बिलाबोंग हाईस्कूल के इंटरेक्ट क्लब की अध्यक्ष श्रीमती प्रियंजल सिंघल ने कहा - यह एक शानदार अनुभव था। हमने राज्य के विभिन्न हिस्सों के विद्यार्थियों से बातचीत की और मैं इस तरह के और भी सम्मेलनों का हिस्सा बनना चाहूँगी। मैं सीखने के इस निराले अनुभव के लिए अपने इंटरेक्ट क्लब और हमारे प्रायोजक रोटरी क्लब को धन्यवाद देती हूँ। ■

अमफान से गोरखा आंदोलन की यादें ताजा हुई

देबी पात्रा

जिला मजिस्ट्रेट के बंगले के बाहर गाड़ी में डेबी पात्रा।

जैसी कि आशंका थी, लॉकडाउन 4.0 के बीच में, बंगाल की खाड़ी में आया अम्फान चक्रवाती तूफ़ान इस शताब्दी के सबसे भयानक चक्रवाती तूफ़ानों में से एक रहा। कोविड -19 ने तो पहले ही सब को चकित कर सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया था कि क्या ज़िंदगी फिर से पहले जैसी हो पाएगी; और अम्फान के आने से निराशा और बढ़ गई।।

टीवी न्यूज़ चिल्ला रहे थे; टकराने से करीब 48 घंटे पहले इस सुपर साइक्लोन ने दीघा के 600 किलोमीटर दक्षिण में 270 किमी की रफ़्तार से उड़ान भरी, और आसमान में करीब चार मील ऊंचा उठ गया था। बंगाल के दीघा में कहर बरपाता हुआ अम्फान तट से टकरा गया, तट पर इसकी अनुमानित गति रही होगी - 190 किमी, कोलकाता में 130 किमी। अत्यंत डरावना ।

एक दिन पहले, 19 मई को तूफ़ान के आने से पहले सब कुछ शांत था। दोपहर बाद अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और बारिश के छींटों के साथ घने बादल छा गए जिससे आने वाली आफत की भयावहता का आभास हो गया था ।

निर्धारित दिवस की सुबह मानसून के चरम पर पहुँची सुबह की तरह थी पर दोपहर तक हवा ने गति पकड़ ली। दक्षिण में 100 मील दूर तूफ़ान के टकराने की खबर से हड़कंप मच गया। हल्दिया के कारखाने सुपर रेड अलर्ट पर थे। एक घंटे के भीतर ही औद्योगिक शहर के साथ संपर्क और संचार टूट गया। कई जगह से व्यापक क्षति की ख़बरें आईं; मुझे बताया गया था कि इस क्षेत्र में चक्रवातों का आना कोई नई बात नहीं है पर इतनी अधिक क्षति पहले कभी नहीं हुई थी।

शाम 5 बजे तक तूफ़ान कोलकाता पहुँच गया। जल्द ही बिजली की लाइनें बंद हो गईं। तेज रफ्तार हवाओं ने पेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया, और एक तीखी सीटी जैसी आवाज निकलने लगी। प्रकृति एक अलग ही अवतार में थी। बेचैन और आक्रामक। कमजोर पेड़ों ने रास्ता दे दिया, कुछ उम्मीद से पहले ही टूट कर गिरने लगे। तूफ़ान की गहनता तेजी से बढ़ती रही। मोबाइल से संपर्क टूट गया।

और शाम 6 बजे तक, खिड़कियां जमकर बजने लगीं - जैसे कि बाहर कोई भूत कमज़ोर दिल

वालों को डराने निकल पड़ा हो। इसे देखने के लिए बाहर कदम भी नहीं रख सकता था, क्योंकि तेज तूफ़ान के भारी दबाव के सामने संतुलन बनाए रखना अपनेआप में एक चुनौती थी।

तीन घंटे तक चले तूफ़ान के इस तांडव के बाद चारों ओर छाये घने अंधेरे में यह देखना असंभव था कि आसपास क्या हो रहा है। कोई टीवी नहीं। मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं। सबसे भयंकर चक्रवात के एक अभूतपूर्व अनुभव से गुजरने के लिए मैं अकेला और असहाय मौसम के जल्द सामान्य होने का इंतजार कर रहा था।

रात के लगभग 10 बजे, अंधेरे में, ताजी हवा का एक झोंका पाने के लिए और प्रकृति के विनाश पर नज़र डालने के लिए मैंने एक साइड विंडो खोली। ठंडी हवाओं से मिज़ाज तरोताज़ा हो गया। मन ने दौड़ना शुरू कर दिया - उन दिनों की याद आ गई जब मैं दक्षिण 24 परगना में जिला मजिस्ट्रेट था, जिले का आधा भाग द्वीपों और टापुओं से आच्छादित है। तूफ़ान से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की यादें प्रबल हो उठीं।

सर्द हवाओं ने इससे भी ठंडी जगह की याद दिला दी - दार्जिलिंग, जहाँ मैंने अपने जीवन का सबसे अच्छा और सबसे बुरा वक़्त बिताया है। एक पृथक गोरखालैंड के लिए उग्रवादी आंदोलन की यादें।

दार्जिलिंग में - जीएनएलएफ आंदोलन के चरम पर - 1986-89, में (बंद के दौरान, एक बार यह 40 दिनों तक चला था), घर पर, रात में कभी कभार, कोई बिजली नहीं - फ्रेंच खिड़की के पास, व्हिस्की की घूँट लगाते हुए, मैं अंधेरे में अकेला बैठा रहता था - मेरे कुर्ते की जेब में रिवॉल्वर रहता था और चांदनी में मुश्किल से नज़र आने वाली कंचनजंगा को टकटकी लगाए देखता रहता था। ये मुझे दूसरी दुनिया में ले जाता था ... सुरम्य शंग्रीला की ओर!

वो पल पूर्ण आनंद के थे।

प्रकृति के पूर्ण वैभव के साथ उसके जादुई आकर्षण के बीच, जैसे जैसे बाहर युद्ध के व्यापक माहौल में कमी आती है, मन शांत हो जाता है और एकाकीपन की भावना कम होती जाती है। (बीच-बीच में शांति भंग करने वाली बमों की आवाजों के बावजूद)

आंदोलन के 28 महीनों में लगभग हर समय मौत की आहट लगी रहती थी, और वो मेरे जीवन के सबसे यादगार पल थे।

वो दिन मुझे बहुत याद आते हैं - तकलीफों के दिन, हमले की आशंका हमेशा बनी रहती थी और युद्ध भड़काने वाले लोगों के बीच शांति और विवेक की एकमात्र आवाज होने की तकलीफों से गुजरना पड़ा था... सिर्फ सबसे अच्छी स्मृति मन में सबसे ऊपर हैं, आज भी मन को आंतरिक सुख और शांति देती हैं।

ये भयावह तूफ़ान मुझे 17 जनवरी, 1987 के अतीत में ले गया । एक रात पहले, डीआईजी हांडा और मैं, दो आईपीएस अधिकारियों और लगभग 150 पुलिसकर्मीयों के साथ सिलीगुड़ी से गोरुबथान के रास्ते कालिम्पोंग के लिए निकले थे। हमने करीब 11 बजे चलना शुरू किया था।

आगे की चार गाड़ियां सिविलियन कार थी और जेब में रिवाल्वर लिए हम सभी सादे कपड़ों में थे। गंतव्य था कालिम्पोंग में 10 वां मील। उद्देश्य - सी के प्रधान को अचानक गिरफ्तार करना जो 10 वीं मील पर रहते थे। वह जीएनएलएफ, कलिम्पोंग के निर्विवादित शासक था। एक क्रूर नाम ... एक व्यक्ति जो रॉबिनहुड की ज़िंदगी जी रहा था, जिसके अनुयायी बहुत बड़ी संख्या में थे।

हम लगभग 5 बजे 10 मील पर पहुँच गए। चुपचाप कारों से नीचे उतर गए। उसका घर सड़क से लगभग 200 मीटर ऊपर पहाड़ी पर दिख रहा था। हम छह लोगों ने चुपचाप ऊपर चढ़ना शुरू कर दिया। उसके घर पहुंच गए और मोर्चे में हमारे दो अधिकारी सामने का दरवाजा तोड़ कर घर में घुस गए। लेकिन पालक झपकते ही सी के प्रधान पीछे की खिड़की से बाहर कूदा और गायब हो गया। निराशा और कुंठा।

ऐसा लग रहा था मानो शहर पर कब्ज़ा कर लिया हो। हम सभी ने अगले कुछ दिनों के लिए कालिम्पोंग में डेरा डालने का फैसला किया (जबकि हम एक रात के लिए भी रूकने का सोच कर नहीं आये थे)। ऐसे क्षेत्र को नियंत्रित करना जहां अप्रत्यक्ष स्वायत्तता घोषित कर दी गई है - दार्जिलिंग से यहां की दूरी और पूर्व सैनिकों की अच्छी खासी तादाद इस हिंसक आंदोलन का नेतृत्व कर रही थी।

गलियों में एक से दूसरे छोर तक रस्सियों पर जीएनएलएफ के इतने ज़्यादा झंडे लहरा रहे थे, कि आसमान मुश्किल से नज़र आ रहा था।

हम थाने पहुंच गए, जिसके बाहर लगभग 120 सीआरपी और राज्य के पुलिसकर्मी तैनात थे - जैसा किसी बड़े ऑपरेशन से पहले होता है। हमने सोचा कि इससे स्थानीय लोगों में भय उपजेगा

चक्रवात अम्फान द्वारा छोड़े गए मलबे का एक दृश्य।

अगस्त 1988, दार्जिलिंग समझौते के बड़े एक प्रेस कांफ्रेंस में GNLF नेता सुभाष घीसिंह के साथ लेखक।

लेकिन सच्चाई कुछ और ही थी। जब डीआईजी हांडा और मैं बाहर निकले, तो वहां हमें कोई भी स्थानीय व्यक्ति नहीं दिखा, कई लोग आर्मी जैसी जंगल की वर्दी में थे, वो हमारी तरफ देख भी नहीं रहे थे और अनदेखा कर रहे थे। मानो हमारा अस्तित्व ही नहीं है।

हांडा ने दो किशोर लड़कों को रोका; एक लड़के के बैग में हाथ डाला तो उस में बम मिला। वह उस पर चिल्लाया - और मैंने तुरंत उसे थप्पड़ जड़ दिया।

बस, इतना काफी था, सीआरपी ने किसी आदेश की प्रतीक्षा नहीं की और शुरू हो गई, जिधर जो भी नज़र आया, उस पर लाठीचार्ज शुरू कर दिया। दुकानें बंद कर दी गईं, पत्थरबाजी हुई और कई गिरफ्तारियां की गईं।

अगले चार घंटों में ऐसी कई वारदातें हुईं जिन्हें भूलना मुश्किल है। एक आदमी ने अपना नाम कालू बताया था और किसी ने कहा कि वह सी के प्रधान का ड्राइवर था। एक-दो मिनट ही में उस पर लगभग 200 लाठी-डंडे बरसाए गए। लेकिन जब मैंने नेपाली में पूछा, तो उस व्यक्ति ने अत्यंत पीड़ा में कहा कि वह हम जो सोच रहे हैं वह वो नहीं है। मैंने उसे संदेह का लाभ दे कर छोड़ दिया, एक निर्दोष व्यक्ति की पिटाई को ले कर मन बहुत दुखी हुआ। यह कहानी हर जगह की है।

इसके पीछे भावना यह थी कि दोपहर तक हम अपनी उपस्थिति जाहिर कर किसी प्रकार सामान्य स्थिति बहाल कर सकते थे,अपने शस्त्र बल के प्रदर्शन के द्वारा, जीएनएलएफ के सभी झंडों को नीचे गिरा कर, कई लोगों को गिरफ्तार किया और गोरखा वालंटियर्स सेल (उनकी निजी सेना) के कार्यकर्ताओं की तलाश शुरू कर दी।

लेकिन गोधूलि होने तक कहानी पलट चुकी थी - पूरा शहर जैसे दीवाली मना रहा था। पहाड़ियों की तरफ से बम उड़ते हुए आ रहे थे, सड़क पर जहाँ हम खड़े थे,हमारा पीछा करते हुए-करीब करीब सभी घरों से। कई हताहत हुए, गिरफ्तार भी हुए।

उस रात हमने सोचा था कि आराम करने के लिए सबसे अच्छी जगह थाने के सामने सिल्वर ओक्स होटल रहेगी । लेकिन कर्मचारियों ने एक तरह से होटल का बहिष्कार कर दिया था और इसे छोड़ गए थे, वहां बाहर के केवल 2 लोग थे। उनमें से एक को खाना पकाने के लिए मजबूर किया था; हमारे सूखे गले को तर करने के लिए बार का ताला तोड़ना पड़ा था। अधिकारियों और सैनिकों दोनों को बुरी तरह थका देने वाले दिन में थोड़ी राहत मिली थी।

आधी रात के बाद, जैसे ही हम रात में खाने के लिए बैठे, वहाँ गगनभेदी आवाज़ के साथ, एक बम गिरा और टूटे हुए कांच के छींटे हमारे शरीर और भोजन में गिर गए थे । सौभाग्य से, किसी को कोई चोट नहीं आई। हमने अंदर से बाहर अंधेरे में गोलीबारी की, जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो हम अपने रात के खाने पर लौट आए। लेकिन इस बार बंदूक की गोलियों के शॉट थे और अब हमें लग गया था कि यह मामला गंभीर था।

दोनों तरफ से फायरिंग होती रही और ये तो हमें बाद में पता चला था कि उन्होंने होटल को आग लगाने की योजना बनाई थी ... मुखबिरी से खबर बाहर आने का पुराना तरीका। और इस तरह उन अशांत दिनों में हमने दार्जिलिंग में सबसे तनावपूर्ण रात गुजारी थी। आंदोलन का यह एक और मोड़ था। आंदोलन अधिक हिंसक हो गया था, हमारी प्रतिक्रिया भी और गहन हो गई थी।

भड़के हुए अम्फान तूफान ने 18 फरवरी, 1987 की कुछ और यादें ताज़ा कर दीं, मैं डीएम की एम्बेसडर कार चला रहा था, डीआईजी मेरी बगल में और बाकी पीछे की सीट पर बैठे थे। हम लोग पूरी रात चले एक लंबे ऑपरेशन से लौट रहे थे और हमारे काफिले में 24 वाहन थे।

मिरिक से 5 किमी पहले हम पर हमला हुआ - हमले में हमारी कार को निशाना बना कर, लगभग 1,000 फीट की ऊंचाई से, कार की बाईं तरफ पहाड़ी से एक विशाल बोल्डर को लुढ़का दिया गया था।

बोल्डर दाहिने तरफ कार के पिछले हिस्से से टकराया दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दाहिने तरफ के पिछले दरवाजे को अलग कर दिया, और फिर घाटी में 4,000 फीट की गहराई में समा गया और साथ में रास्ते की एक झोपड़ी भी ले गया। लेकिन कोई घायल नहीं हुआ; और जब हम वापस आए तो मैंने मजाक में कहा: 45 दिनों में यह तीसरी बार है जब हम मौत से बच गए हैं। हम जल्द मरने वालों में से नहीं हैं।

जब कभी भी मैं बंगले से बाहर जाता था, किसी ना किसी स्नाइपर द्वारा हमला किये जाने की आशंका हमेशा बनी रहती थी। आंदोलन के 28 महीनों में लगभग हर समय मौत की आहट लगी रहती थी, और वो मेरे जीवन के सबसे यादगार पल थे।

लेखक एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

बाढ़ से तबाह हुए कोडागू में 25 और घर सौंपे गए

रशीदा भगत

एक लाभार्थी को घर सौंपने के बाद पीडीजी यों आर एस नागार्जुन, के कृष्णा शेट्टी, पी रोहिनाथ, देवदास राय, प्रोजेक्ट चेयर पीडीजी के रवि अप्पाजी और डीजीई एम रंगनाथ भाट के साथ पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी।

कोरोना महामारी और लॉकडाउन की मार के बीच में, रोई मंडल 3181 के रोटेरियनों ने कर्नाटक के कोडागु के लोगों से किया गया अपना वादा निभाया, जिनकी ज़िंदगियाँ केरल के कई हिस्सों के लोगों की तरह ही दो साल पहले आई बाढ़ से तबाह हो गई थी। हमारी परियोजना रिबिल्ड कोडागू (₹2.56 करोड़ की लागत से 50 घर) के दूसरे चरण में, हम 10 मई, 2020 को कोडागु में गढ़गंधुर-मादापुर क्षेत्र के 25 और लाभार्थियों को पूर्ण हो चुके घर सौंपकर बेहद खुश हुए, परियोजना प्रमुख पीडीजी रवि अप्पाजी ने कहा।

उन्होंने याद किया कि जून 2019 में पहला चरण पूरा हुआ था, और इस परियोजना के तहत मंडल ने PRIP कल्याण बेनर्जी की उपस्थिति में 25 घरों को लाभार्थियों को सौंप दिया। यह परियोजना हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी इंडिया के सहयोग से शुरू की गई थी।

रोटरी रिबिल्ड कोडागू रोई मंडल 3181 न्यास के अध्यक्ष आईपीडीजी पी रोहिनाथ ने कहा कि इन 50 परिवारों को सबसे खराब प्रभावित और सबसे योग्य जैसे मानदंडों के आधार पर चुना गया था, और लाभार्थियों की पहचान आवासीय, सामुदायिक नेताओं और स्थानीय लोगों द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। भूमि और उसके हक़ लाभार्थियों के नाम है, इसलिए घर उनकी स्वयं की जमीन पर पुनर्निर्मित किए गए थे।

अप्पाजी ने कहा कि प्रत्येक घर की लागत ₹5.05 लाख थी, और ₹2.56 करोड़ की राशि भारतीय एवं विदेशी दानकर्ताओं, रोटेरियनों और दोस्तों के योगदान से जुटाई गई थी। 2018 में आई बाढ़ द्वारा उनके घरों और उनके जीवन को तबाह किए जाने के बाद, यह परियोजना PRIP बेनर्जी और तत्कालीन रोई निदेशक सी भास्कर द्वारा शुरू की गई थी, और इसे सभी मंडल गवर्नरों और बेशक रोटरी की महान लाभार्थी आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स की अध्यक्ष राजश्री बिड़ला द्वारा समर्थित किया गया था।

पहले चरण के विपरीत, जिसमें घरों को लाभार्थियों को सौंपा गया था, इस बार कोरोना लॉकडाउन के कारण, कोई औपचारिक मंच समारोह, निमंत्रण या अन्य व्यवस्था नहीं की गई थी। जो बात अहमियत रखती थी वह यह थी कि लाभार्थी जल्द से जल्द अपने नए घरों में रहना शुरू कर दें इसलिए बड़ी सरलता के साथ उन्हें घर सौंप दिए गए। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण था कि इस साल बारिश शुरू होने से पहले घरों के मालिक अपने घरों में रहने लगे।

यह परियोजना हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी इंडिया और अभिवृद्धि समूह द्वारा निष्पादित और कार्यान्वित की गई थी।

हम अपने प्रायोजकों, दानदाताओं, रोटेरियनों और स्थानीय आपदा समिति, जो त्वरित रूप से कोडागू के बर्बाद हो चुके लोगों की मदद करने हेतु बनाई गई थी, के सदस्यों, स्थानीय पंचायत के नेताओं और निश्चित रूप से ह्यूमैनिटी और अभिवृद्धि समूह को धन्यवाद देते है, उन्होंने आगे कहा। ■

एक आयरनमैन क्लब अध्यक्ष

जयश्री

एक क्लब लीडर उम्र के तीसवें दशक में, जिनकी खेलों के प्रति गहन रूचि है और जिन्होंने बहुत सी मैराथन दौड़ों में भाग लिया है और अंतत: उन्होंने आयरनमैन खिताब को जीता है, कोई ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो हमें रोज मिलें। वह रोटरी के नवीनत प्रोग्राम - प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ को समर्थन देते हैं, जो एनसीडी को दूर रखने के लिए लोगों को शारीरिक फिटनेस की ओर प्रेरित करता है।

33 साल के निकेत दोशी तीसरी पीढ़ी के रोटेरियन हैं और वह रोटरी क्लब कोल्हापुर इवॉल्व के चार्टर अध्यक्ष हैं, रो ई मंडल 3170 क्लब केवल एक साल पुराना है। उनके पिता श्री राजेंद्र (राजू) दोशी सन् 1999-2000 में जिले के गवर्नर थे और उनके दादा श्री मोतीभाई दोशी ने सन् 1977-78 में जिले का नेतृत्व किया था।

निकेत ने गोवा में आयोजित देश के पहले आयरनमैन ट्रायथलॉन में अक्टूबर,2019 में आयरनमैन 70.3 खिताब जीता। मुझे 1,000 प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी और जिसमें 1.9 किलोमीटर तैराकी, 90 किलोमीटर साइकिल चलाना और 21.1 किलोमीटर की दौड़ शामिल थी - सभी को आठ घंटे के भीतर क्रमिक रूप से किया जाता है - आयरनमैन ने बताया। लॉग डिस्टेंस रनर होने के नाते और एक दर्जन हाफ-मैराथन दौड़ने के बाद, उन्होंने एक साल से अधिक समय तक इस आयोजन की तैयारी की। मेरी क्षमता से परे की सीमाओं में जाना ही वह था जिसने मुझे वास्तव में भाग लेने हेतु प्रेरित किया और तैराकी, बाइक और दौड़ का संयोजन कुछ हद तक जानलेवा और रोमांचक था।उन्होंने बताया और यह भी कहा कि सहन-शक्ति या धैर्य एक चुनौती है शरीर एवं दिमाग के सख्त अनुशासन, स्वास्थ्यवर्धक आहार और नियमित व्यायाम की आवश्यकता होती है - पॉजिटिव हेल्थ के लिए एक परफेक्ट रिगार्मोल, खासकर युवाओं के बीच।

वह अपने घर पर श्री राजेंद्र साबू, कल्याण बनर्जी से मिलने को याद करते हैं क्योंकि उनके दादा जी नियमित रूप से नेशनल या इंटरनेशनल रोटरी लीडरों की मेजबानी करते थे। नितिन ने अपने पिता के साथ जिला सम्मेलनों में भाग लिया है। हर सप्ताह हम उत्साह से भरे हुए कुछ झुग्गी बस्तियों में दीवारों को साफ करने या उनपर पेंटिंग करने जाते थे और बच्चों को नए कपड़े और स्टेशनरी सामग्रियां बांटा करते थे।

उनकी पत्नी प्रियंका भी रोटरी क्लब कोल्हापुर इवॉल्व की सदस्य हैं जो कि 75 सदस्यों का एक युगल क्लब है जहां सदस्यों की औसत आयु 32 साल है। निकेत ने कहा - सदस्य बहुत आनंद लेते हैं और समान विचारों का आनंद उठाते हैं क्योंकि हम समान रूचियों और लक्ष्यों को शेयर करते हैं। फेलोशिप भी बहुत रोचक है क्योंकि ऐसा नहीं है कि केवल पति या पत्नी ही रोटरी आयोजनों में भाग लेते हैं। यह सदस्यों के लिए एक अच्छा सोशल सर्कल बन गया है।

हमें आश्चर्यजनक नहीं लगा जब उन्होंने अपने लक्ष्यों एवं अपने क्लब के उद्देश्यों को शेयर किया, क्लब जो कि मुख्य रूप से सदस्यों एवं समुदाय के लिए स्पोर्ट और फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ावा दे रहा है। मैं युवाओं को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकालना चाहता हूँ और शारीरिक रूप से सक्रिय करना चाहता हूँ। आज जीवन कार्य पर अधिक केंद्रित हो गया है। हम चाहते हैं कि युवा आगे बढ़ें, अपने मोबाइल फोन को त्यागें और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। मानसिक स्वास्थ्य के समाधान के लिए हम कार्यक्रमों को शामिल करने योजना बना रहे हैं।

आयरनमैन 70.3 खिताब के विजेता, रोटरी क्लब कोल्हापुर के चार्टर अध्यक्ष निकेत दोशी।

पत्नी प्रियंका के साथ क्लब के अध्यक्ष निकेत दोशी (बाएं से तीसरे) और पत्नी सिधिका के साथ सचिव नीलाभ गोयनका (दाएं से तीसरे) ***RID*** *भारत पांड्या, पीडीजी रवि कुलकर्णी और डीजी गौरीश मसूरकर से क्लब चार्टर प्राप्त करते हैं। पीडीजी ए सनतकुमार वासुदेव (बाएं), अविनाश पोद्दार और डीजीएन गौरीश धोंड (दाएं) चित्र में शामिल हैं।*

बहुत से युवा शॉर्ट-फ्यूज (जरा सी बात पर बुरा मान जाने वाले/चिड़चिड़े स्वभाव वाले) हैं और मानसिक तनाव को दूर करने के लिए उन्हें काउंसलिंग की आवश्यकता है।

क्लब ने पैरा खेलों के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक जर्मन एनजीओ के साथ भागीदारी करके 06 दिवसीय, लगभग 600 किलोमीटर की कोल्हापुर से मुंबई तक की एक इंटरनेशनल पैरा साइक्लोथॉन का आयोजन किया। उन्होंने बताया ङ्खहमने पिछले वर्ष बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में बचाव कार्य एवं राहत कार्य और धन-उगाही भी की, आश्रयस्थल बनाए और पोलिया के लिए फंड पैदा हेतु कार रैली की।फ्फ उन्होंने बताया। और अब क्लब ने कोविड रोगियों के इलाज हेतु सरकारी अस्पतालों को मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने के लिए 70,000 डॉलर की ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट के लिए शहर में 30 रोटरी क्लबों के साथ भागीदारी की है। हमने प्रवासी मजदूरों को 1.5 लाख भोजन वितरित किए हैं और हम राइज अगेंस्ट हंगर, एक एनजीओ के साथ मिलकर रेडी-टू-कुक भोजन वितरित करने की योजना बना रहे हैं।

उन्होंने रो ई मंडल भारत पंड्या के शब्दों का स्मरण किया जिन्होंने चार्टर प्रेजेन्टेशन में कहा था कि ङ्खसामाजिक कार्य होगा लेकिन एक क्लब के लिए हेल्दी फैलोशिप का एक मजबूत फाउंडेशन बनाना सबसे अधिक जरूरी है। यदि आप इसे तीन वर्षों में पूरा करने में सफल हो सकें तब आपका क्लब निश्चित रूप से फले फूलेगा। जब आप सभी भीतर से रोटरी में आनंदित होने लगें और सदस्य आपस में नेटवर्किंग करना शुरू करेंगे तभी आप आगे बढ़ने में सक्षम होंगे। हमारे सभी सदस्यों ने उनके इस प्रेरणादायक भाषण का आनंद लिया।फ्फ

हमें स्प्रिट को जीवंत बनाए रखना है क्योंकि अब जोश-उत्साह को खोना आसान है। जूम पर हमारी साप्ताहिक बैठकें भी उतनी ही दिलचस्प रहीं।हमारे पास कुछ उत्कृष्ट बहुआयामी व्यक्तित्व वाले वक्ता थे और हमारे सभी सदस्य तुरंत ही उस पर लॉग इन करते हैं।

इसलिए क्लब के सदस्यों को वाह्य बैठकों के आनंद को नहीं चूकना है, मैंने उनसे पूछा और उन्होंने जवाब दिया - हमें स्प्रिट को जीवंत बनाए रखना है क्योंकि अब जोश-उत्साह को खोना आसान है। जूम पर हमारी साप्ताहिक बैठकें भी उतनी ही दिलचस्प रहीं। हमारे पास कुछ उत्कृष्ट बहुआयामी व्यक्तित्व वाले वक्ता थे और हमारे सभी सदस्य तुरंत ही उस पर लॉग इन करते हैं। हमारे पास एक न्यूट्रिनिस्ट, मोटिवेशनल स्पीकर हैं और अगले सप्ताह के लिए एक वोकेशनल स्पीकर निर्धारित है।फ्फ

निकेत को लगता है कि रोटरी में हम युवाओं की शक्ति को जगाने एवं उपयोग में लाने में विफल हो गए हैं। हमें अपने शहर में एक अवसर मिला। बहुत से क्लबों में समान आयुवर्ग के लोग नहीं हैं। सामान्य रूप से, किसी भी मौजूदा क्लब में शामिल हो जाना मेरे लिए बहुत ही आसान होता।लेकिन फिर इसके बाद वह और उसके मित्र, वर्तमान क्लब सचिव नीलाभ गोयनका, कोषाध्यक्ष करेन पारेख और अध्यक्ष- निलाध केडिया ने अपनी पत्नियों के साथ मिलकर इस क्लब का गठन किया। हम नए विचारों से भरे हुए रहें और समुदाय में स्थायी और प्रभावशाली परिवर्तन करने के लिए हर दिन नए उत्साह के साथ काम कर सकें उन्होंने कहा। ■

रोटरी इंडिया ह्यूमैनिटी फाउंडेशन

रोटरी इंडिया ह्यूमैनिटी फाउंडेशन (RIHF) का गठन 2010 में रोटरी भारत के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य रोटरी क्लब, गैर सरकारी संगठनों, सरकारी संगठनों, विश्वास और समुदाय-आधारित संगठनों के माध्यम से भारत और दुनिया भर में मानवीय सेवाओं का मार्गदर्शन, समर्थन और निष्पादन करना है। RIHF ने पहले से ही विभिन्न ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में अनेक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से हजारों लोगों के जीवन को परिवर्तित किया है और वह सेवा, सुविधा और संघटन के माध्यम से इस काम को जारी रखना चाहता है।

रोटरी द्वारा प्रायोजित हार्ट सर्जरी से उबर रही नन्ही शीबा साहा।

सेवा के क्षेत्र:

रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन, रोटरी इंडिया वाटर मिशन, रोटरी इंडिया सेनिटेशन मिशन, रोटरी इंडिया हेल्थ मिशन (प्रिवेंटिव), रोटरी इंडिया हेल्थ मिशन (क्यूरेटिव), रोटरी इंडिया एनवायरनमेंट मिशन और रोटरी इंडिया डिजास्टर मैनेजमेंट

न्यासी

सलाहकार: PRIP राजेंद्र साबू, PRIP कल्याण बेनर्जी और RIPN शेखर मेहता; PRID अशोक महाजन, अध्यक्ष (1 वर्ष का कार्यकाल); PRID वाय पी दास, सह-अध्यक्ष; RID कमल संघवी; RID डॉ भरत पंड्या; टीआरएफ न्यासी गुलाम वाहनवटी; पीआरआईडी पांडुरंगा शेट्टी; PRID पी टी प्रभाकर; PRID डॉ मनोज देसाई; RIDN रवि वाडलामानी और RIDN ए एस वेंकटेश।

लक्ष्य

- रोटरी इंडिया साक्षरता मिशन - शिक्षक सहायता: 30 लाख शिक्षकों तक पहुंचना, ई-लर्निंग को 25 राज्यों तक ले जाना, वयस्क साक्षरता: 6 करोड़ वयस्कों को साक्षर बनाया जाना है, बाल विकास: 1.5 लाख बच्चों को वापस स्कूल भेजना, हैप्पी स्कूल: 10,000 स्कूलों को हैप्पी स्कूलों में बदलना, और 25,000 पुस्तकालयों का निर्माण करना।
- रोटरी इंडिया वाटर मिशन: W - वाटरशेड्स - 10,000 वाटरशेड्स और 10,000 रोधक बांधों का निर्माण, -A- अवेयरनेस - 500 मिलियन लोगों तक पहुँचना और उनके जीवन को छूना, T -ट्रांसफॉर्मेशन - 10,000 जल निकायों का सुधार, E - पानी का कुशल उपयोग - 25 लाख घरों में खपत कम करना, 15,000 ड्रिप सिंचाई प्रणालियों को स्थापित करना, 5,000 जगहों पर ग्रे पानी को पुनः चक्रित करना और R - वर्षा जल संग्रहण - 50,000 वर्षा जल संग्रहण संरचनाओं को स्थापित करना।
- रोटरी इंडिया स्वच्छता मिशन: 5,000 ओडीएफ-प्लस गांव; 1,000 घरेलू नल कनेक्शन; 1.5 लाख WinS संरचनाएं; हेल्थकेयर में 500 WASH; 500, सामुदायिक शौचालय और 500 सार्वजनिक शौचालय।
- रोटरी इंडिया आपदा प्रबंधन: 10,000 आपातकालीन उपभोज्य (अस्पताल उपकरण, तम्बू, फर्नीचर और बर्तन और सामुदायिक रसोई के लिए राशन) और 20 आश्रय किटें।

रोटरी इंडिया स्वास्थ्य मिशन - निवारक: पीपीएच अपने शिविरों की संख्या को जानें - 1,500 क्लब x 4,120 जाँच/शिविर+ गैर विशेष दिनों के शिविर - 44 लाख लोगों को लाभान्वित करने के लिए; आरोग्य के साथ स्कूल जागरूकता - प्रति 2,000 स्कूलों पर 1 क्लब - 2,000 क्लब, कक्षा 7 और 8 में 300 बच्चे। कुल लाभार्थी - 40,50,000, मोबाइल स्वास्थ्य संदेश - छह महीने तक प्रति सप्ताह 2 एसएमएस। कुल लाभार्थी - 39,00,000, RFHD - 10 स्वास्थ्य शिविर - कुल लाभार्थी - 32,00,000 और स्वास्थ्य जाँच - कुल लाभार्थी - 74,00,000।

- रोटरी इंडिया स्वास्थ्य मिशन - आरोग्यकारी: ब्लड बैंक - 40, नेत्र अस्पताल/नेत्र बैंक - 50, मोतियाबिंद सर्जरियाँ - 9,00,000, डायलिसिस मशीनें/बिस्तर - 1,000, हृदय

सर्जरियाँ - 25,000, स्वास्थ्य शिविर (झ+उ) - 9 मिलियन और स्किन बैंक - 40।

- रोटरी इंडिया पर्यावरण मिशन - ठोस अपशिष्ट प्रबंधन - 4,200 गांव और 8,400 मशीनें, वृक्षारोपण - 30 करोड़ पेड़, जागरूकता अभियान - 3,000 स्कूल, 60,000 कार स्टिकर, 60 RYLA, 300 प्रकृति शिविर, नवीकरणीय ऊर्जा - 12 लाख घर।

बाढ़ से प्रभावित एक परिवार अपने रोटरी शेल्टर किट के साथ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

रोटरी क्लब और मंडल स्तर पर कार्यक्रम को सुचारू रूप से निष्पादित करने हेतु निरंतर प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। RIHF के पास प्रशिक्षण के तीन स्तर है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी जानकारी मंडल और क्लब स्तरों तक सही ढंग से पहुँचे।

प्रथम स्तर प्रशिक्षण सेवा के सभी क्षेत्रों के लिए ज़ोनल क्लबों द्वारा शुरू किया गया। एक महीने से भी कम समय में Zoom पर लगभग 304 प्रशिक्षण कार्यक्रम हुए। सेवा के सभी क्षेत्रों के लिए रोटरी वर्ष 2020-21 के लिए इनमें डीजी, डीजीई, डीसी और मंडल टीम सदस्यों ने भाग लिया।

द्वितीय स्तर प्रशिक्षण वर्ष 2020-21 के लिए क्लब अध्यक्षों और समिति अध्यक्षों को प्रदान किया जा रहा है। यह ज़ोनल क्लब के मार्गदर्शन में डीजीयों और डीसी द्वारा संचालित किया जाता है।

तृतीय स्तर प्रशिक्षण के तहत, रोटरी भारत के सेवा के आठ क्षेत्रों से संबंधित कार्यक्रमों और परियोजनाओं की जानकारी मंडल के सभी रोटरी सदस्यों को तीन महीने के दौरान आयोजित किए जाने वाले सेमिनारों के माध्यम से प्रदान की जाएगी। ■

TRF की मदद से अच्छे कार्य

रोटरी-कॉर्पोरेट भागीदारी ने स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग दिया

टीम रोटरी न्यूज़

जब ठाणे के होली क्रॉस अस्पताल के अधिकारी ने रोटरी क्लब कल्याण रिवरसाइड, रो ई मंडल 3142 से अस्पताल को डायलिसिस उपकरण को प्रदान करने के लिए अनुरोध किया तब क्लब के अध्यक्ष प्रतीक गुजर ने तुरंत ही अस्पताल को रोटरी क्लब ठाणे मिडटाउन से कनेक्ट किया। श्री गुजर ने कहा - "मुझे इस बात का पता था कि वे रोग के निवारण और उपचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक जीजी एप्लिकेशन की प्रक्रिया में थे और यह बड़ी भागीदारी अस्पाताल के रोगियों हेतु प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल का विस्तार करने के लिए बेहतर बुनियादी ढ़ाँचे बनाने में सक्षम बनाएगी।"

(बायें से) RID भारत पांड्या, डीजी मोहन चंदावरकर, आईपीडीजी एशेज गांगुली और रोटरी क्लब ठाणे टाउन टाउन के अध्यक्ष राजेंद्र ज़ेंडे की मौजूदगी में टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती ने परियोजना संपर्क संतोष बडे का अभिवादन किया।

इसके बाद रोटरी क्लब ठाणे मिडटाउन ने एक कॉर्पोरेट, बिरला एस्टेट्स एवं इंटरनेशनल पार्टनर रोटरी क्लब वाल्सॉल, यूके, रो ई मंडल 1210 की पहचान की और टीआरएफ सहित, अस्पताल को चार रीनल हेमो-डायलिसिस मशीनों से लैस किया। बिरला एस्टेट्स ने 30,125 डॉलर के एक टर्म गिफ्ट का योगदान दिया, ठाणे मिडटाउन के रोटरी क्लब और कल्याण रीवरसाइड ने 1,727 डॉलर एवं रो ई मंडल 3142 और रो ई मंडल 1210 ने 4,700 डॉलर का योगदान दिया, और 5,504 डॉलर के टीआरएफ सहयोग से प्रोजेक्ट को 41,973 डॉलर में क्रियान्वित किया गया।

रो ई मंडल भारत पांड्या, टीआरएफ के ट्रस्टी गुलाम वाहनवती एवं डीजी मोहन चंदावरकर के उपस्थिति में उपकरण को अस्पताल को सौंप दिया गया। ■

District Wise TRF Contributions as on April 2020

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
			India				
2981	30,801	7,175	0	18,341	56,317	160	3.5
2982	29,621	22,265	185,807	720	238,413	139	4.6
3000	78,947	2,403	189,535	296	271,181	103	2.0
3011	88,701	1,915	144,838	6,667	242,121	103	2.9
3012	166,649	15,646	252,010	58,986	493,292	147	4.0
3020	48,323	47,270	0	12,029	107,622	120	3.2
3030	8,964	3,008	1,423	2,203	15,598	12	0.2
3040	17,135	418	9,949	0	27,502	27	1.3
3053	64,986	232	169,544	0	234,761	115	4.0
3054	11,075	529	46,577	0	58,181	35	0.6
3060	79,277	60,197	174,279	36,876	350,630	914	22.6
3070	33,087	705	16,869	0	50,661	162	5.3
3080	54,948	8,087	14,505	1,013	78,553	153	4.5
3090	17,854	301	0	1,000	19,156	45	2.3
3100	33,258	100	0	0	33,358	97	5.1
3110	26,766	1,810	1,045	0	29,621	32	0.8
3120	61,815	141	140,199	0	202,155	144	4.3
3131	162,227	4,207	522,050	43,250	731,734	758	14.4
3132	14,175	607	34,498	30,000	79,280	72	1.9
3141	621,736	16,677	1,422,584	220,225	2,281,222	929	16.9
3142	132,656	1,944	87,028	42,763	264,390	388	12.0
3150	77,895	7,711	35,504	203,668	324,779	606	17.0
3160	3,750	3,129	0	8,222	15,101	24	0.9
3170	85,185	12,139	61,421	0	158,745	261	4.7
3181	285,584	16,173	0	0	301,757	540	15.1
3182	81,514	7,616	24,493	0	113,624	309	9.9
3190	291,761	40,839	327,172	0	659,773	657	13.8
3201	64,830	35,685	437,529	32,442	570,487	222	4.1
3202	127,781	58,578	184,558	1,000	371,917	287	5.8
3211	31,468	1,043	65,915	1,422	99,848	30	0.7
3212	59,075	19,937	10,081	1,972	91,065	97	2.4
3231	3,725	1,973	16,459	0	22,157	48	1.3
3232	117,055	72,455	474,012	7,500	671,022	346	6.6
3240	224,250	42,679	33,004	0	299,932	315	10.4
3250	33,452	0	18,952	10,000	62,403	66	1.7
3261	3,275	0	30,682	0	33,958	6	0.2
3262	41,016	4,029	5,507	0	50,552	79	2.4
3291	82,345	3,542	56,798	12,500	155,185	82	2.3
India Total	**3,396,963**	**523,168**	**5,194,827**	**753,095**	**9,868,053**	**8,630**	**5.9**
3220 **Sri Lanka**	64,442	8,057	106,112	1,000	179,612	144	7.4
3271 **Pakistan**	4,513	14,552	20	0	19,085	12	0.9
3272 **Pakistan**	16,402	1,037	300	0	17,739	57	3.5
3281 **Bangladesh**	113,195	4,345	127,600	7,000	252,140	290	5.1
3282 **Bangladesh**	32,264	15,216	(2,703)	2,000	46,777	74	1.6
3292 **Nepal**	171,586	17,870	1,126,888	0	1,316,344	324	7.0
South Asia Total	**3,799,365**	**584,244**	**6,553,044**	**763,095**	**11,699,749**	**9,531**	**5.8**
World Total	**92,818,023**	**24,092,142**	**23,098,562**	**30,904,468**	**170,913,195**		

Source: RI South Asia Office

एक रोटेरियन जो कर्नाटक में कोविड वॉर रूम का हिस्सा हैं

टीम रोटरी न्यूज़

कर्नाटक में कोविड वॉरियरस में से एक रोटेरियन कार्थिक किट्टू, उस प्रोफेशनल टीम का हिस्सा हैं जिन्होंने कर्नाटक में कोविड-19 के प्रसार के बारे में जनता को सूचित करने के लिए एक वेबसाइट एवं डैशबोर्ड बनाया है।

श्री किट्टू जो बैंगलोर साउथ वेस्ट रोटरी क्लब रो ई मंडल 3190 के सदस्य हैं, वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री के कोविड-19 वॉर रूम के प्रमुख सदस्य हैं।

कोविद वार रूम में कार्तिक किट्टू (बाएं)।

प्रवासी श्रमिकों और बेघर लोगों के लिए बनाया गया हंगर हेल्प लाइन नंबर 155214 भी इस वॉर रूम से संचालित किया जाता है। एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक वॉल उस स्थान को ट्रैक करती है जहां से कॉल किया जाता है और स्वयंसेवक उस स्थान पर पहुंच जाते हैं। लॉकडाउन के समय से ही जरूरतमंद लोगों को 10 लाख से अधिक भोजन प्रदान किया गया है। ■

पुणे के क्लब ने गरीब, दलितों के लिए कोविड ICU खोला

रोई के डायरेक्टर भारत पंड्या ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध पुणे के एक अस्पताल में जो कि केवल गरीब लोगों का इलाज करता है उसमें रोटरी कोविड-19 आईसीयू सुविधा का उद्घाटन किया। पुणे के बारह रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3131 ने संयुक्त रूप से, ग्लोबल ग्रांट के तहत कोरोना-वायरस के रोगियों के लिए इस विशेष आई.सी.यू. की स्थापना की जिसे शीघ्र ही मंजूरी मिल गई।

94,750 डॉलर की ग्रांट के द्वारा इस सुविधा की तीव्र गति से स्थापना की गई और इस प्रोजेक्ट के फंड की स्वीकृति के बाद केवल तीन सप्ताह में ही इसका उद्घाटन कर दिया गया। यह सुविधा कोविड रोगियों के लिए वेंटिलेटर, पेशेन्ट मॉनिटर, सिरिंज पंप, डिफिब्रिलेटर, ईसीजी, लेरिंजोस्कोप, पीपीई किट एवं टेस्टिंग किट से लैस है।

रोटेरियन श्री सुदीन आप्टे, रोटरी क्लब पुणे प्रिस्टाइन के भूतपूर्व अध्यक्ष ने कहा कि कोविड संकट के बाद भी यह अस्पताल जरूरतमंद मरीजों निरंतर इलाज करता रहेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में यह अस्पताल 50 कोविड मरीजों का इलाज कर रहा है। बाद में, यह सुविधा एक साल में कम से कम 500 रोगियों को मुफ्त में इलाज प्रदान करेगी। ■

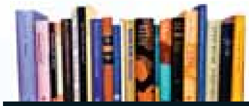

शब्दों की दुनिया

धीमी रेल की सवारी

संध्या राव

इस यात्रा विहीन दुनिया में मोनिशा राजेश की 72,000 किमी लंबी यात्रा अराउंड दी वर्ल्ड इन 80 ट्रेन्स? के बारे में पढ़ने से बेहतर और क्या हो सकता है?

कई लोगों ने भारतीय रेल का एक चौंका देने वाला उदाहरण देखा जो रेल उत्तर प्रदेश जाने हेतु चली वो ओडिशा में जाकर समाप्त हुई जिसमें सवार सैकड़ों यात्रियों को ना ही कोई चेतावनी दी गई और ना ही उनसे और उनका इंतजार कर रहे उनके सैकड़ों प्रिय जनों से कोई माफ़ी मांगी गई। ज्ञात रहें कि रेल मार्ग-विशिष्ट पटरियों पर चलती है, फिर ऐसा क्यों हुआ यह अपने आप में एक रहस्य है, यहां तक कि एक गड़बड़ी है। इस परिदृश्य में, ब्रिटिश पत्रकार मोनिशा राजेश की किताबें अति-आवश्यक राहत और परिप्रेक्ष्य प्रदान करती है।

कुछ साल पहले, मैंने स्थानीय किताबों की दुकान से *अराउंड इंडिया इन 80 ट्रेंस* नामक एक किताब खरीदी थी। 2012 में प्रकाशित इस किताब में, मोनिशा द्वारा 2010 में चार महीनों में भारत भर में की गई 65,000 किमी लंबी यात्रा का रिकॉर्ड है। आप नाम लीजिये और वह उस जगह निकल पड़ती है, शाब्दिक रूप से कश्मीर (खैर, कश्मीर तो नहीं, बल्कि दिल्ली) से कन्याकुमारी तक। adventure.com पर मोनिशा के साथ मीरा दत्तानी का साक्षात्कार याद दिलाता है कि जिस तरह उन रेलगाड़ियों ने उन्हें लोगों तक विशेष पहुँच प्रदान की, उस तरह से कोई अन्य परिवहन का साधन नहीं कर सकता था। यह तंत्र देश की लंबाई और चौड़ाई को कवर करते हुए, हर कोने-कोने तक पहुँचता है। यह मुझे मेरी पसंद की लगभग हर जगह ले गया: अमृतसर के स्वर्ण मंदिर, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, ताजमहल, केरल के समुद्र तट, जैसलमेर के किले... साथ ही, जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के साथ मिलने और बात करने से उन्हें भारत की गतिशीलता, उसकी वर्ग प्रणाली, राजनीती, उसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलू को समझने में मदद मिली, कुछ हद तक सौ वर्ष पूर्व एम. के. गाँधी नामक एक अन्य व्यक्ति की तरह ही।

कुछ साल बाद, रेल यात्रा करने की धुन फिर लग गई: इस बार वह अपने मंगेतर, जेम के साथ गई। एक साथ उन्होंने 72,000 किलोमीटर (जो कि पृथ्वी की परिधि से लगभग दोगुना है) से अधिक सात महीने तक, रूस, मंगोलिया, चीन, जापान, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, यूरोप, कनाडा, यूएसए, तिब्बत, उत्तर कोरिया और कजाखस्तान जैसे अलग-अलग और दूर-दराज के स्थानों की यात्रा की। *अराउंड द वर्ल्ड इन 80 ट्रेन्स* 2019 में प्रकाशित हुई और इसने ऐसे समय में एकदम सही पाठन सामग्री प्रदान की है जब यात्रा स्वयं बंद हो गई है।

मोनिशा अपनी सुखदायक और भयावह यात्राओं - जिनकी संख्या अधिक है - के बारे में प्रेमपूर्वक और आलोचनात्मक दोनों तरीके से विवरण देते हुए लिखती है। भारत में उनको कोंकण मार्ग सबसे अधिक पसंद था, जो अरब सागर के किनारे 700 किमी से अधिक का रेल मार्ग है जिसके दूसरी तरफ सह्याद्री पर्वत है। वह प्रेरणादायक लाइफलाइन एक्सप्रेस के प्रति भी सम्मान व्यक्त करती है जो दुनिया की पहली अस्पताल रेल है और भूले-बिसरे और दूरस्थ लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान करती है। भारत के दिल को धड़काते हुए देशभर में हजारों किमी में फैली रेल लाइन की बदौलत, जो लोग अस्पताल नहीं पहुंच पाते है, अस्पताल उन तक पहुँचता है।

एक ट्रेन से उतरने और दूसरी ट्रेन पकड़ने के मध्य, देखने लायक जगह है, मिलने के लिए लोग है, अनुभव करने के लिए संस्कृतियाँ है, व्यंजनों को चखने के बारे में कुछ बोलने की जरूरत नहीं है। उदाहरण के लिए, यह किस्सा सुनें: यांग्त्ज़ी नदी से चलने वाली नहरों पर बने झूजियाजियाओ के आसपास घूमते हुए, मोनिशा और जेम एक मध्यम आयु के चीनी जोड़े से मिलते है। वह महिला, जिसका श्वेत श्रृंगार उसके गाल से बह रहा है, पूछती है: क्या आपने थ्री स्कीज़ के बारे में सुना है?फ़यह बातचीत इस प्रकार है:

"Three squeaks? No, what on earth is that?'

'New-born mice. Tiny, tiny,' she said, pinching her thumb and index finger together. One of her eyebrows had now begun to slide away.

"They cook new-born mice?'

She laughed. "No cooking. They alive. First squeak, you pick up with chopsticks. Second squeak you dip in chilli. Third squeak you put in the mouth.'

इस यात्रा कार्यक्रम के आयोजन में कितनी तैयारी लगी! यह विलक्षण है। कल्पना करें: ट्रेनों का संयोजन और टाइम ज़ोन का मिलाप और देरी का स्वीकरण और एक मिलियन अन्य समस्याएं, अच्छे स्वास्थ्य को बरकरार रखने पर तो बात करने की भी जरूरत नहीं है। उदाहरण के लिए, मोनिशा ने ऐसे योजना बनाई थी कि वे हिरोशिमा में एटम बम गिराए जाने की 70 वीं वर्षगांठ के समय पर वहाँ पहुंचें। टेटसुशी योनेज़ावा 11 वर्ष के थे और जब बम गिरा उस वक्त वह हीरोडन स्ट्रीटकार में अपनी माँ के साथ अपनी नानी से मिलने जा रहे थे। जहाँ शहर तबाह हो गया, वहीं स्ट्रीटकार की मजबूती की वजह से उन्हें और उनकी माँ को कुछ नहीं हुआ। अब 81

वर्ष के टेटसुशी ने अपने मुंह पर लगा संतरे का रस साफ किया, और मखमली पलकें उठाकर धीरे से देखा। मेरे लिए, जापानी ट्रेनें ताकत का प्रतीक है। मदुनिया जापान को उसकी बुलेट ट्रेन, शिंकनसेन के साथ जोड़ती है। यह जापानियों के लिए केवल कहानी का एक छोटा सा हिस्सा है जिसे वह कभी नहीं भूलना चाहते। जैसा कि मोनिशा लिखती है: जापानियों के लिए, रेलवे उनके राष्ट्र के लचीलेपन का प्रतीक है। यूरेनियम बम के हिरोशिमा में गिरने के तुरंत बाद हीरोडेन स्ट्रीट कार फिर से चलने लगी, और आज भी, शहर की सड़क पर उस समय की दो कार चलती है।

मोनिशा लिखती है जापान को गलत समझा गया है। वह दत्तानी को बताती है, ङएक गलती जो मैंने यात्रा से पहले की वह सोफ़िया कोप्पोला की अजनबीपन से भरी और भ्रमित करने वाली *लॉस्ट इन ट्रांसलेशन* देखने और उसका शिकार होने की थी। शिंकनसेन के द्वारा देश भर में दो सप्ताह की शूटिंग के बाद, मैंने महसूस किया कि वह फिल्म एक आकर्षक, जटिल और बहुस्तरीय राष्ट्र के नस्लवादी, अज्ञानी चित्रण से कुछ अधिक थी। उस देश को अक्सर अत्याधुनिक और सभी से वर्षों आगे रहने के रूप में वर्णित किया जाता है, लेकिन मैं असहमत हूँ: मुझे नहीं लगता कि कोई भी देश कभी भी जापान की दक्षता और जीवन की सादगी का अनुकरण करेगा। सब कुछ जीवन को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है... और जापानी लोग अविश्वसनीय रूप से स्नेहशील, सहायक और विनम्र है।फ

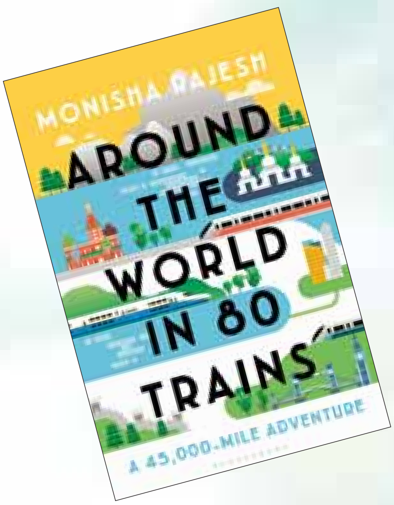

पश्चिम में वैंकूवर और पूर्व में टोरंटो को जोड़ने वाली दी कैनेडियन से तीन दिन और चार रातों की कुछ 4,466 किमी से अधिक की यात्रा करना, पूरी तरह से अलग अनुभव रहा। यह एक ऐसा मार्ग है जिसपर कुछ कनाडावासी ही जाते है - जिनके पास समय है, है ना? - बल्कि ऐसे लोग जिन्हें खिड़की से बाहर पहाड़ों और हिरणों को देखना पसंद होता है। केरन, जो विन्निपेग से चढ़ी थी, खुद को रेल प्रचारक बताती है। वह उन दोनों से कहती है, मेरे लिए सफर ही मेरी मंजिल है। अपने 50वें जन्मदिन पर मैंने फिर कभी भी उड़ान ना भरने की कसम खाई थी और तब से मैं भूमार्ग पर ही चलती हूँ।

केरन तो कनाडाई रेलवे का एक विश्वकोश निकली। कनाडा में ट्रैक के हर मील के पीछे एक मृत चीनी व्यक्ति है। रेलवे के निर्माण के लिए उन सभी को लाया गया और फिर जो बचे उन्हें बाद में वापस भेज दिया गया। उन्हें यहाँ पर अपने परिवारों को रखने की अनुमति भी नहीं थी, वह बताती है। मोनिशा आगे बताती है कि उन्हें कैसे पता चला कि ङकैसे चीनी और फर्स्ट नेशन के कार्यकर्ता चट्टान विस्फोट में मारे गए, उनके शव झीलों के बीच में एक छोटे से द्वीप पर दफन किए गए। फर्स्ट नेशन आमतौर पर इंडियन या आदिवासी के बजाय अमेरिका के मूल निवासियों का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द था - जो भूमि पर हितधारकों के रूप में उनकी प्राथमिक स्थिति की ओर इशारा करता है। दुर्भाग्य से, उनकी ताकत से बहुत दूर था, और मैंने सीट पॉकेट में भरी हुई कई पत्रिकाओं को पढ़ा है जो केरन के गृहनगर, विन्निपेग - जिसे मर्डरपेग के रूप में अधिक जाना जाता है - को नस्लीय संचालित गरीबी के केंद्र के रूप में इंगित करता है।

एक पर्यटक के रूप में, स्थानीय रीति-रिवाजों और संस्कृति का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। उत्तर कोरिया में आजादी की प्रत्यक्ष कमी जिसके आगे चीन भी स्वतंत्र दिखाई देता है, के बारे में बात करते हुए मोनिशा बताती है कि एक राष्ट्र विशेष को नियंत्रित करने वाले नियमों के संदर्भ में मार्गदर्शक के साथ राजनीति की बात करना नासमझी है, उनकी बात सुने जाने पर उनके साथ बुरा बर्ताव होने या उनकी जान खतरे में पड़ने की संभावना होती है। वह मीरा दत्तानी को बताती है, ङमैं हमारे

यूरेनियम बम के हिरोशिमा में गिरने के तुरंत बाद हीरोडेन स्ट्रीट कार फिर से चलने लगी, और आज भी, शहर की सड़क पर उस समय की दो कार चलती है।

उत्तर कोरियाई मार्गदर्शकों से सामान्य बातें करके संतुष्ट थी। आमतौर पर यह इस बारे में होती थी कि किम खख सुंग विश्वविद्यालय में उन्हें किस तरह का इतिहास पढ़ाया जाता था, उन्होंने किस तरह का संगीत डाउनलोड किया, वे कहाँ छुट्टियां मनाना चाहते थे - उनसे पूछताछ करने की तुलना में यह कहीं अधिक खुलासा करने वाला था।फ

आपके द्वारा ट्रेन पर चढ़ते ही रोमांच शुरू हो जाता है। और निश्चित रूप से, आप दोस्त बनाते है, कभी-कभी जीवन भर के लिए, जैसा कि मैं अनुभव से बता सकती हूँ। इसमें मूर्ख बनने, मजे लेने का समय होता है। लोग अक्सर कहते है, समय किसके पास है? रेल यात्री भी कहते है।

विषय और आनंदप्रद लेखन के लिए मोनिशा की पैनी और विवेकशील नज़र, विशेष रूप से दुनिया के सदर्भ में, दोनों किताबों को पढ़ने के लिए आकर्षक बनाती है। पूर्वनिर्धारित धारणाएं विलीन हो जाती है, नई अंतर्दृष्टि उभरती है... सबसे अच्छा, ये किताबें आपको रेल यात्रा करने के लिए गुदगुदाती है। यह सब धीमी और सरल, मिलने और बधाई देने, नज़ारों और ध्वनियों का आनंद लेने के बारे में है अन्यथा जीवन बैठे-बैठे व्हाट्सएप संदेशों को देखते हुए किसी अन्य मनुष्य से बिना कोई बात किए गुजर जाएगा और आपको पता भी नहीं चलेगा। तो अगली बार जब आप यात्रा करें, तो समय निकालें, एक रेल पकड़े, और इन किताबों को अपने साथ ले जाएँ। शुभ यात्रा! *आशा करते है आपकी यात्रा सुखद रहें।*

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हिंदी फिल्मी गानों की सार्वभौमिक अपील

एस आर मधु

आज के युवा यह जानकर हैरान हो जाएंगे कि हिंदी फिल्मी गीत - सभी भारतीयों की मनपसंद चीज़ चाहे वे कहीं भी रहें, कुछ भी खाएं, कैसे भी प्रार्थना करें - 1952 में ऑल इंडिया रेडियो द्वारा वास्तव में प्रतिबंधित कर दिये गए थे। कारण: डॉ. बी. वी. केसकर, तत्कालीन सूचना और प्रसारण मंत्री, ने महसूस किया कि हिंदी फिल्मी गीत अश्लील और पश्चिमी थे।

इसने रेडियो सीलोन पर *बिनाका गीतमाला* के जन्म को प्रेरित किया - प्रत्येक बुधवार की शाम को शीर्ष हिंदी फिल्मी गीतों का एक घंटे का कार्यक्रम। बुधवार की शाम को लाखों भारतीय रेडियो सीलोन पर गाने सुनते थे। श्रीलंका ने हिंदी फिल्मी गीतों की बदौलत मनोरंजन में बड़ी सफलता हासिल की थी।

भारत ने अपने प्रतिबंध को हटा लिया, और 1957 में *विविध भारती* के जन्म के साथ हिंदी फिल्मी गीत मनोरंजन के केंद्र में लौट आए।

केसकर प्रसंग हिंदी फिल्मी गीतों की अनिवार्य अपील पर प्रकाश डालता है, जिसकी कोई समाप्ति तिथि और सीमाएँ नहीं है। जादू, अतीत की यादें, राष्ट्रीय अखंडता - इसे आप जो चाहे बुलाते हो: यहाँ हर अवसर, हर मनोदशा, हर घटना, हर मौसम, परिवार की हर भूमिका (जिसमें माँ, पिता, दादा-दादी, चाचा, चाची, दामाद, बहू सब शामिल है) का उत्सव मनाने के लिए एक यादगार गीत मौजूद है।

हिंदी फिल्मी गीत अपनी अधिकता द्वारा ऊर्जा से भर सकते है। वे धार्मिक उत्साह जगा सकते है, देशभक्ति को प्रेरित कर सकते है। उनके माध्यम से, आप पुराने प्यार और दोस्ती को फिर से जी सकते है, घावों को ठीक कर सकते है, पुराने उत्सवों और

श्री 420 चलचित्र के गीत रामैया वस्तावैया में अभिनेता राज कपूर।

आनंदोत्सवों, अपने बचपन और किशोरावस्था की शोभा और शर्मिंदगी को याद कर सकते है।

चलचित्र बैजू बावरा का गीत मन तरपत हरी दर्शन को आज।

नेहरू और रमैया वस्तावैया

संगीत से उत्तेजित यादों का एक निजी किस्सा। जब भी मैं *श्री 420* के हिट गाने *रमैया वस्तावैया* को सुनता हूँ, तो मैं जवाहरलाल नेहरू के बारे में सोचता हूं। हास्यास्पद? चलिए मैं समझाता हूँ। 1956 की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नेहरू को बैंगलोर के लाल बाग में एक जनसभा को संबोधित करना था। मैं तब एक स्कूली छात्र था - हज़ारों लोगों की तरह, पंडितजी के प्रेम में पागल। उन्हें देर हो गई, और एक विशाल भीड़ ने धैर्यपूर्वक उनकी प्रतीक्षा की। अधिकारियों ने जन संबोधन सिस्टम पर *श्री 420* के गीतों को बजाकर भीड़ का मनोरंजन किया। *रमैया वस्तावैया* बार-बार बजाया गया। प्रधानमंत्री पहुंचे। उनका करिश्मा जबरदस्त था। उनका भाषण मामूली और घिसा-पिटा था। लेकिन दर्शकों ने हर कुछ मिनटों में खुशी से ताली बजाई।

जब भी कोई इस गीत का उल्लेख करता है, तो जो छवि मेरे दिमाग में आती है, वह एक आकर्षक राज कपूर या चुलबुली ललिता पवार की नहीं होती, बल्कि काज में गुलाब का ताजा फूल लगाए जवाहरलाल नेहरू की होती है, जिन्हें मैंने पहली बार साक्षात् रूप से बैंगलोर में उस सुहावनी शाम में देखा था।

सभी मानवीय भावनाओं को छू लेना

पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल, गोपाल गांधी कहते है, ऐसी कोई मानवीय भावना नहीं है जिसे हिंदी फिल्म के बोल प्रकट नहीं कर सकते। पुराने हिंदी गाने आपको सुख-दुःख ,माता-पिता, प्रियजनों, सफलता, त्रासदी और दिल टूटना, शादी और अंतिम संस्कारों, जन्म-मरण जैसी घटनाओं का सामना करने और उससे उबरने की याद दिलाते है।

पूर्व के वर्षों में, ऑर्केस्ट्रा गायकों को आराम देता था, आज हम ऑर्केस्ट्रा को आराम देने के लिए गाते है।

लता मंगेशकर

यहाँ तक कि शुद्धवादी कार्नाटिक संगीत भी हिंदी फिल्मी गीतों से प्रभावित होते है। प्रतिष्ठित गायक मदुरई जी एस मणि ने कहा था कि जब 1960 में *मुगल-ए-आज़म* रिलीज़ हुई थी, तो उन्हें उसका संगीत इतना पसंद आया कि कुछ हफ्तों तक, उन्होंने हर रात इस फिल्म का आखिरी शो देखा। वह शो के बाद घर पैदल जाते थे क्योंकि रात 1 बजे के पहले ही बसें चलना बंद हो जाती थी!

तीन मुसलमानों ने बनाया एक यादगार भजन

1953 में, रफी के अमर गीत *मन तड़पत हरि दर्शन को आज* (बैजू बावरा से) ने भारत में तहलका मचा दिया। यह शकील बदायुनी द्वारा लिखित, नौशाद द्वारा रचित, रफी द्वारा गाया गया था, तीन मुसलमानों ने भारतीय सिनेमा के सबसे शाश्वत शानदार भजन की रहनुमाई की थी। इसने ढेर सारे भाषणों और उपदेशों की तुलना में राष्ट्रीय एकीकरण के लिए बहुत कुछ किया।

राज कपूर ने मुझे बहुत पहले ही 1965 में एक साक्षात्कार में बताया कि सैकड़ों विदेशी हिंदी सीखने की कोशिश कर रहे थे ताकि वे हिंदी फिल्मी गीतों की खुलकर तारीफ कर सकें। मैं तब इस दावे को लेकर थोड़ा संशयी था। लेकिन 40 से अधिक वर्षों

गीत रमैया वस्तावैया से एक और दृश्य।

के बाद, एक अंग्रेजी अर्थशास्त्री ने मुझसे पूछा कि क्या मैं एक हिंदी भाषा नियमावली की अनुशंसा कर सकता हूँ। क्यों, मैंने पूछा। उन्होंने कहा कि उन्हें हिंदी फिल्मी गाने बहुत पसंद है लेकिन उसका मतलब समझ में नहीं आता, वह इस भाषा को सीखना चाहते है।

वर्षों से, संगीत के तरानों ने ताल, सौंदर्यशास्त्र से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक के लिए रास्ता तैयार किया है। *ढंग बदल गया, रंग बदल गया* गीतकार आनंद बख्शी ने टिप्पणी की। पूर्व के वर्षों में, ऑर्केस्ट्रा गायकों को आराम देता था, आज हम ऑर्केस्ट्रा को आराम देने के लिए गाते है, 1990 के दशक के अंत में लता मंगेशकर ने कहा था। तलत महमूद से एक बार पूछा गया कि क्यों उन्होंने फिल्मों के लिए गाना छोड़ दिया। उनकी प्रतिक्रिया: रोमांस बाहर हो गया, हिंसा ने प्रवेश कर लिया है। मेलोडी बाहर हो गई है, पश्चिमी पॉप अंदर आ गया है। मैं एक डिस्को में सुंदरता के बारे में कैसे गा सकता हूँ?

लेकिन ए आर रहमान के पास उन लोगों के लिए प्रत्युत्तर है जो हिंदी फिल्मी संगीत में लय के लुप्त होने का दोष लगाते है। संगीत को समय के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए, वह दावे के साथ कहते है। यह स्थिर नहीं हो सकता, इसे समाज के झुकाव को प्रतिबिंबित करना चाहिए।

रोमांस बाहर हो गया, हिंसा ने प्रवेश कर लिया है। मेलोडी बाहर हो गई है, पश्चिमी पॉप अंदर आ गया है। मैं एक डिस्को में सुंदरता के बारे में कैसे गा सकता हूँ?

तलत महमूद

प्राचीन काल की मधुर धुनें

मधुर संगीत समय-समय पर सिनेमा में चमकता है, लेकिन यह दुर्लभ है। लाखों संगीत प्रशंसकों के लिए, नौशाद, शंकर जयकिशन, एस. डी. बर्मन, सी. रामचंद्र, मदन मोहन या ओ पी नैय्यर के मधुर संगीत का कोई विकल्प नहीं है।

हिंदी फिल्म प्रशंसकों को याद होगा कि कई साल पहले, पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने कहा था कि कुछ पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय समकक्षों को दिल्लगी करते हुए कहा था *माधुरी दे दो, कश्मीर ले लो*। (माधुरी दीक्षित के लिए पाकिस्तान में पागलपन था)। पाकिस्तान के जाने-माने दैनिक पत्र *डॉन* के एक लेख में टिप्पणी की गई थी, इसके बजाए लता मंगेशकर को मांग लो। हमारे पास नूरजहाँ पहले से ही है, इसलिए संगीत की दोनों रानियाँ पाकिस्तान में होंगी।

सबसे अच्छे, सबसे महानतम हिंदी फिल्मी गाने कौन से है? इस तरह के सवाल का सामना करने की भी हिम्मत चाहिए। आप हजारों रत्नों में से कुछ को कैसे चुनते है? 1950 का दशक जो हिंदी फिल्म संगीत का सबसे समृद्ध और सबसे शानदार युग था, और जब लता और रफी के साथ-साथ नौशाद, शंकर-जयकिशन, सी. रामचंद्र और ओ. पी. नय्यर जैसे शीर्ष संगीतकार अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन कर रहे थे, उस समय के 40 अमर गीतों की सूची देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें।

सर्वश्रेष्ठ हिंदी गानों की सूची के लिए *https://rotarynewsonline.org/the-universal-appeal-of-hindi-film-songs/* पर विजिट करें।

लेखक रोटरी क्लब मद्रास साउथ रो ई मंडल 3232 के सदस्य है।

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

रोटरी के आपदा प्रतिक्रिया कोष में योगदान

आपदा प्रतिक्रिया कोष में दिये जाने वाले योगदान एक क्लब के वार्षिक योगदान लक्ष्य और प्रति व्यक्ति देने की गणना में गिने जाएंगे, लेकिन यह डक-ठए और ऊळ्ऊ गणना के लिए लागू नहीं होंगे। इसी तरह, ये योगदान हर मान्यता अवसरों के लिए योग्य होंगे, जिसमें प्रत्येक रोटेरियन, प्रत्येक वर्ष; रोटरी फाउंडेशन स्थायी सदस्य; पॉल हैरिस फैलो; पॉल हैरिस सोसाइटी; मुख्य दानकर्ता; और आर्च क्लम्फ सोसायटी शामिल है। ये सभी क्लब के मान्यता अवसरों में भी गिने जाएंगे।

व्यक्तिगत दानकर्ता, जो आपदा प्रतिक्रिया में योगदान देने के लिए आमतौर पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करेंगे, वे कोविड-19 के लिए सीधे अपने योगदान को चिन्हित नहीं कर सकते, लेकिन वे चिंता ना करें क्योंकि आपदा प्रतिक्रिया कोष में दिया गया उनका योगदान आपदा प्रतिक्रिया अनुदान के माध्यम से क्लबों और मंडलों की इस महामारी से लड़ने में मदद करेगा।

आपदा प्रतिक्रिया कोष में योगदान देने का लिंक है http://my.rotary.org/en/disaster-response-fund

30 अप्रैल* तक 2019-20 दक्षिण एशिया के टॉप 5 गिविंग मंडल

Zone	District	Total Contribution (in US $)	Worldwide Rank
4	3141	$2,212,508	3
6	3292	$1,313,473	12
7	3131	$691,079	58
5	3232	$673,022	63
7	3190	$659,693	65

*interim update

भारत के दाताओं द्वारा ऑनलाइन योगदान

ग्राहकों की संतुष्टि और प्रक्रिया क्षमता में सुधार लाने के लिए, हम निम्न सुविधाओं के कारण Rotary.org के माध्यम से ऑनलाइन योगदान देने की अनुशंसा करते है:

- Rotary.org अधिक भुगतान विकल्प प्रदान करता है - क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग
- Rotary.org पर किए गए योगदान को पंजीकृत ईमेल आईडी पर तत्काल रसीद मिलती है।
- योगदानकर्ता तुरंत माय रोटरी में अपने योगदान का अपडेट देख सकते है।
- गलत/लौटाए गए लेनदेन के मामले बहुत कम है।
- इस पोर्टल पर दी गई सभी जानकारी वैश्विक सुरक्षा अनुमतियों के साथ सुरक्षित है।
- आवर्ती देने के विकल्पों का परीक्षण किया जा रहा है और जल्द ही Rotary.org पर खुला होगा।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग के माध्यम से Rotary.org के जरिए योगदान करने के लिए, कृपया रोटरी फाउंडेशन (भारत) की वेबसाइट www.rotaryfoundationindia.org या रोटरी इंटरनेशनल वेबसाइट www.rotary.org का उपयोग करें। रोटरी में NEFT/RTGS योगदान करने का लिंक https://my.rotary.org/en/donate है। कृपया भारतीय रुपए (INR) के रूप में मुद्रा का चयन करना सुनिश्चित करें।

सदस्यता अपडेट

- क्लब सचिव सदस्यता अपडेट के लिए ज़िम्मेदार है, जिसमें नए सदस्यों को शामिल करना और निलंबित सदस्यों को हटाना शामिल है ताकि यह सुनिश्चित हो सकें कि इनवॉइस बैलेंस सही हो। अधिक जानकारी के लिए, कृपया माय रोटरी पर मेम्बरशिप ड्यूस पृष्ठ देखें।
- सदस्य डेटा ऑनलाइन रिपोर्ट करने की असमर्थता के मामले में, कृपया मेम्बर डेटा फॉर्म (माय रोटरी डॉक्यूमेंट लाइब्रेरी में स्थित) को प्रिंट करें और पूरा भरें और फिर 25 जून, 2020 से पहले data@rotary.org पर स्कैन संस्करण जमा करें ताकि जुलाई 2020 के क्लब इनवॉइस बनने से पूर्व सदस्यता जानकारी अपडेट होना सुनिश्चित की जा सके।
- सदस्यता के बारे में किसी भी जानकारी के लिए, कृपया सीधे data@rotary.org पर अपने सवाल भेजें। ■

Subscribe NOW!

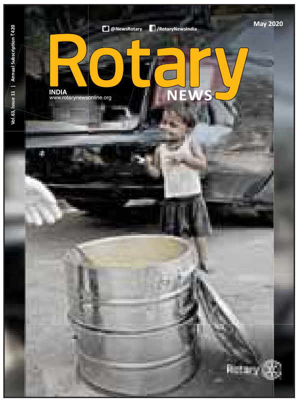

for Rotary News Print Version & e- Version

For the Rotary year 2020 – 2021

Annual Subscription (India)

Print version	e-Version
₹420/-	₹360/-

Print version ☐ e- Version ☐

	English	Hindi	Tamil
No. of Copies			

For every new member the pro-rata is ₹35 a month.

As concerned citizens of the world, those of you who are alarmed at the degradation of the environment and slaughter of trees, kindly opt for our e-Version.

Please attach the TYPED list of individual members with their complete address, PIN code, Mobile number and e-mail ID. Intimate language preference (English/Hindi/Tamil) against each member's name. Please do not send the Semi-annual Report for address list.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile ....E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "**ROTARY NEWS TRUST**" is enclosed.

Date: President/Secretary

Payments can be made online at HDFC Bank, Egmore, Chennai – Rotary News Trust, SB A/c No 50100213133460; IFSC HDFC0003820. Email us the UTR Number, Club Name, President/Secretary's name, Amount and Date of Transfer.

Mail this form to:

Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Subscription norms

1. Subscription is for the Rotary year (July to June).
2. It is mandatory for every Rotarian to subscribe to a Rotary magazine.
3. The annual subscription for print version is ₹420 per member.
4. Subscription for the full year must be sent in July, in the prescribed form.
5. Those joining after July can pay for the remaining Rotary year at ₹35 an issue.
6. Subscription account of the club with *Rotary News* is a running account and does not cease at the end of June every year.
7. Names of all members, with their complete postal address with **PIN CODE, mobile number and e-mail ID** must be sent along with the form and DD/ cheques payable at par.
8. Language preference **(English, Hindi or Tamil)** should be stated alongside member's name.
9. Please send the updated mailing address and contact details of your members **directly** to *Rotary News*.
10. Members to ensure their names are included in the Subscribers' list their club sends us. If you've paid, but your name is not sent to us by your club, you will not get a copy of the magazine.
11. When members leave, clubs should inform *Rotary News*. Please help reduce wastage of copies.
12. Clubs are liable to pay for the number of magazines we despatch according to the list available with the Rotary News Trust.
13. Unpaid dues of the club will be shown as outstanding against the club. Any payment received subsequently will be adjusted against earlier dues.
14. Clubs with subscription arrears will be notified to RI and are liable for suspension.
15. We are in the process of tallying our subscriber list with RI membership from India.

एक शांत पर्वत बनिए

भरत और शालन सवुर

एक बार, मुंबई से महाबलेश्वर की ओर जाते समय, हमारी कार का सामना कई रंबल स्ट्रिप्स से हुआ। किसी ने असंतोष नहीं दिखाया, ना ही किसी ने असंतोष दिखाने का सोचा भी। हर बार जब हमें रास्ते में एक और रम्बल स्ट्रिप दिखाई दी, हम हँसे और उसे स्वीकार कर उस पर से उछलते हुए आगे बढ़े... जीवन में भी कुछ रंबल स्ट्रिप्स होती है, है ना? तरकीब यह है कि उन धक्कों को उनकी जगह - सड़क पर - ही रहने दें और उनसे रुके नहीं और ना ही उनके बारे में सोचें। मन को मुक्त रखें - हमारा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य स्वतंत्रता में मजबूत रहता है।

विद्वान कहते है: जहर की एक बूंद भी आपको मौत के करीब ले जा सकती है और आपके अंदर एक नन्हा सा बीज भी एक विशाल पेड़ में विकसित हो सकता है। क्या हमने यह नहीं सुना कि कैसे तारों में लगी एक छोटी सी चिंगारी पूरी इमारत को जलाकर खाक कर देती है? सकारात्मक विचारों का स्वागत करें। यहाँ तक कि एक साधारण सा कितना प्यारा! एक हार्दिक धन्यवाद या हँसी का एक मीठा झोंका मन और शरीर को आराम देता है। जब हम जीवन की रम्बल स्ट्रिप्स से लड़खड़ाकर गिरते है, तो अपने उत्साह को बढ़ाने के लिए अंदर से उठने वाली हँसी-मजाक की एक गड़गड़ाहट जैसा और कुछ नहीं होता। हर बार आनंद की एक लहर चढ़ी हुई भौंहों को भी शांत कर देती है।

दर असल, हमें अपने दृष्टिकोण पर नज़र रखनी होगी जो विचारों को उत्पन्न करता है। गलती ढूँढने, शिकायत करने के लिए तैयार ना रहें, बल्कि, सुखद रूप से आश्चर्यचकित होने, खेलने और ज़ोर से ठहाका लगाने के लिए तैयार रहें। मेरी बहन पुष्पा ने मुझे एक सुंदर संदेश भेजा: समय सब कुछ ठीक नहीं करता, लेकिन स्वीकरण करता है। जैसे ही मैंने इसे पढ़ा, मुझे लगा कि मेरे अंदर एक प्रार्थना उठ रही है। यह वास्तव में सच है क्योंकि स्वीकृति से हम समझ, सद्भाव, सहानुभूति और शांति से भरे एक अद्भुत जीवन का निर्माण कर सकते है। हमें सावधान रहना होगा, हमारे दिमाग में गुस्से की जो भी ज्वाला धधक रही है, उस पर वास्तव में ध्यान देना होगा। गुस्से की ज्वाला नष्ट करती है, जबकि, स्वीकृति की लौ स्थिर होती है और प्रेरणा की लौ का तो क्या कहना!

कोई भी खबर सबसे अच्छी खबर नहीं होती। मैं बताता हूँ, आप खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस करेंगे जब आप अखबार पढ़ना और सुबह से ही टीवी पर समाचार सुनना बंद कर देंगे - ये गतिविधियां एक प्रतिक्रियाशील मन का निर्माण करती है, जो जल्दी उत्तेजित होता है, जल्दी गुस्से, भय और उदासी से भर जाता है। आप मन में यह विश्वास भी पैदा करते है कि दुनिया में सब कुछ गलत हो रहा है जो कि अपने आप में एक गलत धारणा है। आप

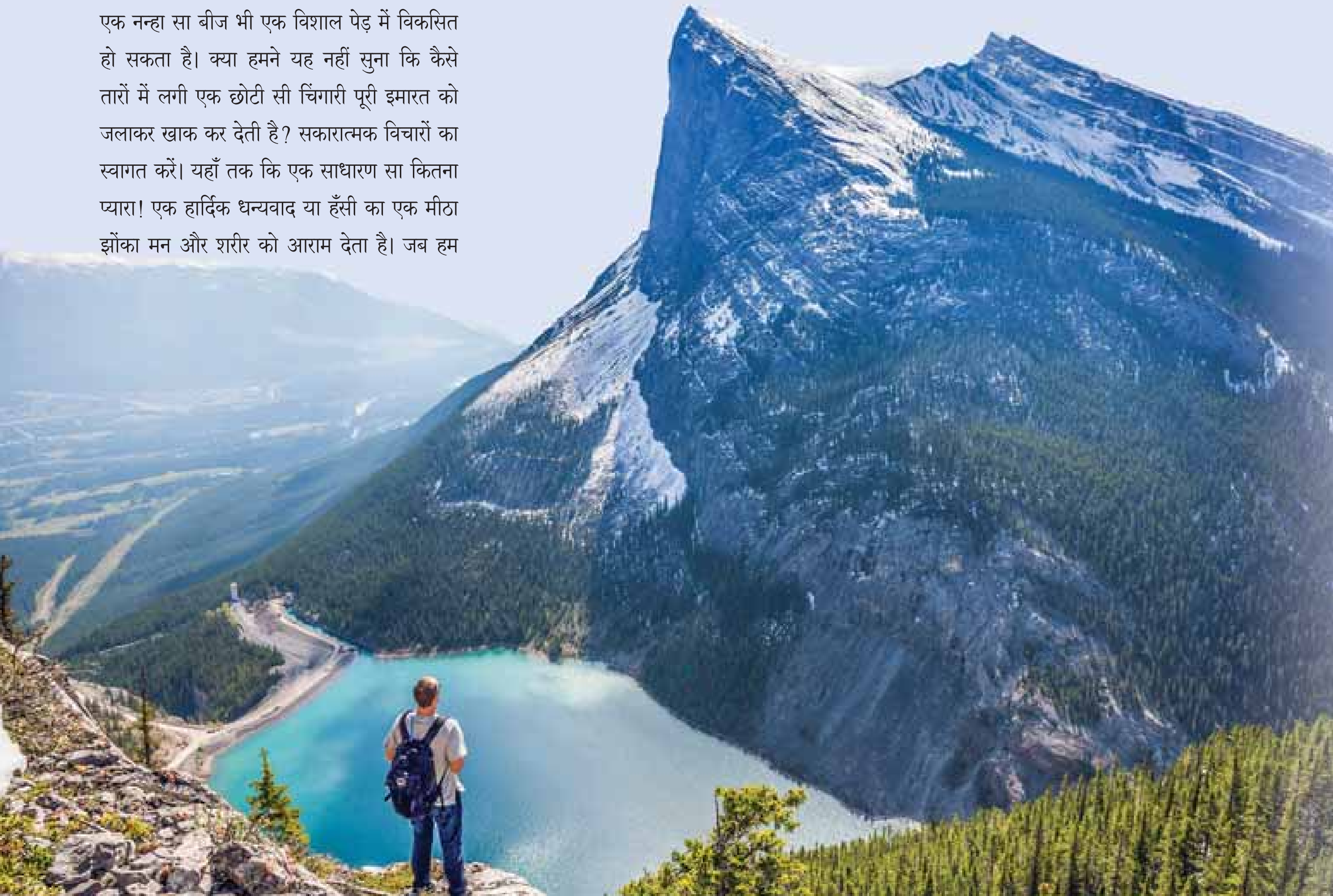

आपके मन को स्वाभाविक रूप से शांत रहने वाली अवस्था से हटाकर क्रूरतापूर्वक और हिंसक रूप से यह कहकर उठा रहे है, जागो! सब कुछ तबाह हो रहा है! यह जागने का एक भयानक तरीका है, है ना?

एक पहाड़ की ताकत। सुबह सबसे पहले, कृपया मन को शांति दें, उसे शक्ति और संतुलन प्रदान करें ताकि वह दुनिया का सामना कर सके, शांति भरा नया दिन। दिमाग को स्थिर, संतुलित, अविचल रखने के लिए एक शानदार शारीरिक मुद्रा है - पर्वत की मुद्रा। पैरों को दूर-दूर करके खड़े हो जाएं ताकि आपको पता चले कि आप आसानी से डगमगा नहीं सकते। अपने आप को ऐश्वर्य से पूरी तरह ऊपर उठाए। इस तरह चट्टान जैसी स्थिरता के साथ, प्राकृतिक सहजता के साथ खड़े रहें। अपनी रीढ़ को बांस की तरह सीधा रखें ताकि प्राकृतिक ऊर्जा बिना किसी मोड़, रुकावट या बाधा के आगे-पीछे चल सकें। अपने कंधों को सीधा रखें और अपनी पीठ के निचले हिस्से को ऊपर उठाएं ताकि न आप आगे की ओर झुककर चलें और न ही कन्धों में कोई झुकाव हो। अपने सिर को अपनी गर्दन पर संतुलित रखें। ऐसी मुद्रा में तनाव नहीं होता है, केवल शक्ति और शोभा होती है। यदि यह पर्वत हिलता है, तो यह केवल अपने स्वयं के हास्य, अपनी परिहास की शक्ति से हिलता है।

अपनी आँखें बंद करें ताकि विचलित न हों। जहाँ हो वहीं खड़े रहो, शरीर को बिना हिलाए, मन को बिना विचलित किए। अपने कान बंद कर दो ताकि कोई आवाज़ अंदर ना जाए। यदि आप कान बंद नहीं कर सकते है, तो ध्वनियों को चारों ओर से बहने दें, उन्हें अनसुना करें, अप्रभावित, अविचलित रहें। मन, हृदय और आत्मा से पहाड़ की तरह बनिए।

जब आपको लगता है कि आप अपनी मुद्रा और शक्ति में अच्छी तरह से ठहरे हुये, खूबसूरती से स्थापित, तनावमुक्त और आराम से है, तो अपनी आँखें धीरे से खोलिए। सब कुछ उज्ज्वल दिखाई देगा फिर भी आपके प्रति मसम्मानजनकफ होगा और आप अपनी निगाह को शांत, स्थिर और समभाव महसूस करेंगे। यह मन को अपनी शक्ति और तेज के प्रति जागृत करने का तरीका है।

मन को प्रेरित करें। इस अभ्यास के बाद, दिमाग को प्रेरणादायक विचारों से भरे और आनंद एवं चैन के साथ कुछ काम करें। जैसा कि महान बौद्ध भिक्षु थिच नात हान कहते है, बीज बोना, बर्तन धोना, घास काटना उतना ही शाश्वत है, और सुंदर है जितना कि कविता लिखना। वह खाने, सोने, काम करने और रोजमर्रा की जिंदगी को जागरूकता की धूप में जीने की सलाह देते है।

वास्तव में जो हो रहा है उसे समझने के लिए सतर्क और जागरूक होना आवश्यक है। एक बार मैंने दो लोगों को असहमत होते देखा। एक बिंदु पर, महिला ने शांति के इशारे में अपना हाथ उठाया और कहा, ठीक है। आप भी सही है। चिंता और आवेश से ग्रसित व्यक्ति ने उस उठे हुए हाथ को खतरे के रूप में देखा, जैसे चुप रहो, मैं तुम्हें सुनना नहीं चाहता। आवेश तनाव पैदा करता है और किसी भी इशारे या शब्दों का सही अर्थ पूरी तरह से गलत समझा जा सकता है।

मैंने डॉ. हंसाजी योगेंद्र, जो एक बुद्धिमान और प्रिय व्यक्ति है और मुंबई के योग संस्थान के प्रमुख है, से सीखा है कि, सोचना दिमाग की प्रवृत्ति है। यदि आप इसे व्यस्त नहीं रखते है, तो यह नकारात्मक सोचने लगता है, उन्होंने कहा। यह सोचता है ङकिसने मुझे धोखा दियाफ है, ङमैं कितना आहत हूँफ यह अतीत में चला जाता है। इसे वापस वर्तमान में लाएं। हम यह कैसे करें? एक श्रोता ने पूछा। उन्होंने जवाब दिया, हर काम पर पूरी तरह से ध्यान लगाएं। यदि आप अपने दाँत ब्रश कर रहे है, तो ब्रश करते समय हर दाँत पर ध्यान केंद्रित करें। दिमाग को व्यस्त रखें और यह नकारात्मक नहीं होगा, उन्होंने सलाह दी।

यह सत्य है। एक व्यस्त दिमाग किसी भी तरह के आवेश में नहीं आता। यदि आप निरीक्षण करते है, तो ज्यादातर लोग टैक्स रिटर्न भरने की थकाऊ प्रक्रिया के बारे में सोचते है। लेकिन, जब वे बैठते है और वास्तव में अपने आय-आंकड़ों पर काम करते है, तो वे शांत और स्थिर हो जाते है। दिन-प्रतिदिन के आधार पर, दिमाग खर्चों का हिसाब-किताब रखने, निवेशों पर ध्यान देने, उनका आंकलन करने, उनका नवीनीकरण करने या उन्हें परिवर्तित करने में आनंद लेने लगता है। मंत्र, गणित, संगीत और ध्यान हमारे मन को ताल, क्रम, सौंदर्य और शांति के आयामों में झांकने और भाग लेने की अनुमति देते है।

दैनिक स्वस्थ अभ्यास। हंसाजी ने सलाह दी कि रचनात्मक रूप से हमारे और दूसरों के कर्तव्यों में व्यस्त रहें। वह बताती है, हमारी प्रणाली में ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए शारीरिक गतिविधि आवश्यक है। ऊर्जा से भरा एक व्यक्ति कभी भी नकारात्मक नहीं होगा। मेरी बहन दीपिका इस सच्चाई का एक प्रमुख उदाहरण और प्रमाण है! एक व्यस्त चिकित्सक होने के बाद भी, उसके पास हर चीज के लिए समय है - भगवद् गीता का पुनः सृजन, एक बार में बहुत सारा खाना बनाना, बच्चे को संभालना और अपने पोते-पोतियों के साथ खेलना, अन्य सक्रिय रुचियों में लिप्त होना, इत्यादि। मैंने कभी भी एक बार भी मुंबई की सड़कों के ट्रैफिक जाम और गड्ढों या किसी भी चीज़ को लेकर उसके मुँह से कोई शिकायत नहीं सुनी।

जीने के कुछ अन्य खूबसूरत तरीके:

- संतुलित भोजन खाएं। ज्यादा खाने से ऊर्जा का हनन होता है। मसालेदार और नमकीन खाद्य पदार्थ भी ऊर्जा को खत्म करते है। शरीर को अपना संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।
- अनावश्यक विचार और वार्ताओं को कम से कम 50 प्रतिशत तक कम करें। आप सकारात्मक अंतर महसूस करेंगे!
- अच्छे विचारों को पोषित करें, मन में हमेशा कुछ न कुछ आनंदप्रद रखकर उसे पोषण दें।
- कुत्ते के बच्चों की उछल-कूद, हवा में लहराते रंगीन फूलों के मनमोहक, खुशहाल दृश्यों को ध्यान से देखें।
- किसी के लिए उपयोगी बनो - सेवा करने की खुशी अर्जित की जाती है।

भाग्यवान होने को लेकर सजग रहें। जब आप अपने आशीर्वाद को महत्व देते है, तो आप और अधिक आशीर्वाद का अनुनय करते है।

जैसा कि सद्गुरु समुचित रूप से कहते है, अपने भीतर एक बढ़िया तालमेल का सृजन करें।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* सिम्पली स्पिरिचुअल-यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the Rotary News / Rotary Samachar subscription online

Our Bank details:

Bank	:	HDFC Bank SB Account
Branch	:	Montieth Road Egmore, Chennai
A/c Name	:	Rotary News Trust
A/c No.	:	50100213133460
IFSC Code	:	HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians	:	1,217,616
Clubs	:	36,158
Districts	:	525
Rotaractors	:	174,585
Clubs	:	10,529
Interactors	:	337,502
Clubs	:	14,674
RCC	:	11,025

As on May 18, 2020

*Please note Interact clubs that have not reported Interact Adviser in the past two Rotary years, are placed in "Suspended" status effective Oct 1, 2019.

Membership Summary

As on May 1, 2020

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	*Interact Clubs	RCC
2981	114	4,940	268	49	39	223
2982	71	3,184	186	85	92	55
3000	130	5,507	525	188	253	211
3011	88	3,721	941	51	87	26
3012	102	3,796	952	54	69	59
3020	73	4,272	248	54	155	351
3030	94	5,145	697	107	161	287
3040	90	2,153	252	37	45	144
3053	64	2,831	491	19	39	103
3054	129	6,284	1,169	81	138	523
3060	96	4,571	678	56	60	143
3070	106	3,165	440	46	20	58
3080	84	3,494	325	90	139	115
3090	79	2,084	55	37	5	122
3100	100	2,690	378	13	14	146
3110	128	3,811	333	29	7	105
3120	80	3,383	471	43	18	53
3131	138	5,641	1,254	105	174	117
3132	85	3,596	394	33	81	158
3141	103	5,830	1,419	118	130	87
3142	93	3,444	721	79	118	65
3150	93	3,684	386	58	122	116
3160	73	2,527	178	28	3	83
3170	129	5,798	766	80	192	169
3181	81	3,590	348	63	192	118
3182	83	3,238	275	49	90	97
3190	130	5,233	798	136	133	60
3201	145	5,733	481	106	72	50
3202	130	5,371	342	87	244	46
3211	143	4,679	352	8	24	132
3212	103	4,228	333	101	187	147
3231	93	3,823	459	52	74	357
3232	127	5,359	938	129	185	92
3240	91	3,150	426	51	365	190
3250	102	3,964	715	64	63	183
3261	72	2,685	395	16	18	43
3262	106	3,747	454	46	36	77
3291	155	3,854	806	88	86	619
India Total	**3,903**	**154,205**	**20,649**	**2,536**	**3,930**	**5,730**
3220	71	2,003	287	83	123	73
3271	94	1,514	279	65	19	22
3272	150	1,810	312	51	15	43
3281	223	6,016	953	232	45	196
3282	168	4,554	542	186	39	45
3292	125	5,047	806	132	113	115
S Asia Total	**4,734**	**175,149**	**23,828**	**3,285**	**4,284**	**6,224**

Source: RI South Asia Office

On the racks

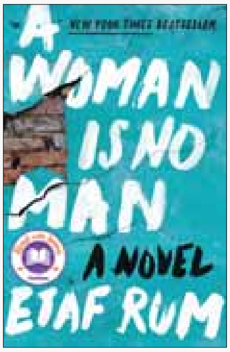

A woman is no man

Author : **Etaf Rum**
Publisher : **Harper Perennial**
Pages : **368; ₹322**

Palestine, 1990. Seventeen-year-old Isra prefers reading books to entertaining the suitors her father has chosen for her. Over a week, the naive and dreamy girl finds herself quickly betrothed and married, and is soon living in Brooklyn. There Isra struggles to adapt to the expectations of her oppressive mother-in-law Fareeda and strange new husband Adam, a pressure that intensifies as she begins to have children — four daughters instead of the sons Fareeda tells Isra she must bear.

Brooklyn, 2008. Eighteen-year-old Deya, Isra's oldest daughter, must meet with potential husbands at her grandmother Fareeda's insistence, although she desires to go to college. Her grandmother is firm on the matter: the only way to secure a worthy future for Deya is through marriage to the right man.

But fate has a will of its own, and soon Deya will find herself on an unexpected path that leads her to shocking truths about her family — knowledge that will force her to question everything she thought she knew about her parents, the past, and her future.

In her debut novel, Etaf Rum tells the story of three generations of Palestinian-American women struggling to express their desires within the confines of their Arab culture in the wake of shocking intimate violence in their community. This is a story of culture, secrets and betrayals, love, and violence. It gives us an intimate glimpse into a controlling and closed cultural world, and a universal tale about family and the ways silence and shame can destroy those we have sworn to protect.

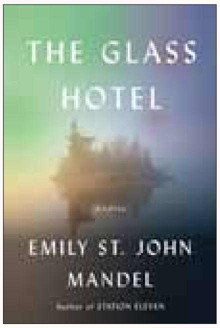

The Glass Hotel

Author : **Emily St John Mandel**
Publisher : **Knopf Publishing Group**
Pages : **302; ₹353**

Jonathan Alkaitis owns the Hotel Caiette, a five-star glass palace on a British Columbia island. Smooth talker and immoral Alkaitis gives his card with a handsome tip to Vincent, the bartender at the hotel. She looks at the money as a way of transforming her life. Angry at her choice her half-brother, Paul, scrawls a note on the glass wall of the hotel: "Why don't you swallow broken glass." A guest at the hotel Leon Prevant, who is a shipping executive for a company Neptune-Avramidis, sees the note from the hotel bar and runs scared. Putting together the lives of these characters the story revolves around a ponzi scheme, a young woman who goes missing from a ship and the disastrous fall of Alkaitis, living between the timeline 1990 and 2029.

From a remote island hotel to a container ship and the skyscrapers of Manhattan, this book paints a breathtaking picture of money, beauty, white-collar crime, ghosts and moral compromise.

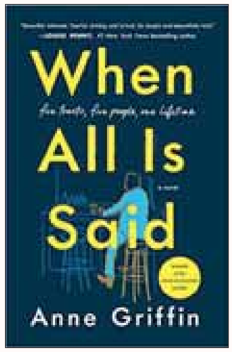

When all is said

Author : **Anne Griffin**
Publisher : **Thomas Dunne Books**
Pages : **336; ₹922**

At the bar of a grand hotel in a small Irish town sits 84-year-old Maurice Hannigan alone and ready to tell his story. Over the course of the evening, he will raise five toasts to the five people who have meant the most to him. Through these stories — of unspoken joy and regret, a secret tragedy kept hidden, a fierce love that never found its voice — the life of one man will be powerful and poignantly laid bare.

Heartwarming and powerful, the voice of Maurice Hannigan will stay with you. He will leave you with these questions — If you had to pick five people to sum-up your life, who would they be? If you were to raise a glass to each of them, what would you say? And what would you learn about yourself, when all is said?

Compiled by Kiran Zehra

मंडल गति

रोटरी क्लब नागपट्टीनम - रो ई मंडल 2981

क्लब के कोविड-19 विरोधी राहत प्रयासों के तहत, उसने पुलिसकर्मियों, संरक्षक कार्यकर्ताओं और जनता को उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए *काबासुरा कुदीनिर* (औषधीय जल) वितरित किया। रोटेरियनों ने लोगों को मास्क और विज्ञापन पत्र (क्या करें और क्या ना करें) भी वितरित किए।

रोटरी क्लब पुदुक्कोट्टई सेंट्रल - रो ई मंडल 3000

मानसिक स्वास्थ्य मिशन के आजीविका प्रशिक्षण केंद्र में विशेष बच्चों ने नृत्य और योग प्रदर्शन करके मैत्री विनिमय कार्यक्रम के तहत दौरा करने आए ब्राजील के प्रतिनिधियों का मनोरंजन किया। डीजीई ए एल चोक्कालिंगम ने इस विशेष घर की गतिविधियों के बारे में मेहमानों को जानकारी दी।

क्लब निदादवोले - रो ई मंडल 3020

एक स्थानीय कल्याण समूह के साथ साझेदारी में 26 बेरोजगार महिलाओं के लिए एक स्थायी आजीविका तैयार करने हेतु उन्हें सिलाई मशीनें दी गई। स्थानीय विधायक जी. श्रीनिवास नायडू ने क्लब के अध्यक्ष आयिनीदी पाल राव और सचिव गोपीरेड्डी श्रीनिवासु की उपस्थिति में मशीनें सौंपी।

रोटरी क्लब गाज़ियाबाद - रो ई मंडल 3012

क्लब ने एक डॉक्टर के चिकित्सीय पर्चे के अनुसार चिकित्सा केंद्र, गरीबों के लिए एक दवाखाना, को दवाइयां दान की। क्लब के अध्यक्ष क्षितिज गुप्ता ने इस परियोजना के लिए एक उदार योगदान दिया।

विधियाँ

रोटरी क्लब नासिक वेस्ट - रो ई मंडल 3030

क्लब ने नासिक पुलिस विभाग को ड्यूटी के दौरान कोरोनोवायरस संक्रमण से बचाने के लिए उन्हें 2,500 फेस शील्ड वितरित किए।

रोटरी क्लब अलवर - रो ई मंडल 3053

अरावली विहार के एक सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में लगभग 80 बच्चों को शीतकालीन यूनिफार्म दी गई। वितरण समारोह में क्लब के सचिव शशांक झालानी, रोटेरियन निर्मल मोदी, रोटेरियन विकास गुप्ता, रोटेरियन रुचि जैन, रोटेरियन शंकर खंडेलवाल और स्कूल के प्रिंसिपल अमित छाबड़ा उपस्थित थे।

रोटरी क्लब दसुया - रो ई मंडल 3070

क्लब ने झिंगरन कलां गांव के एक सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में छात्रों को स्कूल यूनिफ़ॉर्म दान की। विद्यालय प्राधिकरण ने रोटेरियनों को उनके विचारशील भाव प्रदर्शन के लिए धन्यवाद दिया जिसने छात्रों का मनोबल बढ़ाया।

रोटरी क्लब अंकलेश्वर - रो ई मंडल 3060

क्लब ने वी टी कॉलेज के परिसर में स्थित प्रयोगशाला स्कूल में वयस्क साक्षरता की कक्षाएं शुरू की। अधिकांश लाभार्थी कभी भी स्कूल नहीं गए और वे नियमित रूप से साक्षरता कक्षाओं में भाग लेने के लिए उत्साहित थे।

मंडल गति

रोटरी क्लब देहरादून सेंट्रल - रो ई मंडल 3080

क्लब ने बच्चों को सर्द, ठंडी रातों से बचाने के लिए उन्हें ऊनी कंबल और ड्रेस सामग्री दान की। यह क्लब सरकारी स्कूलों में अनेक स्वास्थ्य और स्वच्छता परियोजनाओं का संचालन कर रहा है।

रोटरी क्लब लोनांड - रो ई मंडल 3132

क्लब ने अपने पोलियो उन्मूलन गतिविधियों के तहत शहर के 32 पोलियो केंद्रों पर टीके सहित आवश्यक सामानों की आपूर्ति की। इस भाव प्रदर्शन ने पड़ोस में नवजात शिशुओं के लिए समय पर टीकाकरण की सुविधा प्रदान की।

रोटरी क्लब अम्बरनाथ स्मार्ट सिटी - रो ई मंडल 3142

अपनी डिजिटल आंगनवाड़ी परियोजना के दूसरे चरण में, क्लब ने 32 आंगनवाड़ियों को सैनिटाइज़र, फर्स्ट एड बॉक्स, कॉटन मैट, डस्टबिन, ऑडियो सिस्टम और खिलौने दान किए। डीजी मोहन चंदावरकर, एजी अनिल सहजवाला और मंडल सचिव ललित माणिक भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

रोटरी क्लब मुंबई कांडीवली वेस्ट रो ई मंडल 3141

₹4.4 लाख की लागत से तवा स्कूल, दहानु में नौ शौचालय खंड बनाए गए। इस परियोजना से 200 से अधिक वंचित परिवारों के छात्र लाभान्वित होंगे। उद्घाटन समारोह में 10 रोटेरियनों ने भाग लिया।

विधियाँ

रोटरी क्लब कुमता - रो ई मंडल 3170

डीजी गिरीश मसुरकर ने होन्नावर तालुक के कार्की गांव के पास स्थित उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए एक आवासीय विद्यालय, गुरुकल, को पीने के पानी की सुविधा, कपड़े और बर्तन दान किए। उन्होंने महेश पी यू कॉलेज में एक कंप्यूटर लैब का भी उद्घाटन किया। यह लैब क्लब के सचिव किरण काशीनाथ नायक द्वारा उनके पिता, एक पूर्व अध्यक्ष, की स्मृति में प्रायोजित की गई थी।

रोटरी क्लब बेलेहोन्नूर - रो ई मंडल 3182

रोगियों और पराचिकित्सकों को कोरोनावायरस से बचाने के लिए बेलेहोन्नूर के सरकारी अस्पताल को 500 से अधिक फेस मास्क वितरित किए गए। अस्पताल के अधिकारियों ने इस भाव प्रदर्शन के लिए रोटेरियनों को धन्यवाद दिया।

रोटरी क्लब कोयम्बटूर इंडस्ट्रियल सिटी - रो ई मंडल 3201

शहर में क्लब के कोविड-विरोधी राहत प्रयासों के तहत हैंड सैनीटाईज़र और पैर संचालित डिस्पेंसर जिला अदालत परिसर को दान किए गए। परियोजना ने निकटवर्ती इलाकों में रोटरी की छवि को बढ़ाया।

रोटरी क्लब बैंगलोर उद्योग रो ई मंडल 3190

क्लब ने नगर निगम की 16 महिला सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया जो रोजाना सड़कों की सफाई करती है और एक कपड़ा उद्योग में 500 प्रवासी महिला मजदूरों के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

रोटरी क्लब त्रिकारिपुर - रो ई मंडल 3202

एक सरकारी हाई स्कूल में मैम कॉमट्रस्ट अस्पताल, कान्हागढ़ के साथ क्लब द्वारा आयोजित मोतियाबिंद जाँच शिविर में 160 से अधिक लोग शामिल हुए। शिविर का उद्घाटन पीडीजी वी जी नयनार द्वारा किया गया और क्लब द्वारा जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त उपचार और सर्जरी प्रदान की जाएगी।

रोटरी क्लब चाथन्नूर - रो ई मंडल 3211

तिरुवनंतपुरम में डिफरेंट आर्ट सेंटर को एक एम्बुलेंस दान की गई जो निशक्त बच्चों को आश्रय देती है। यह वाहन उन बच्चों को शीघ्र चिकित्सा सुविधा प्रदान करेगा, जिन्हें त्वरित रूप से अस्पताल ले जाने की आवश्यकता होती है। डीजी शिरीष केसवान ने क्लब के अध्यक्ष शाजहाँ एम के और अन्य रोटेरियनों की मौजूदगी में मेयर के. श्रीकुमार को इसकी चाबी सौंपी।

रोटरी क्लब चेन्नई के के नगर - रो ई मंडल 3232

होली क्रॉस मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने पोलियोप्लस के लिए ₹10,000 एकत्रित किए और क्लब के फाउंडेशन के अध्यक्ष आर. सेल्वराज को इस राशि के लिए एक चेक प्रदान किया। रोटेरियन अनुराधा रवि स्कूल की न्यासी है।

रोटरी क्लब शिवकाशी सेंट्रल - रो ई मंडल 3212

क्लब के सदस्यों ने जरूरतमंद लोगों को 50 खाद्य पैकेट वितरित करने के लिए हाथ मिलाया। साथ ही, उन्होंने लॉकडाउन की मुश्किल झेल रहे गरीब परिवारों की मदद हेतु तहसीलदार को 300 किलो चावल दान में दिया।

विधियाँ

रोटरी क्लब बुर्दवान साउथ - रो ई मंडल 3240

लगभग 100 कचरा बीनने वाले और कूड़ा उठाने वालों को गमबूट्स, दस्ताने, मास्क, सैनिटाइज़र और बरसाती (बारिश के मौसम के लिए) दिए गए, जो इस नगरपालिका और इसके आसपास के क्षेत्र को साफ रखने के लिए परिश्रम करते है। रोटेरियनों की लाभार्थियों को उन्मुखीकरण व्याख्यानों के साथ सुरक्षात्मक सामग्रियों का सबसे अच्छा उपयोग करने हेतु प्रशिक्षित करने की योजना है।

रोटरी क्लब जमशेदपुर ईस्ट - रोई मंडल 3250

सुदूर क्षेत्र के महुलिया गांव में एक विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 500 से अधिक लोगों की विभिन्न बीमारियों के लिए जांच की गई और उन्हें परामर्श दिया गया।

रोटरी क्लब भिलाई ग्रेटर - रो ई मंडल 3261

रोटरी क्लब रायपुर रॉयल और रोटरी क्लब जामनगर (मेन) के सहयोग से एक LN-4 कृत्रिम हाथ शिविर आयोजित किया गया जिसमें 100 से अधिक छिन्नांगों को कृत्रिम हाथ फिट किए गए। उन्हें एक अभिविन्यास भी प्राप्त हुआ कि वे अपने नए हाथ का इस्तेमाल कैसे करें।

रोटरी क्लब बेल्लीगुंगे अपटाउन - रो ई मंडल 3291

साउथ 24 परगना जिले में स्थित रामकृष्ण विवेकानंद मिशन, रानिया, में एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 75 से अधिक रोगियों की विभिन्न बीमारियों के लिए जाँच की गई और 120 लोगों की आँखों के विकारों के लिए जांच की गई।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

ब्रिटिश काल के देसी अपराध उपन्यास

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

विस्तारित लॉकडाउन का एक अच्छा परिणाम है जिसके बारे में कोई भी बात नहीं कर रहा है: भारतीय अधिक पढ़ रहे है, शायद अनिच्छा से लेकिन आप कब तक टीवी देख सकते है और अपने फोन पर खेल सकते है? मेरे लिए सबसे बड़ा फायदा किताबों की एक पूरी तरह से नई शैली की खोज है, भारत में स्थित ऐतिहासिक अपराध उपन्यास। इसके अतिरिक्त, ये उपन्यास भारतीय मूल के लेखकों द्वारा लिखे गए है। इसलिए वे जिन लोगों के बारे में लिख रहे है उनके लिए थोड़ी सहानुभूति महसूस करते है।

ऐसी पहली लेखिका जिसके बारे में मुझे पता चला वह सुजाता मैसी है जिन्होंने एक पारसी महिला वकील के किरदार की रचना की जो तत्कालीन बॉम्बे में 20वीं शताब्दी की शुरुआत में काम करती है। वह युवती परवीन मिस्त्री है जो हत्या के रहस्यों को भी सुलझाती है। ये किताबें शांत और सभ्य शैली में अद्भुत रूप से लिखी गई है। वे पुराने बॉम्बे को जीवंत करते है, जिनमें से कुछ 1980 के बाद से ढेर सारी इमारतों के निर्माण होने तक चले थे।

ऐसे ही एक अन्य लेखक है अबीर मुखर्जी, जिनका जन्म स्कॉटलैंड में हुआ था। मैंने अब तक उनके द्वारा लिखी केवल एक किताब पढ़ी है और इस चीनी वायरस के खत्म होने के बाद जब भी संभव हुआ मैं उनकी अन्य तीन किताबें पढ़ना चाहूँगा। हालांकि, सतर्क रहें। इसी नाम का एक अन्य लेखक है जो पूरी तरह से एक अलग तरह का उपन्यास लिखता है। वास्तव में, ये दो अबीर मेरे चचेरे भाई और मुझसे भिन्न नहीं है। हमारा नाम एक जैसा है और प्रारंभिक अक्षर भी एक जैसे ही है। लेकिन वह ऐसी किताबें लिखता है जो यह दिखाती है कि इतिहास को गंभीरता से लेना चाहिए, जबकि मैं आधुनिक अर्थशास्त्र पर किताबें लिखता हूँ। मेरी किताबें बताती है कि अर्थशास्त्री अच्छे उपन्यास लिखते है।

खैर, मैं जिस अबीर की बात कर रहा हूँ उसने इम्पीरियल पुलिस, जिसे 1947 के पहले आईपीएस के रूप में जाना जाता था, के सैम विन्धम नामक एक सख्त अंग्रेज के किरदार की रचना की। इस विन्धम में कई कमजोरियां है, जिनमें से एक है अफीम - जितनी खालिस उतनी ही बेहतर, क्योंकि एक अच्छे स्कॉच की तरह, यह खुमारी नहीं देती।

उसका एक सहायक है, एक युवा कैंब्रिज-शिक्षित बंगाली जिसका नाम है सुरेंद्रनाथ। अंग्रेज उसे सरेंडर-नॉट कहकर पुकारते। उनके द्वारा भगवान जगन्नाथ के नाम के उच्चारण पर यह लेखक द्वारा किया गया थोड़ा उपहास है जो जगर्नोट बन गए थे। सरेंडर-नोट का उपनाम बैनर्जी है। जो लोग नहीं जानते, और मुझे यकीन है कि अधिकांश लोग नहीं जानते, उनके लिए भारतीय इतिहास में एक और सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी है, जो 19वीं शताब्दी के अंत और 20वीं शताब्दी की शुरुआत में एक महत्वपूर्ण राजनेता थे। तो यह भी एक बढ़िया जोड़ी है।

अबीर मुखर्जी, द्वारा लिखी केवल एक किताब पढ़ी है और इस चीनी वायरस के खत्म होने के बाद जब भी संभव हुआ मैं उनकी अन्य तीन किताबें पढ़ना चाहूँगा।

श्री मुखर्जी इतनी शिष्टता के साथ लिखते है कि एक भी शब्द अनुचित नहीं होता, ना ही कोई वाक्य निरर्थक लगता है। यह एक अलग तरह की कड़ी मेहनत है, लगभग एक जटिल संगीत धुन लिखने जैसी। यह उनकी किताब को रोचक बनाता है। आप यह पता लगाना चाहते है कि यह किसने किया था लेकिन आप आखरी पृष्ठ तक नज़र नहीं डालते। वह, मेरे लिए, अपराध उपन्यास लेखन में उत्कृष्टता की प्रमाणिकता है। यह रहस्य लेखकों के मध्य एक दुर्लभ गुण है।

ना ही वह औपनिवेशिक भारत का सविस्तार वर्णन करने में अनेक शब्दों की बर्बादी करते है और न ही उसकी नस्लीय असमानताओं का रोना रोते है जैसे इसके बारे में लिखने वाले आत्मचेतना से भरपूर अंग्रेज करते है। वह भारत को वैसे ही स्वीकार करते है जैसा यह तब था - गोरा मालिक, काला नौकर। कुछ गोरे ठीक है, जैसे कुछ नौकर ठीक है। उपन्यास का कथानक जटिल रूप से बुना हुआ है लेकिन बड़े ही सरल तरीके से। इसलिए आपको कभी भी उत्पीड़न की वह भावना महसूस नहीं होती जो कुछ रहस्य लेखक महसूस करवाते है।

उन्होंने कहा कि ये किताबें - मैसी, मुखर्जी आदि - भारतीय दर्शकों के लिए लिखी हुई प्रतीत नहीं होती। मुझे लगता है, ये मुख्य रूप से ब्रिटिश पाठकों के लिए उद्दिष्ट है जो एक खुशहाल रूप से भारत की कल्पना करना पसंद करते है। कोई बात नहीं। इन लेखकों ने एक नई शैली की रचना की है। यह अपने आप में उन्हें पढ़ने का एक पर्याप्त कारण है। यह अंग्रेजी लेखकों द्वारा भारत में लिखे गए अपराध उपन्यासों से पूरी तरह अलग है। वे अच्छे है लेकिन इतने बढ़िया भी नहीं। ■

संक्षेप में

बाहर भोजन करने के लिए पैसे दिए गए

कोविड लॉकडाउन के बाद वियना, ऑस्ट्रिया के मेयर ने लोगों को बाहर स्थानीय रेस्टोरेंट में खाना खाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक परिवार को 50 यूरो (₹4075) और हर व्यक्ति को 25 यूरो (₹2030) भेजने का निर्देश दिया। वाउचर ईमेल के द्वारा भेजे गए और रेस्टोरेंट और कैफे इन वाउचरों को नकदी में बदल सकते हैं। 40 मिलियन यूरो की इस राशि से मदद पहुँचाने का यह उपाय रेस्टोरेंट इंडस्ट्री को मदद देने के लिए है जिसे समस्त ऑस्ट्रिया में 16 मार्च को लॉकडाउन लागू होने के बाद से ही भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

यूक्रेन में फंसे शिशु

देश में विदेशियों के लिए यात्रा प्रतिबंध लगने के बाद से सरोगेट से जन्म लेने वाले कम से कम 100 शिशु यूक्रेन में फंसे हुए थे। सरोगेट मदरहुड यहां का फलने-फूलने वाला व्यवसाय है और बांझ स्त्री-पुरूष स्थानीय महिलाओं के द्वारा शिशु को जन्म देने के लिए अपने भ्रूणों को रखने के लिए पैसों का भुगतान करते हैं और 15,000 डॉलर कमाती है।। अनुमान है कि बैन के हटने से पहले कम से कम 1,000 सरोगेट जन्म और होंगे। डॉक्टर एवं देखभाल करने वाले व्यक्ति क्वारंटाइन के दौरान इन नवजात शिशुओं की देखभाल करते हैं, उन्हें फार्मूला डाइट देते हैं, टहलाने के लिए ले जाते हैं और उनको उनके माता-पिता को विडियो कॉल पर दिखाते हैं।

कोरोना के समय अभिवादन

करोना वायरस के प्रकोप की वजह से शरीर से स्पर्श कर या हाथ मिलाकर अभिवादन करने वाले शिष्टाचार के तौरतरीकों में भारी बदलाव आया है। हाथ हिलाना, नमस्ते, वुहान के तरीके से हाथ मिलाना (पैर मिलाकर नमस्ते करना), एल्बो बम्प (कोहनी छूकर अभिवादन करना), फीस्ट बम्प (मुट्ठी के द्वारा ग्रीटिंग) और थाई वाई (अभिवादन करने के भारतीय नमस्ते के समान ही) दोस्तों और परिवार के बीच ङ्गन्यू नार्मलफ हो गए हैं। तेजी से फैल रही महामारी की वजह से सेलिब्रिटीज और सम्मानित लोगों ने अभिवादन करने के नये ढंगों को तेजी से अपनाया है।

एक अत्याधिक भूख वाला व्यक्ति

एक 23 साल का प्रवासी जो राजस्थान से लौटा था और जिसे बक्सर के मंझवारी क्वारंटीन सेंटर में क्वारंटाइन किया गया था, उसके बारे में यह सूचना मिली थी कि वह एक दिन 40 रोटी और 10 प्लेट चावल खाता है एवं इसके अलावा 85 लिट्टी (बिहार राज्य का स्वादिष्ट भोजन जो गेहूँ के आटे में सत्तू भरकर बनाया जाता है) भी खा जाता है। अधिकारियों ने सेंटर के मैनेजर को निर्देश दिया कि उसकी क्वारंटाइन अवधि के समाप्त होने तक, उस व्यक्ति को भोजन से वंचित न रखा जाए या उसके भोजन में कटौती नहीं की जाए

एक महंगी फ्लाइट

जब सैकड़ों प्रवासी मजदूर अपनी औरतों व बच्चों को खींचते, ढ़ोते हुए लॉकडाउन के दौरान अपने घरों में वापस जाने के लिए पैदल जा रहे थे, तब मध्य प्रदेश में एक शराब व्यवसायी ने अपनी लड़की, दो पोतियों और नौकरानी के लिए दिल्ली से जाने के लिए एक 180 सीटर एयरबस-320 को किराये पर लिया, भोपाल से दिल्ली के बीच, बाद में वे भोपाल के बीच कोविड-19 प्रकोप के कारण फंस गए थे। एविएशन एक्सपर्ट के अनुसार, एयरबस को किराए पर लेने की कीमत लगभग ₹20 लाखे थी।

जयश्री द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा।

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on the first week of every month

A call for Covid-19 heroes

Calling upon all our readers in Rotary clubs and districts to write in and tell us about the Covid-19 heroes you have come across in your community. It has to be an individual, who showed exemplary courage, devotion to duty, compassion and grit to help those affected adversely by the corona pandemic. These heroes can be from diverse fields such as healthcare, local administration or municipal corporation, voluntary sector, police force etc.

A profile of the person, detailing the work he/she has done, with a few candid, high resolution pictures should be sent by email — no Whatsapp messages will be entertained — to *rotarynewsmagazine@gmail.com* with contact details of the person. *Rotary News* will choose a few of these and honour them in one of our next issues.